- वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा - 12

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- भारत और रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत - 12

- अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र, पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध - 13

- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया - 14

आज का मौसम

23.0^0 अधिकतम तापमान

09.0^0 न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.42 सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 105, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

गले लग दोस्त पुतिन का स्वागत

ग्रैंड वेलकम देने खुद पहुंचे मोदी, रक्षा व भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव मुक्त रखने पर चर्चा आज

- शिखर वार्ता में भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते व्यापार घाटे को दुरुस्त करने पर देगा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार की शाम को दो दिन के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का गले लग स्वागत किया। चार साल के अंतराल के बाद उनका भारत आगमन हुआ है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार शाम को पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद है।

दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक हैदराबाद हाउस में होगी, जहां मोदी राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए भोज का आयोजन करेंगे और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी होगी। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। बैठक के बाद पुतिन रूसी सरकारी प्रसारक का नया 'इंडिया चैनल' भी शुरू करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में दिए जाने वाले राजकीय भोज में शामिल होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नई दिल्ली आगमन पर उनका स्वागत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

वित्त मंत्री व रूस के उपप्रधानमंत्री ने आपसी हित के मुद्दों पर की बात

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मेंटुरोव के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जिसमें निवेश, बैंकिंग और वित्त सहित आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत और रूस दोनों ने पांच दिसंबर, 2025 को होने वाले आगामी 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन से मजबूत परिणामों की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री ने ब्रिक्स समूह की आगामी अध्यक्षता के लिए भारत को मजबूत समर्थन दिया।

मोदी से मुलाकात पर पश्चिमी देश रख रहे करीब से नजर

दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच होने वाली बैठकों पर पश्चिमी देशों करीब से नजर रख रहे हैं। रूसी नेता का नई दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत लगातार यह कहता रहा है कि बातचीत और कूटनीति ही युद्ध खत्म करने का एकमात्र तरीका है।

संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया तो भूल जाएं पदोन्नति

- प्रदेश सरकार का सख्त आदेश, 31 जनवरी तक आठ लाख से अधिक कार्मिकों को चल-अचल संपत्ति बताना अनिवार्य
- मानव संपदा पोर्टल पर विवरण दर्ज नहीं करने वालों के नाम एक फरवरी के बाद होने वाली डीपीसी से स्वत: होंगे बाहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों की पदोन्नति पर अब संपत्ति की पारदर्शिता का पहरा होगा। योगी सरकार ने स्पष्ट आदेश में कहा है कि जो भी कर्मचारी 31 जनवरी 2026 तक अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं करेगा, उसे स्थायी रूप से प्रमोशन से वंचित कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसे कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई भी अनिवार्य रूप से की जाएगी। सरकार ने इसे अंतिम चेतावनी करार दिया है।

प्रदेश में आईएएस, आईपीएस, पीसीएस व पीपीएस अधिकारियों समेत आठ लाख से अधिक सरकारी कार्मिक विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। सरकार पिछले कई वर्षों से इस बारे में नोटिस, रिमाइंडर जारी कर रही है। किंतु बड़ी संख्या में कर्मचारी भी लापरवाही बरतते रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी प्रकार की संपत्ति का ब्योरा देना अनिवार्य है। कोई भी कर्मचारी यह समझकर न बैठे कि यह केवल औपचारिकता है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि पहली फरवरी 2026 के बाद होने वाली किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में उन्हीं कर्मचारियों के नाम शामिल किए जाएं, जिन्होंने समय पर संपत्ति विवरण अपलोड किया हो। जो कर्मचारी इसे नहीं करेंगे, उनके नाम सूची से स्वतः बाहर कर दिए जाएंगे।

यह विवरण देना अनिवार्य

कर्मचारियों को अपनी हर प्रकार की संपत्ति का विवरण देना होगा। इसमें घर, प्लॉट, दुकान, दोपहिया/चार पहिया वाहन, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, बीमा, शेयर/म्यूचुअल फंड निवेश, कोई भी अन्य चल-अचल संपत्ति शामिल है। सरकार ने बताया कि मानव संपदा पोर्टल 1 जनवरी 2026 से खुल जाएगा और 31 जनवरी 2026, रात 12 बजे तक ही सक्रिय रहेगा। इसके बाद पोर्टल बंद हो जाएगा और कोई प्रविष्टि स्वीकार नहीं होगी।

इन्हें नियमों के तहत छूट

पहले से नियमों के छूट पाने वालों में चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप डी) के कुछ कर्मचारी जैसे चौकीदार, सफाईकर्मी, माली, चपरासी, वाहन चालक (कुछ विभागों में) शामिल हैं। साथ ही आउटसोर्स स्टाफ, संविदा आधारित कर्मी, दैनिक वेतन भोगी, प्रेरक व सहायकों आदि जैसी श्रेणियां, प्रोजेक्ट आधारित कर्मचारी (एनएचएम, मिशन, एड्स कंट्रोल, डूडा आदि) इन पर संपत्ति विवरण देने का प्रावधान ही नहीं था, इसलिए पहले से छूट मानी जाती है। इसके अलावा स्वायत्तशासी व विभिन्न निगमों के वे कर्मचारी जिनके सेवा नियम अलग हैं।

ब्रीफ न्यूज

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज के पति एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल तथा वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। दिल्ली भाजपा ने एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी। सुषमा स्वराज और स्वराज कौशल की इकलौती संतान बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से सांसद हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने के लिए उन्हें याद किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में

नई दिल्ली। प्रदूषण में कई दिनों तक तेज वृद्धि और गिरावट दर्ज किए जाने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता गुरुवार शाम को एक बार फिर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई, जिससे सुबह की अल्पकालिक राहत खत्म हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

बीएलओ के काम के दबाव को कम करें राज्य और केंद्र

- सुप्रीम कोर्ट ने और कर्मचारी मुहैया कराने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने मतदाता सूचियों के समयबद्ध एसआईआर में जुटे बूथ स्तरीय अधिकारियों पर कामकाज का अत्यंत दबाव होने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर गौर करते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को और अधिक कर्मचारियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि बीएलओ के कामकाज के घंटो में कमी लाई जा सके।

शीर्ष अदालत अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि समयबद्ध तरीके से ड्यूटी न निभाने के लिए बीएलओ के खिलाफ प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव आयोग के अधिकारियों की ओर से दबाव डाले जाने के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है। अधिवक्ता ने कहा कि इसके अलावा निर्वाचन आयोग के अधिकारी सौंपा गया कामकाज पूरा करने में विफल रहने पर बीएलओ के खिलाफ प्राथमिकियां भी दर्ज करा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि राज्य सरकार काम का दबाव कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने पर विचार कर सकती है।

छूट मांगने का विशिष्ट कारण है तो अन्य कर्मचारी तैनात करें

पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के पास ड्यूटी से छूट मांगने का कोई विशिष्ट कारण है, तो राज्य सरकार का संबंधित अधिकारी ऐसे अनुरोधों पर मामलों के आधार पर विचार कर सकता है और उस कर्मचारी की जगह किसी अन्य को तैनात कर सकता है। अदालत ने कहा, हालांकि, यह न समझा जाए कि यदि उनके विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं तो वे ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को वापस बुला सकते हैं।

संस्कृति क्षीण होने पर राष्ट्र खो देता है एकात्मता व पहचान : योगी

- सीएम के साथ योगेंद्र डिमरी ने किया महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति, परंपराएं और महापुरुषों से होती है। यदि संस्कृति क्षीण होती है तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान खो देता है।

गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के उद्घाटन अवसर पर योगी बोल रहे थे। इसके पहले योगी के साथ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने समारोह का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट या राष्ट्रीय चुनौती के समय महापुरुषों का शौर्य नई ऊर्जा देता है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई और सीमाओं पर बलिदान देने वाले जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कर्तव्य पालन, पर्यावरण संरक्षण, लोक कल्याण और एक अच्छा नागरिक बनना भी सच्ची देशभक्ति है। योगी ने परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजयनाथ द्वारा वर्ष 1932 में रखी नींव का उल्लेख करते हुए दिवंगत अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह और अन्य सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रही शिक्षा परिषद के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसकी भूमिका कैसी रही।

गोरखपुर में समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

शोभायात्रा में दिखा समूचा भारत

संस्थापक सप्ताह की शोभायात्रा में गोरखपुर की सड़कों पर भारतीय संस्कृति, तकनीकी विकास, विरासत और राष्ट्रीय शौर्य का प्रदर्शन किया गया। एनसीसी कैडेट्स, ताइक्वांडो टीम, स्कूल-कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों ने अनुशासनपूर्ण मार्च पास्ट किया। शोभायात्रा में मां सरस्वती, भारत माता, महायोगी गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के चित्र शामिल रहे। 'ऑपरेशन सिंदूर' से सैनिक शौर्य और राम मंदिर झांकी से विरासत का सम्मान प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री योगी और मुख्य अतिथि ने दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' व महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज की 'मिशन मंझरिया' रिपोर्ट का विमोचन किया। एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया।

रामलला को ओढ़ाई जा रही रजाई

- सुबह उन्हें गर्म पानी से स्नान कराकर श्रृंगार के दौरान गर्म कपड़े पहनाए जा रहे

अयोध्या। रामनगरी में ठंड बढ़ने के बाद राम मंदिर में विराजमान रामलला को सुबह ब्लोवर से गर्म हवा दी जा रही है और शयन के दौरान रजाई ओढ़ाई जा रही है। सुबह उन्हें गर्म पानी से स्नान कराकर श्रृंगार के दौरान गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं। भोग में भी काढ़ा समेत गर्म भोजन खिलाया जा रहा है। जिससे कि उन्हें ठंड से बचाया जा सके।

रामलला के पुजारी संतोष आचार्य के मुताबिक जैसे-जैसे ठंड बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे पांच वर्षीय रामलला को ठंड से बचाने के लिए उनकी दिनचर्या में बदलाव होता जाएगा। पहले चद्दर और कम्बल ओढ़ाया जा रहा था, अब रजाई उड़ाई जा रही है। वहीं कनक भवन, हनुमान गढ़ी, मणिराम दास छावनी, राम बल्भाकुंज, चारुशीला मंदिर समेत अन्य मंदिरों के गर्भगृह में विराजमान देवी-देवताओं की मूर्तियों पर गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक पारित

- शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के उच्च सदन ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद ने गुरुवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। राज्यसभा में उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद उच्च सदन ने इसे ध्वनिमत से लौटा दिया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर बोझ जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो।

नहीं उड़े इंडिगो के 400 विमान, 3 दिन तक परिचालन रह सकता रद्द

मुंबई, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहने से 400 से अधिक घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया, जबकि कई देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं, इंडिगो ने डीजीसीए को जानकारी दी है कि अगले दो-तीन दिन तक उड़ानों का रद्द होना जारी रहेगा। दिल्ली में इंडिगो की 100, मुंबई में 70, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 100 उड़ानें रद्द की गईं। अन्य अड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने की बात सामने आई है। छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7% पर आ गई जबकि 4 दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी।

- इंडिगो के उड़ान प्रबंधन में आई गिरावट पर यात्रियों के साथ हितधारक भी उठा रहे सवाल

कंपनी परिचालन को सामान्य बनाने में जुटी: सीईओ एल्बर्स

नई दिल्ली। परिचालन संकट से गुजर रही इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि विमानन कंपनी का तात्कालिक लक्ष्य परिचालन को सामान्य करना एवं सेवाओं का समय पर संचालन करना है लेकिन यह कोई आसान लक्ष्य नहीं है। एल्बर्स ने कर्मचारियों को दिए संदेश में यह स्वीकार किया कि एयरलाइन ग्राहकों को हवाई यात्रा का अच्छा अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर खरी नहीं उतर सकी।

सख्ती | ट्रंप प्रशासन ने वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं की कड़ी

एच-1बी वीजा के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल करने होंगे सार्वजनिक

- 15 दिसंबर से आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सरकार ने एच-1बी वीजा आवेदकों और उन पर आश्रित एच-4 वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं कड़ी कर दी हैं। नए निर्देशों के तहत सभी आवेदकों को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की निजता सेटिंग्स सार्वजनिक (पब्लिक) रखने के लिए कहा गया है।

विदेश विभाग ने जारी किए नए आदेश में कहा कि 15 दिसंबर से सभी एच-1बी आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे पहले छात्र (एफ, एम) और 'एक्सचेंज विजिटर' (जे वीजा) पहले से ही ऐसी जांच के दायरे में थे, जिसे अब एच-1बी और एच-4 वीजा तक बढ़ा दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, इस जांच को सुगम बनाने के लिए सभी एच-1बी, एच-4, एफ, एम और जे वीजा आवेदकों को अपने सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग्स सार्वजनिक करने के निर्देश दिए जाते हैं।

विभाग ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उपलब्ध सभी सूचनाओं का उपयोग करके आवेदकों की गहन जांच की जाती है।

विदेश मंत्रालय ने कहा- अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार

अमेरिकी बयान में कहा गया है, हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णय है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन नियमों को कठोर बनाने की नवीनतम कार्रवाई है। प्रशासन एच-1बी वीज़ा के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक कार्रवाई कर रहा है, जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने में करती हैं। भारतीय पेशेवर, विशेषकर प्रौद्योगिकी कर्मी और चिकित्सक एच-1बी वीज़ा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

कार्यालय नगर पंचायत सौरिख जनपद–कन्नौज

(निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन) उपविधि 2025 प्रारूप

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 (अधिनियम सं0 2 सन् 1916) की धारा–147 और धारा–298 की उपधारा (1) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके नगर पंचायत सौरिख कन्नौज जिस उपविधि के बनाने का प्रस्ताव करता है, उसका निम्नलिखित प्रारूप अधिनियम, 1916 की धारा–301 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए और उसके संबंध में आपत्तियाँ एवं सुझाव आमंत्रित करने की दृष्टि से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

आपत्तियाँ और सुझाव, यदि कोई हों, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सौरिख को सम्बोधित करके लिखित रूप में प्रेषित किये जायेगे। केवल उन्ही आपत्तियों पर विचार किया जाएगा जो इस उपविधि के प्रकाशित होने के दिनांक से तीस दिनों के भीतर प्राप्त होंगे।

नगर पंचायत सौरिख (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि 2025

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ — 1

(1) यह उवविधि नगर पंचायत सौरिख कन्नौज (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि 2025 कही जायेगी।
(2) यह नगर पंचायत सौरिख में लागू होगी।
(3) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

परिभाषाए — 2

(1) जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस उपविधि में–
(क) 'अधिनियम' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 से है।
(ख) 'आवादी' का तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जो राजस्व अभिलेखों में आवादी के रूप में अभिलिखित हो जिसका उपयोग नगर पंचायत सौरिख सीमा में उस क्षेत्र के सम्मिलित होने के दिनांक को उसके निवासियों के आवास और तत्सम्बन्धी प्रयोजनों के लिए किया जा रहा हो।
(ग) 'निर्धारण सूची' का तात्पर्य अधिनियम, 1916 की धारा–141 के अधीन तैयार की गई कर निर्धारण सूची से है।
(घ) 'संशोधन और परिवर्तन' का तात्पर्य अधिनियम, 1916 की धारा–147 के अधीन कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन से है।
(ड़) 'सम्पत्ति' का तात्पर्य यथास्थिति किसी भवन या भूमि या दोनों से है।
(च) 'सम्पत्ति कर' का तात्पर्य नगर पंचायत सीमा में आने वाले सामान्य कर/भवन या भूमियों या दोनों के वार्षिक मूल्य पर लगाए जाने वाले सामान्य कर/भवन कर, जल कर, जल निस्तारण कर और स्वच्छता कर से है।
(2) इस उपविधि में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए क्रमशः समनुदेशित हों।

निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन का कारण — 3

(1) अधिनियम 1916 की धारा–144 के अधीन नगर पंचायत कार्यालय में जमा प्रमाणीकृत कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1916 की धारा–147 के अधीन उल्लिखित कारकों के प्रोद्भूत होने की स्थिति में किया जा सकेगा।
(2) ऐसा व्यक्ति जो निर्धारण सूची के प्रमाणीकृत होने के पश्चात किसी कारणवश कराधान के लिए दायी हो गया है, उसका नाम सूची में सम्मिलित करके निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जायेगा।
(3) (क) किसी सम्पत्ति के स्वामित्व के हस्तान्तरण या स्वामित्व सामान्यतया निम्न के आधार पर प्राप्त होगा–
(एक) पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा,
(दो) पंजीकृत वसीयत द्वारा,.
(तीन) पंजीकृत विभाजन विलेख द्वारा,
(चार) पंजीकृत दान–पत्र द्वारा,
(पाँच) विधिक उत्तराधिकार द्वारा।
(ख) किसी सम्पत्ति के अध्यासी के स्थान पर किसी व्यक्ति के नाम की प्रविष्टि की स्थिति सामान्यतया इस प्रकार हो सकेगी–
(एक) नगर पंचायत सीमा में नव सम्मिलित आवादी क्षेत्र में स्थित सम्पत्ति,
(दो) गैर जमींदारी उन्मूलन (नान जेड0ए0) क्षेत्र की सम्पत्ति,
(तीन) किसी सम्पत्ति जिसका किराया दिया जाता हो या देय हो,
(चार) सम्पत्ति का किराया मुक्त किरायेदार और अनुज्ञापी।
(4) (क) सम्पत्ति के त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन, वार्षिक मूल्य और कर की दर में वृद्धि/परिवर्तन होने से कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जा सकेगा।
(ख) किसी भी समय जब यह स्पष्ट हो जाये कि किसी सम्पत्ति का मूल्यांकन और कर निर्धारण सम्पत्ति के स्वामी / अध्यासी द्वारा गलत विवरण देने के आधार पर या तथ्यों के छिपाने या भ्रान्त कथन या किसी भूल के कारण किया गया है तो उसमें किए गये सुधार की प्रविष्टि कर तदनुसार कर निर्धारण सूची संशोधित की जा सकेगी।

सूची में संशोधन और परिवर्तन की प्रक्रिया — 4

(1) (क) नियम 3 के अधीन निर्धारण सूची में व्यक्ति या सम्पत्ति का विवरण छूट जाने नव निर्माण या पुननिर्माण होने पर स्वामी या अध्यासी निर्धारित प्रपत्र के साथ सम्पत्ति का स्वकर निर्धारण कर के सम्पत्ति कर की धनराशि नगर पंचायत सौरिख द्वारा यथा निर्दिष्ट बैंक या कार्यालय में जमा कर सकेगा। नगर पंचायत सौरिख के अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा स्वकर निर्धारण प्रपत्र के आधार पर अपेक्षित प्रविष्टियाँ निर्धारण सूची में की जाएँगी।
(ख) अन्यथा स्थिति में सम्पत्ति का स्वामी या अध्यासी विहित प्रपत्र–1 में अपेक्षित सूचना निर्माण या पुननिर्माण के समापन अथवा अध्यासन के दिनांक जो भी पहले हो के 60 दिवसों के भीतर अधिशासी अधिकारी को अनिवार्य रूप से देगा। अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित प्राधिकृत अधिकारी तदुपरान्त नियमानुसार सम्पत्ति का मूलयांकन और कर निर्धारण कर उसे दतनुसार कर निर्धारण सूची में प्रविष्ट करेगा।
(2) (क) सम्पत्ति के स्वामित्व या अध्यासन के हस्तान्तरण के फलस्वरूप कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन के निमित्त आवेदक नगर पंचायत सौरिख को प्रपत्र–2 में अपना प्रोफाइल बनाकर आवेदन करेगा।
(ख) आवेदक नगर पंचायत सौरिख द्वारा निर्धारित आवेदन शुल्क, जो रू0 100.00 प्रति आवेदन होगा, का यथासम्भव ऑनलाइन भुगतान करेगा और यथास्थिति निम्नलिखित अभिलेखों को उपलब्ध करायेगा।

क्र0 सं0	अभिलेखों का प्रकार	मृत्यु के आधार पर	विक्रय पत्र विमाजन विलेख दानपत्र व अन्य के आधार पर	पंजीकृत वसीयम के आधार पर
1	आवेदक की फोटो (जे0पी0जी0 प्रारूप में)	V	V	V
2	आवेदक की पहचान का प्रमाण (जे0पी0जी0 प्रारूप मे)	V	V	V
3	आवेदक का शपथ–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V	V	V
4	पंजीकृत विक्रय विलेख या दानपत्र/विभाजन विलेख (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)		V	
5	उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		
6	मृत्यु प्रमाण (जी0आई0एफ0, पत्र पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		V
7	रजिस्ट्रीकृत वसीयत (जी0आई0एफ0, पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)			V
8	मूल पट्टा प्रतिलिपि विलेख की	V	V	
9	पूर्व में जारी नामान्तरण–पत्र की प्रतिलिपि यदि कोई हो	V	V	V

(ग) आवेदन कारण प्रोद्भूत होने के अधिकतम तीन माह के भीतर प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस अवधि के पश्चात 50 रूपये प्रतिमाह बिलम्ब शुल्क के साथ आवेदन प्रस्तुत किए जा सकेंगे।
(घ) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा एतदर्थ प्राधिकृत अधिकारी नियम–6 के अनुसार प्रमार की धनराशि की गणना करेगा और आवेदन करने की तिथि से पाँच कार्य दिवसों के अन्दर आवेदक को तत्सम्बन्ध में यथासम्भव ऑनलाइन भुगतान हेतु संसूचित करेगा। इसके साथ ही उस सम्पत्ति पर अवशेष सभी देयों के भुगतान हेतु भी सूचित किया जायेगा। आवेदक द्वारा तदनुसार पूर्ण धनराशि आगामी अधिकतम सात दिवसों में भुगतान की जायेगी निर्धारित अवधि में भुगतान प्राप्त हो जाने पर प्रस्तावित परिवर्तन या संशोधन के सम्बन्ध में प्रारूप–3 पर इस आशय की कम से कम एक महीने की नो टिस सभी सम्बन्धित हितबद्ध व्यक्तियों को जारी की जाएगी और उसकी उक प्रति आवेदक को भी दी जाएगी।
(ङ) खण्ड (घ) के अधीन जारी नोटिसों की सभी पक्षों को सम्यक् और सन्तोषजनक तामीली न होने की स्थिति में उक्त नोटिस उस नगर पंचायत सौरिख क्षेत्र में परिचालन वाले कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई जाएगी। समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन का शुल्क उसके वास्तविक व्यय के अनुसार आवेदक द्वारा भुगतान किया जाएगा। वैकल्पिक रूप में आवेदक उसे नगर पंचायत सौरिख द्वारा इस निमित निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने निजी व्यय पर नगर पंचायत क्षेत्र में परिचालन वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में उक्त नोटिस सीधे प्रकाशित करा सकता है।
(च) खण्ड (घ) के अधीन संसूचित धनराशि का भुगतान नियत अवधि में न किए जाने पर एक अन्य अवसर प्रदान करते हुए पुनः एक सप्ताह का समय दिया जाएगा। इस अवधि में भी प्रभार की धनराशि न जमा करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।
(छ) खण्ड (घ) और खण्ड (ड़) के अन्तर्गत नोटिस में अंकित अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई उत्तर या आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में अधिशासी अधिकारी द्वारा अभिलेखों के नियमसम्मत पाए जाने पर तदनुसार आदेश पारित करते हुए निर्धारण सूची में यथास्थिति संशोधन या परिवर्तन कर दिया जाएगा और सूची प्रमाणीकरण के लिए प्राधिकृत अधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षरों से उसे प्रमाणीकृत किया जाएगा।
(ज) खण्ड (घ) और खण्ड (ड़) के अधीन जारी नोटिस में नियत अवधि के भीतर उत्तर या आपत्ति प्राप्त होने की दशा में अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा निमित्त प्राधिकृत अधिकारी संक्षिप्त जाँच और सम्बन्धित पक्षों आपत्तिकर्ताओं या हितबद्ध व्यक्तियों को सम्यक सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात उपलब्ध अभिलेखीय सामग्री और गुण–दोष के आधार पर उनका निस्तारण करने और समुचित आदेश पारित करने हेतु अधिशासी अधिकारी को अग्रसारित करेगा। किसी प्रकार के स्वत्वाधिकार से सम्बन्धित विवादित प्रकारण पर सक्षम न्यायालय का निर्णय अपेक्षित होगा।
(झ) निर्धारण सूची में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी प्रभारों सहित अन्य समस्त देयों के भुगतान प्राप्त होने के दिनांक से अधिकतम 45 कार्य दिवसों की अवधि में अविवादित प्रकरणों सम्बन्धी आवेदन का निस्तारण किया जाएगा
(3) (क) कर निर्धारण सूची में सम्पत्ति के अध्यासन के आधार पर अंकित अध्यासियों के सम्बन्ध में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1916 की धारा–2 के खण्ड (11) के अधीन परिभाषित अध्यासी के पक्ष में किए जा सकेंगे।
(ख) कर निर्धारण सूची एवं तत्सम्बन्धी जारी आदेश में ऐसे संशोधन / परिवर्तन किए जाने पर 'अध्यासी' शब्द का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा जिसे प्रमाणीकृत किया जाएगा।
(ग) अध्यासन के आधार पर किए गए कर निर्धारण के विषय में वार्डवार कर निर्धारण सूची पृथक से तैयार की जाएगी और उसी में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी अपेक्षित प्रविष्टियाँ की जाएगी।
(4) निर्धारण सूची के संशोधन अथवा परिवर्तन का प्रयोजन मात्र भवन, भूमि या दोनों के सम्पत्ति कर की वसूली के दृष्टिगत होगा।

हस्तान्तरण की नोटिस दिया जाना हस्तान्तरणकर्ता और हस्तान्तरिती की बाध्यता — 5

(1) जब किसी सम्पत्ति के सम्पत्ति कर के भुगतान के लिए प्रथमतः दायी किसी व्यक्ति का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित होता है तो वह व्यक्ति जिसका स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है और वह व्यक्ति जिसे वह हस्तान्तरित किया गया है, हस्तान्तरण विलेख के निष्पादित होने के तीन माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना अधिशासी अधिकारी को देंगे।
(2) पूर्वोक्तानुसार प्रथमतः दायी किसी व्यक्ति की मृत्यु की दशा में वह व्यक्ति जिसे उत्तराधिकारी के रूप में या अन्यथा मृतक का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है, अधिशासी अधिकारी कों मृतक की मृत्यु के छः माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना देगा।
(3) अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी को उक्त सूचना के माध्यम से ऐसा हस्तान्तरण संज्ञान में आते है, इस उपविधि के प्रावधानो के अनुसार अन्तरिती का नाम निर्धारण सूची मे प्रविष्ट कर दिया जाएगा।
(4) प्रत्येक व्यक्ति जो अधिशासी अधिकारी को इस प्रकार की सूचना दिये बिना पूर्वोक्तवत् हस्तान्तरण करता है, ऐसी उपेक्षा से उद्भूत अन्य देयता के सहित हस्तान्तरित सम्पत्ति पर निर्धारित सम्पत्ति कर के भुगतान का दायित्व निरन्तर बना रहेगा जब तक कि वह इस संबंध में सूचना/आवेदन नहीं देता अथवा जब तक कि ऐसा हस्तान्तरण निर्धारण सूची में अभिलिखित नही किया जाता।
(5) जब ऐसी सूचना / आवेदन नियत अवधि में प्रस्तुत नही किया गया हो तो नगर पंचायत सौरिख में नियत विलम्ब षुल्क के साथ इसे प्रस्तुत किया जा सकता है।
(6) यदि कोई भवन गिरा दिया गया हो या ध्वस्त हो गया हो तो जब तक अधिशासी अधिकारी को इसकी नोटिस न दे दी गई हो, तब तक स्वामी / अध्यासी सम्पत्ति कर के भुगतान का दायी होगा जैसा कि वह भवन गिराए जाने या ध्वस्त न किये जाने की स्थिति में दायी था।

निर्धारण सूची के संशोधन / परिवर्तन हेतु प्रभारों का लगाया जाना — 6

(1) जहाँ कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु आवेदन नगर पंचायत सौरिख को प्रस्तुत किया जाय वहाँ आवेदक से प्रभार इस उपविधि के अनुसार उद्गृहीत किया जाएगा। प्रभारों की दरें निम्नवत होंगी।
(क) किसी विधिक उत्तराधिकारी या रजिस्ट्रीकृत वसीयत के मामले में प्रभार की दरें निम्नवत होंगी:–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	प्रभार की धनराशि (रूपये में)
1	1000 तक	500/–
2	1001–2000 तक	1000/–
3	2001–3000 तक	1500/–
4	3000 से अधिक	2500/–

(ख) नियम के उपनियम (3) के अधीन अन्य सभी मामलों में प्रभारों की दर जिलाधिकारी द्वारा नियत सर्किल रेट या पंजीकरण विलेख में अंकित धनराशि जो भी अधिक हो, के आधार पर निम्नवत् होगी–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का मूल्य	प्रमार की धनराशि (रूपये में)
1	रू0 5 लाख तक	1000/–
2	रू0 5 लाख से रू0 10 लाख	2000/–
3	रू0 10 लाख से 15 लाख तक	3000/–
4	रू0 15 लाख से रू0 50 लाख तक	5000/–
5	रू0 50 लाख से ऊपर	10000/–

(2) उपर्युक्त दरों में परिवर्तन अधिनियम् 1916 की धारा 92 के प्राविधानों के अन्तर्गत नगर पंचायत सौरिख बोर्ड की स्वीकृति/अनुमति से किया जा सकेगा।
(3) उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन एक से अधिक मध्यवर्ती संशोधन और परिवर्तन की स्थिति में प्रत्येक संशोधन और परिवर्तन पर उसमें विनिर्दिष्ट धनराशि के 10 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार देय होगा।
(4) यदि उपनियम (1) के खण्ड (ख) के मामलो में एक या एक से अधिक मध्यवर्ती विक्रय या अन्य अन्तरण हो और सम्बन्धित सम्पत्ति मध्यवर्ती क्रेताओ या अन्तरिती के नाम से निर्धारण सूची में अन्तरित न की ही गई हो तो प्रत्येक मध्यवर्ती विक्रय विलेख/अन्तरण पर इस उपविधि के अनुसार उपनियम (1) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट धनराशि के 25 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार उद्गृहीत किया जाएगा।
(5) यदि उस सम्पत्ति के संबंध में नगर पालिका से सम्बन्धित कोई धनराशि देय है तो उसका भुगतान निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु देय प्रभारों के साथ किया जसएगा।

आदेश का संशोधन या निरस्तीकरण — 7

जहाँ अधिशासी अधिकारी स्वतः या अन्यथा, ऐसी जाँच जैसा वह उचित समझे से सन्तुष्ट है कि सूची में संशोधन या परिवर्तन छल, सारवान तथ्यों के दुर्व्यपदेशन करके अथवा तथ्यों को छिपाकर अथवा मिथ्या, अशुद्ध और अपूर्ण अभिलेखों के आधार पर किया गया है तो वह सम्बन्धित व्यक्ति को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देते हुए पुनः सुनवाई कर सकता है और लिखित रूप में कारणों को अभिलिखित करते हुए संशोधन या परिवर्तन निरस्त कर सकता है उसे संशोधित कर सकता है अथवा परिवर्तित कर सकता है।

अपील — 8

अधिशासी अधिकारी के किसी आदेश से क्षुब्ध कोई व्यक्ति उस दिनांक जिस दिनांक को उसे विनिश्रय संसूचित किया गया है से तीस दिन के भीतर उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा–160 के अधीन अपील कर सकता है।

प्रपत्र–1
(नियम–4 (1 ख) देखें)
भवन निर्माण / पुनर्निर्माण / परिवर्तन/परिवर्धन सम्बन्धी सूचना–प्रपत्र

1. भवन स्वामी / अध्यासी का नाम–
2. भवन संख्या/आई0डी0 सहित भवन की अवस्थिति–
3. भवन का वर्तमान वार्षिक मूल्य–
4. सम्पत्ति कर भुगतान की अद्यतन रसीद सं0–
5. पूर्व से निर्मित भवन का आच्छादित क्षेत्रफल–
6. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन अंश का क्षेत्रफल–
7. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन के समापन की तिथि–
8. अध्यासन की तिथि–
9. अन्य विवरण यदि कोई हो।–

स्थान– **हस्ताक्षर भवन स्वामी/अध्यासी**

दिनांक– **पता–**

मोबाइल नं0–

प्रपत्र–2
(नियम–4(2) देखें)
निर्धारण सूची में संशोध/परिवर्तन प्रपत्र

1.आवेदक का नाम, पितृ नाम और पता–
2. सम्पत्ति का विवरण–
(1) विक्रय और दान आदि के मामलों में–
(क) विक्रय संख्या/आई0डी0 और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल/भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) अन्तरिती का नाम, पितृ नाम और पता
(ङ) हस्तान्तरण की प्रकृति–बिक्री/दान
(च)अन्तरण विलेख के निबन्धन की तिथि
(छ) कोई अन्य विवरण
(2) मृत्यु, वसीयत आधारित उत्तराधिकार के मामलों में–
(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) व्यक्ति का नाम (मृत्यु तिथि सहित), पितृ नाम तथा पता जिसके सापेक्ष उत्तराधिकारी द्वारा दावा किया गया है।
(ड) आवेदक का मृतक से संबंध
(च) उत्तराधिकारियों का विवरण और अंश
(छ) उत्तराधिकार का आधार (पैतृक, वसीयत आदि)
(ज) कोई अन्य विवरण
(3) भ्रान्त कथन, भूल या लोप के मामलों में–
(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) भ्रान्त कथन त्रुटि या लोप की प्रकृति का विवरण
(ङ) भ्रान्त कथन, त्रुटि या लोप की पुष्टि में साक्ष्य
(च) कोई अन्य विवरण
टिप्पणी–
उप क्रमांक (1) (2) (3) में से यथा लागू विवरण भरें।
3. आवेदन शुल्क भुगतान का विवरण–
4. अपलोड किये गये अभिलेखों का विवरण–

प्रपत्र–3
(नियम–4 (2घ) देखें)
नोटिस

श्री/श्रीमती ....पुत्र / पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती... निवासी .... का नाम नगर पंचायत सौरिख की कर निर्धारण सूची में अंकित है।

2. (1) श्री/श्रीमती.. पुत्र/ पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती... निवासी.. .... द्वारा इस सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि श्री / श्रीमती.. पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/ श्रीमती.................................. .... की मृत्यु दिनांक................................ को हो गई है .वह/वे उनके विधिक उत्तराधिकारी हैं और साक्ष्य रूप में ....प्रस्तुत किया गया हैं

(2) उनके द्वारा अपना नाम प्रविष्ट कर निर्धारण सूची को संशोधित/परिवर्तित करने का अनुरोध किया गया है।

3. यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उपरोक्त के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह / वे अपनी आपत्तियाँ लिखित रूप में साक्ष्यों सहित इस नोटिस के प्रकाशित / प्राप्त होने के दिनांक से 30 दिन के भीतर नगर पंचायत सौरिख के कार्यलय में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक/आवेदकों का नाम सूची में प्रविष्ट कर दिया जाएगा और कोई पश्चातवर्ती दावा ग्रहण नहीं किया जाएगा।

सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति आई0डी0 **सम्पत्ति संख्या** **अवस्थिति**

जारी करने की तिथि
मुहर

हस्ताक्षर
जारी करने वाले
अधिकारी का नाम
पदनाम सहित

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सौरिख
जनपद–कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

युवती के साथ मारपीट

रसूलाबाद। तिश्ती निवासी एक युवती ने गांव के ही 14 लोगों के विरुद्ध गत 27 नवंबर दोपहर घर में घुसकर लाठी डंडों से मारपीट करने एवं घर गिरा देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तिश्ती निवासी प्रिया पुत्री आदित्य कुमार ने पुलिस को बताया कि गत 27 नवंबर दोपहर करीब 2 बजे उसके गांव के ही राधा किशन, उनकी पत्नी चंद्रप्रभा, पुत्र रामनरेश, गौतम दुबे, भूपेंद्र, बहू मंजू देवी, नीतू, नाती उपेंद्र, अंशू, खुशी दुबे मधु दुबे, मुस्कान द्विवेदी, निहारिका व गुनगुन द्विवेदी ने घर में घुसकर लाठी डंडों से उसे मारा पीटा और घर गिरा दिया।

अभद्रता का विरोध करने पर मारपीट

रसूलाबाद। निराला नगर निवासी एक युवक ने गत 30 नवंबर शाम लगभग 5 बजे तीन लोगों द्वारा उसे पुलिया के पास घेर कर अपशब्द कहने, विरोध करने पर लाठी डंडों व कुल्हाड़ी से मारपीट करने, जिसके कारण गंभीर रूप से घायल हो जाने और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। निराला नगर निवासी संजीव कुमार पुत्र छिद्दू लाल ने पुलिस को बताया कि राजेश कुमार, नीतू, विशनू पुत्रगण रामरतन शर्मा निवासी अज्ञात ने उसे घेर लिया और भद्दे भद्दे अपशब्द कहे। विरोध करने पर उसे लाठी डंडों व कुल्हाड़ी से मारा पीटा। जिससे उसके गंभीर चोटे आई। चीखने पर वे लोग जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

भाजपा नेता ने दर्ज कराई मारपीट की रिपोर्ट

शिवली। नशे की हालत में गांव के युवक ने भाजपा मंडल उपाध्यक्ष के साथ मारपीट कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कोतवाली शिवली के रंजीतपुर गांव के रहने वाले शिवदीप सिंह उर्फ गांधी ने बताया बुधवार को भाऊपुर बाजार से नाई की दुकान से वापस आ रहा था कि रास्ते में गांव का अतुल सिंह नशे की हालत में मिल गया। गाली गलौज कर ईट पत्थर से हमला कर दिया। जिससे चोट लगी है। इसी बीच में उसकी सोने की चेन भी गिर गई।

मैथा, राजपुर में हुई टास्क फोर्स की बैठक

कानपुर देहात। गुरुवार को मैथा और राजपुर ब्लाक में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। ब्लॉक मैथा के सभागार में खंड विकास अधिकारी संजू सिंह द्वारा बताया गया कि मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठकों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना है। ब्लॉक मैथा के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी हरगोविंद गुप्ता राजपुर द्वारा बताया गया कि यह योजना ऐसे बच्चों की देखभाल और संरक्षण करती जिनके पास माता-पिता या कानूनी अभिभावक नहीं हैं या जिन्हें अन्य प्रकार की सहायता की आवश्यकता है।

नवीन पुल के उद्घाटन का इंतजार

कानपुर देहात। झींझक में नहर पर करोड़ों की लागत से बनकर तैयार हुए पुल पर आवा गमन चालू हो गया है। हालांकि नवीन नहर पुल के उद्घाटन का इंतजार अभी जारी है। झींझक के नहर पर नवीन पुल बन जाने से वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। पुराना नहर पुल कमजोर होने के कारण वह अपनी मियाद पूरी कर चुका है। पुराने पुल को अंग्रेजों ने बगैर सरिया सीमेंट के बनवाया था।

एनआईए की टीम ने पेट्रोल पंप पर मारा छापा, मैनेजर को साथ ले गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- हथियारों की तस्करी से जुड़े मामले में मांवर पहुंची टीम
- औरैया पुलिस के साथ-साथ बम निरोधक दस्ता भी था

अमृत विचार। एनआईए की टीम ने गुरुवार को तड़के कानपुर-झांसी हाईवे पर संचालित एक पेट्रोल पंप पर अचानक छापा मारा। टीम के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मी और पुलिस के जवान थे। बम निरोधक दस्ता भी साथ आया। टीम ने काफी देर तक पंप पर जांच की। कर्मचारियों से पूछताछ की। मैनेजर को टीम अपने साथ ले गई है। एनआईए की कार्रवाई को लेकर इलाके में सनसनी रही।

कार्रवाई भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मावर गांव में संचालित पेट्रोल पंप पर हुई। पंप कमल कांत वर्मा का बताया गया है। उसकी औरैया में भी काफी संपत्तियां और कारोबार है। यहां कार्रवाई के पीछे क्या वजह रही, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली मगर सूत्रों ने बताया कि पंजाब में अवैध हथियारों की तस्करी और खरीद फरोख्त के मामले में जांच चल रही है। मामले की जांच एनआईए के पास है। पता लगा था कि कमल कांत वर्मा हथियारों के काले कारोबार में शामिल है। वह जेल जा चुका है। कानपुर देहात के अलावा औरैया में उसकी काफी संपत्तियां हैं। यह भी जानकारी लगी है कि अलग-अलग टीमों ने पंप मालिक के लगभग 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। यहां मावर स्थित पेट्रोल पंप पहुंची टीम को देख इलाके में सनसनी रही।

टीम में उसके अधिकारियों-कर्मचारियों के अलावा औरैया जिले की पुलिस और बम निरोधक दस्ता भी था। टीम को देख पंप पर अफरातफरी मच गई। कोई कुछ समझ पाता, इसके पहले ही टीम ने पूरे पंप को कब्जे में ले लिया और छानबीन शुरू कर दी। टीम के अधिकारियों ने एक-एक कर सभी कर्मचारियों से पूछताछ की। पंप के मैनेजर साहब सिंह से कड़ी पूछताछ हुई। टीम उसे अपने साथ ले गई है। कार्रवाई को लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया मगर पुलिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एनआइए को यहां कई अहम दस्तावेज मिले हैं।

खंगाले पंप के सीसीटीवी कैमरे, लिया डाटा

राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने पंप में लगे सीसीटीवी खंगाले। उनकी रिकार्डिंग देखी। इसके बाद डीवीआर चेक किया। सूत्रों के अनुसार उसका डाटा एनआईए ले गई है। कहा जा रहा है कि डीवीआर और सीसीटीवी फुटेज से काफी राज खुल सकते हैं। मौके पर पहुंचे मीडिया के लोगों ने एनआईए के अधिकारियों से कार्रवाई के बारे में जानना चाहा लेकिन उन्होंने कुछ भी बताने से इंकार किया।

मांवर गांव के पेट्रोल पंप पर जांच को पहुंची एनआईए की टीम। कार्रवाई के दौरान चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस। अमृत विचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सिठउ मताना के पास हुआ हादसा, पैर की बीमारी की दवा लेने को रूरा आया था कन्नौज निवासी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः गुरुवार की शाम शास्त्री नगर तिर्वा कन्नौज निवासी एक युवक अपने लिए कुलंग की दवा लेकर बाइक से अपने घर लौट रहा था। रसूलाबाद बेला रोड पर सिठउ मताना के समीप अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस उसे सीएचसी रसूलाबाद लाई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास मिले मोबाइल से उसके स्वजनों को इसकी सूचना दी गई है। उसकी असमय मौत पर उसके परिवार में कोहराम मच गया है।

विवेक।

शास्त्री नगर तिर्वा जनपद कन्नौज निवासी कमलेश प्रजापति का पुत्र विवेक उर्फ गोलू 26 वर्ष साइकिल स्टोर की दुकान करता था। पैर में कुलंग हो जाने के कारण वह उसकी दवा लेने गुरुवार को रुरा बुलेट बाइक से गया था। वहां से वापस लौटते समय रसूलाबाद बेला रोड पर सिठउमताना के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसके टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी सूचना ग्रामीणों से प्रकार एसआई कीर्ति प्रकाश कनौजिया व मकबूल खां मौके पर गए और उसे एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर बृजेश कुमार ने उसे मृत बताया। उसकी शिनाख्त हो सकी और उसके स्वजनों को इसकी सूचना दी गई। उसकी मां प्रेम कांती, पिता कमलेश प्रजापति पत्नी अंकिता, तीन वर्षीय पुत्र दक्ष, बड़े भाई शिवम का रो-रोकर बुरा हाल है। उप निरीक्षक कीर्ति प्रकाश ने बताया कि मृतक के स्वजनों की प्रतीक्षा की जा रही है उनके आने पर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा जाएगा।

शव को ले जाते पुलिस कर्मी व अन्य। अमृत विचार

रोडवेज बस की चपेट में आया युवक, गई जान

शिवली : कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को देर शाम बाइक सवार युवक रोडवेज बस की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। हालांकि बचने की आस में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। कोतवाली शिवली के भेवान गांव का रहने वाला अजय (26 वर्ष) खेतों पर काम कराने गया। गुरुवार को रात करीब 8 बजे रात में काम निपटाकर घर बाइक से वापस आ रहा था। भेवान गांव के बस अड्डे पर तेज रफ्तार की चपेट में आ गया। टक्कर के बाद बाइक बस के नीचे फंस गई। इससे अजय बुरी तरह घायल हुआ। बचने की उम्मीद में उसे शिवली सीएचसी ले जाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि रोडवेज बस के टक्कर से युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

सर्द हवाओं ने झकझोरा प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर देहात। दो-तीन दिनों से सर्द हवाओं ने आम जन जीवन को प्रभावित किया है। गलन भी बढ़ी है। मौसम वैज्ञानिकों ने आगे और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। सर्द से लोगों के बचाव के लिए जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है।

डीएम कपिल सिंह ने कहा कि आगामी दिनों में संभावित शीतलहर (कोल्ड वेब), कोहरे, अत्यधिक ठंड, पाले तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट को ध्यान में रखते हुए जनपद के समस्त विभागों को उच्च सतर्कता मोड में रहने, सभी संसाधनों को सक्रिय करने और आमजन के जीवन की सुरक्षा हेतु ठोस उपाय तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के अफसरों को निर्देश जारी करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है और प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी नागरिक को ठंड, कोहरे या पाले की वजह से किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा संकट की स्थिति में समयबद्ध सहायता उपलब्ध हो सके। आपदा प्रबंधन इकाई, स्वास्थ्य, कृषि, नगर निकाय, पंचायत राज, विद्युत, पशुपालन, परिवहन, पुलिस, शिक्षा एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय कर विस्तृत योजना लागू करने का आदेश दिया है।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना, लाखों की चोरी

संवाददाता, राजपुर

- राजपुर के खलासपुर गांव में हुई घटनाएं, पुलिस ने शुरू की जांच

अमृत विचारः राजपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहला मामला खलासपुर गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह के घर का है। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार की रात परिवार के सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। चोरों ने कथित तौर पर कुछ सुंघाकर उन्हें बेहोश किया और घर में रखी तिजोरी को उठाकर खेतों के पीछे ले गए। वहां तिजोरी का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी और सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। धर्मेंद्र सिंह के पिता ने दो दिन पहले ही 20 हजार रुपये की पेंशन निकाली थी, जो चोरी हो गई। दूसरा मामला भाल गांव के अनिल कुमार द्विवेदी के घर से सामने आया। अनिल कुमार के अनुसार, चोर घर की पिछली छत से दाखिल हुए।

उन्होंने एक बक्सा उठाया और उसे घर के पीछे खेतों में ले गए। बक्से का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 45 हजार रुपये नकद चुरा लिए। सुबह जब परिवार जागा तो घर का दरवाजा खुला था और सामान बिखरा पड़ा था। गुरुवार सुबह अनिल कुमार द्विवेदी ने तत्काल राजपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम को बुलाया और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि अभी तक दोनों पीड़ितों की ओर से कोई लिखित शिकायत (प्रार्थना पत्र) प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

चोरी के बाद खेतों के पास अलमारी फेंक गए चोर। अमृत विचार

विद्यार्थियों ने बनाई गीता शृंखला। अमृत विचार

विद्यार्थियों ने मनाया गीता महोत्सव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः शिवली कस्बे के रामेश्वर पब्लिक स्कूल में गीता महोत्सव के मौके पर बच्चों ने गीता पर ड्रेस के साथ में शृंखला बनाई और धूमधाम से गीता महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. राम शरण तिवारी ने बच्चों को भगवान श्री कृष्ण द्वारा दिए गए गीता उपदेश के बारे में छात्र छात्राओं को बताया। साथ ही यह कहा कि गीता हमें जीवन के उन मूल्यों के बारे में बताती है जिन पर चलकर हम अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रीति दीक्षित, कोऑर्डिनेटर दीक्षा मिश्रा, सृष्टि त्रिवेदी व प्रमोद कुमार तिवारी, अंशिका मिश्रा, अंशिका सिंह चौहान, रागिनी, दिव्या सिंह, आकांक्षा तिवारी, शैलजा दिव्यांशी, शोभन, पूनम, मुस्कान, पूर्णिमा, खुशी व अलका अवस्थी उपस्थित रहे।

आजाद को बनाया सेवादल का ब्लाक अध्यक्ष

कानपुर देहात। जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला वीरे ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व राधा कृष्ण आजाद के पुत्र अनिल कुमार आजाद को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना, शक्ति पांडे एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट की संतुति पर रसूलाबाद ब्लाक सेवा दल का अध्यक्ष तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंडित सीताराम त्रिपाठी, सुरेंद्र सिंह गौर, चरण सिंह यादव, अनिल गुप्ता की उपस्थिति में सोपा गया इनकी नियुक्ति पर शकील खान, पाती राम दिवाकर, राघव शुक्ला, रामबरन सिंह आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सदस्यता अभियान चला पात्रों को जोड़ें, बैठक में दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः गुरुवार को जिला सहकारी बैंक शाखा झींझक में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के निदेशक प्रतिनिधि कृष्ण प्रताप सिंह ने की।

बैठक में सहकारिता विभाग द्वारा अक्टूबर माह से संचालित सदस्यता अभियान, किसानों हेतु उर्वरक वितरण, बैंक द्वारा प्रदान किए जा रहे विभिन्न ऋण सुविधाओं एवं चल रहे वित्तीय कार्यों की समीक्षा विस्तारपूर्वक की गई। बैठक के दौरान निदेशक प्रतिनिधि ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक पात्र ग्रामीणों को सहकारी तंत्र से जोड़ा जाए। साथ ही उर्वरक वितरण में पारदर्शिता एवं पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। ऋण वितरण की प्रगति पर वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप समयबद्ध ऋण उपलब्धता सहकारिता व्यवस्था की मूल भावना है।

आगामी रबी सीजन को देखते हुए आवश्यक योजनाओं की कार्ययोजना पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में शाखा प्रबंधक आदेश कुमार, हरेंद्र कुमार, मुकेश गुप्ता, अंकित कुमार सुनील कुमार, सुरेंद्र कुमार आदि रहे।

बैठक में चर्चा करते बैंक के सदस्य और निदेशक प्रतिनिधि। अमृत विचार

अव्यवस्था

अफसरों की बेपरवाही से खेतिहर जमीनों पर बिना ले आउट की जा रही प्लाटिंग

इंजीनियर न सर्वेयर, कैसे हों निर्माण के नक्शे पास !

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अकबरपुर में कानपुर विकास प्राधिकरण का दफ्तर खुला मगर क्रियाशील नहीं हो सका। यहां न इंजीनियर बैठ रहे और न ही सर्वेयर। अन्य सक्षम अधिकारी भी नहीं बैठ रहे। इससे माती-अकबरपुर और आसपास के क्षेत्रों में न नक्शों के मुताबिक निर्माण कार्य हो रहा और न ही क्षेत्र का व्यवस्थित विकास। खेतिहर जमीनों पर बिना प्लानिंग धड़ल्ले से प्लाट काटे और बेचे जा रहे। हाल के दिनों में केडीए प्रशासन का ध्यान इस तरफ गया है और कुछेक मामलों में कार्रवाई भी हुई है जिससे आगे कार्रवाई की रफ्तार बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

अकबरपुर में खुला केडीए का स्थल कार्यालय। अमृत विचार

- अकबरपुर में दफ्तर खोल स्टाफ को नियमित बैठाना भूला केडीए

माती और अकबरपुर क्षेत्र के करीब चार दर्जन गांव केडीए के अधीन हैं। ऐसे गांवों में आवासीय और कृषिक जमीनों की रजिस्ट्री में केडीए दो प्रतिशत का अतिरिक्त स्टांप शुल्क भी वसूला जा रहा। हालांकि ऐसे वसूले जा रहे शुल्क का इस्तेमाल कहां किया जा रहा, इसकी जानकारी आम लोगों को नहीं है। गांवों के अधीन होने के बाद केडीए ने विकास का मास्टर प्लान बनाया और अकबरपुर में अपना कार्यालय भी खोला मगर वह महज दिखावटी है। यहां इंजीनियर, सर्वेयर, अधिकारी या अन्य कोई स्टाफ नहीं बैठता इस कारण रोज नियम टूट रहे।

अकबरपुर क्षेत्र में दनादन हो रहीं प्लाटिंग

चार्मिंग एरिया कहे जाने वाले माती-अकबरपुर क्षेत्र में दनादन हो रही अवैध प्लाटिंग हो रही। माती क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक बड़ी-बड़ी प्लाटिंग साइट्स खुले आम चल रहीं। कृषि क्षेत्र की जमीन को घेरकर आवासीय क्षेत्र बनाकर बिक्री की जा रही है। इसमें लेआउट और नक्शे स्वीकृत नहीं कराए गए हैं। बारा जोड़ के पास हाइवे किनारे शहजादपुर गांव के निकट कई बीघे में प्लाटिंग की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इसका लेआउट स्वीकृत नहीं करवाया गया है। इसपर केडीए ने नोटिस जारी किया है। जवाब नहीं मिलने पर बुलडोजर की कार्रवाई होगी। इसी तरह से बारा जोड़ और झांसी हाइवे की ओर भी कई अवैध प्लाटिंग एरिया को भी चिन्हित किया गया है। इनको भी नोटिस भेजे जा रहे हैं। जोनल अधिकारी संदीप मोदनवाल ने बताया कि अवैध प्लाटिंग को लेकर कार्रवाई लगातार की जा रही है। बीते तीन नवंबर को ग्राम बारा की कई आराजी पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। केडीए सचिव अभय पांडेय ने बताया कि माती क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग को लेकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इसी सप्ताह चालू होगी हाईटेक नर्सरी

कानपुर देहात। उद्यान विभाग द्वारा कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर डींग गांव में हाईटेक नर्सरी में पौध उत्पादन का कार्य इसी सप्ताह शुरू हो जाएगा।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि हाईटेक नर्सरी में साल भर मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियों की पौध स्थानीय कृषकों की मांग के अनुसार तैयार कराई जाएगी। किसानों द्वारा बीज उपलब्ध कराने पर पौध उत्पादन का खर्च एक रुपये प्रति पौध की दर से तथा बीज न उपलब्ध कराने की स्थिति में हाईटेक नर्सरी में उत्पादित पौध दो रुपये प्रति पौध की दर से बिक्री की जाएगी। गर्मी के मौसम में उगाए जाने वाली सब्जियों जैसे-लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुकिंग शुरू कर दी गयी है। इच्छुक कृषक जिला उद्यान अधिकारी के कार्यालय में तथा हाईटेक नर्सरी के प्रभारी से बुकिंग करा सकते हैं।

भक्त की नहीं होती कोई आयु

रसूलाबादः भक्ति और भजन करने की कोई आयु नहीं होती हमें हमेशा भगवान का भजन करना चाहिए। अपने बच्चों को हम संस्कारवान बनाए। कथा ही जीवन में बदलाव ला सकती है। हमेशा समाज में यह कथा सत्संग चलते रहने चाहिए। यह बात बारापुर स्थित बालाजी आश्रम परिसर में हो रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन धुरव चरित्र प्रसंग में कथावाचक मीरा शास्त्री ने श्रोताओं को बताई।

बताया कि सतयुग में राजा उत्तानपाद के कोई संतान न होने पर उनकी रानी सुनीति ने उन्हें दूसरा विवाह करने की सलाह दी। राजा ने सुरुचि से विवाह किया। कथावाचक ने बताया कि सुनीति अर्थात सुंदर नीति पर चलना जब कि सुरुचि के अनुसार अपनी रुचि के अनुसार आचरण करना जो अंत में कष्टदायी होता है। ध्रुव की मां सुनीति ने अपने पुत्र को सुंदर नीति मार्ग पर चलना बताया जिससे उसका स्थान युगों युगों से अटल रहा है जबकि सुरुचि को आज भी लोग उपेक्षित भाव से देखते हैं। कालांतर में सुरुचि ने 1 पुत्र उत्तम को जन्म दिया। संयोग से सुनीति भी गर्भवती हुई और उन्होंने भी एक पुत्र रत्न ध्रुव को जन्म दिया। एक बार राजा उत्तानपाद ने ध्रुव को अपनी गोद में बैठा लिया यह देखकर सुरुचि ने क्रोधित होकर राजा की गोद से ध्रुव को हटाकर अपने पुत्र उत्तम को बैठा दिया और ध्रुव से कहा कि तुम्हारा स्थान यहां नहीं है। सौतेली मां के इस आचरण से क्षुब्ध बालक ध्रुव ने जाकर अपनी मां सुनीति से इसका कारण पूछा तो मां ने उसे वह बहलाते हुए भगवान नारायण से इसके लिए विनय करने को कहा। बालक ध्रुव के मन पर यह बात लग गई और उसने एक दिन घर छोड़ कर के जंगल में जाकर भगवान नारायण के लिए कठोर तप करना शुरू कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

राम कथा कल से

सुमेरपुर (हमीरपुर)। आगामी छह दिसंबर से तपोभूमि शुरू हो रही श्रीराम कथा भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू होगी। शोभायात्रा कस्बे के चांद थोक के रामजानकी मंदिर से शुरू होकर मैथिलीशरण गुप्त मार्ग, नेशनल हाईवे से गुजर कर तपोभूमि पहुंचेगी। यहां कथा व्यास महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज कलश पूजन के उपरांत शुभारंभ करेंगे। जानकारी कथा आयोजक बिंदा प्रसाद साहू ने दी है।

चंदोखी में संपर्क मार्ग का किया भूमि पूजन

हमीरपुर। राठ मार्ग पर कलौलीतीर बैठका धाम से चंदौखी होकर हमीरपुर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य किया जाना है। जिसकी लंबाई 2.850 किलोमीटर है। इसके निर्माण में 191.61 लाख रुपये लागत आएगी। इस कार्य का गुरुवार को सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति के द्वारा भूमि पूजन किया गया। इस भूमि पूजन में ग्राम प्रधान के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण और लोक निर्माण विभाग के अभियंता उपस्थित रहे।

बीएलओ सम्मानित

मौदहा (हमीरपुर)। इस समय चल रहे एसआईआर के काम में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ और सुपरवाइजर पर जहां कार्रवाई की जा रही है। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने पर बीएलओ को सम्मानित करने का काम भी किया जा रहा है। कस्बे की मतदाता सूची भाग संख्या 350 और 351 के बीएलओ दीपक कुमार और काजी नईमुद्दीन को शत प्रतिशत काम करने के लिए उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह और तहसीलदार शिखर मिश्रा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

रोजगार मेले में 37 लोगों का हुआ चयन

हमीरपुर। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय लखनऊ के निर्देश पर कस्बे के केपी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन कानपुर, पीपुल मंत्रा अहमदाबाद, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस हमीरपुर एवं केजीबीएस इंडिया प्रा.लि. गुड़गांव द्वारा प्रतिभाग किया गया। आयोजित हुए इस मेले में कुल 62 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जिसमें से कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों हेतु कुल 37 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के बाद चयन किया गया। जिसमें प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन कानपुर में 5, पीपुल मंत्रा अहमदाबाद में 13, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस हमीरपुर में 8 एवं केजीबीएस इंडिया प्रालि. गुड़गांव में 11 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों पर चयन किया गया।

दो दिवसीय रामलीला आज से शुरू

सुमेरपुर(हमीरपुर)। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी क्षेत्र के ग्राम बांकी में दो दिवसीय रामलीला का आयोजन पांच एवं छह दिसंबर को कराया जा रहा है। पूर्व प्रधान बउआ यादव ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध रामलीला कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। पांच दिसंबर को पुष्प वाटिका, ताड़का वध एवं छह दिसंबर को सीता स्वयंवर, धनुष भंग एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद की लीला होगी।

11 घंटे देरी से आई चित्रकूट एक्सप्रेस

सुमेरपुर (हमीरपुर)। बुधवार की रात 8:50 बजे लखनऊ से चलकर जबलपुर तक जाने वाली चित्रकूट एक्सप्रेस गुरुवार को सुबह 7:54 पर कस्बे के स्टेशन में आई रात भर यात्री ठंड में ठिठुरने को मजबूर रहे और 11 घंटे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ा।

सर्दी से बचने को जलाई आग से जिंदा जला अधेड़

घाटमपुर के साढ़ में ट्यूबवेल की कोठरी में लेटा था अधेड़

संवाददाता, घाटमपुर

- अधेड़ को चार दिन पहले पैरालिसिस अटैक पड़ा था
- पैरालिसिस होने के चलते उठ नहीं सका अधेड़

अमृत विचार। घाटमपुर के साढ़ में ट्यूबवेल की कोठरी में एक अधेड़ लेटा हुआ। वहां पर उसके कुछ साथी किसान भी मौजूद थे। उन्होंने ठंड से बचने के लिए आग जला रखी थी। बाद में उसके साथी किसान घर चले गये और आग जलती रही। इस दौरान आग की चिंगारी उसकी चारपाई में गिर गई और उसमें आग लग गई। इसके चलते चारपाई समेत अधेड़ की जलकर मौत हो गई।

अधेड़ को चार दिन पहले पैरालिसिस अटैक पड़ा था, जिसके चलते वह उठ नहीं पाया और आग की चपेट में आने से जिंदा जल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल के बाद अधेड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

साढ़ थाना क्षेत्र के उमरी गांव निवासी 55 वर्षीय रज्जन शर्मा को चार दिन पहले पैरालिसिस का अटैक पड़ा था, जिसके चलते वह उठ बैठ और चल नहीं पा रहा था, बुधवार देर रात वह खेत में स्थित ट्यूबवेल में सो रहा था, ठंड से बचने के लिए उनके साथी किसानों ने ट्यूबवेल में लकड़ियों से आग जलाई थी।

बाद में साथी किसान रात में अपने अपने घर लौट आए। इस दौरान आग जलती रही। रात में आग से निकली चिंगारी से चारपाई में आग लग गई। पैरालिसिस होने के चलते रज्जन शर्मा उठ नहीं सका और उसकी जिंदा जलकर मौत हो गई। आसपास खेत में लेटे किसानों ने ट्यूबवेल से धुआं उठाता देखा तो पास जाकर देखा। इसके बाद उन्होंने अधेड़ को जिंदा जलता देख फोनकर पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल करने के बाद अधेड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साढ़ थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि अधेड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अधेड़ की मौत पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

समाचार पत्र विक्रेता जय नारायण दीक्षित का हुआ निधन

घाटमपुर। लंबे समय से समाचार पत्र विक्रेता का काम कर रहे जयनारायण दीक्षित 68 का बुधवार की रात को बीमारी के चलते निधन हो गया।

वे घाटमपुर के समाचार पत्र विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष भी थे। जयनारायण दीक्षित नबेड़ी, रेउना, जुरेया, मुइया, मदनपुर, सहित एक दर्जन गांवों में पिछले 35 वर्षों से समाचार पत्र वितरण का कार्य कर रहे थे । उनके निधन की जानकारी मिलते ही तमाम समाजसेवी व तमाम राजनीतिक दलों के लोगों व पत्रकार उनके घर पहुंचे.अंतिम संस्कार मूसानगर के हालिया घाट में किया गया। समाचार पत्र विक्रेता संघ कार्यवाहक अध्यक्ष टिंकू बाजपेई, पंकज त्रिपाठी, मिथिला शरण दुबे, पुनीत दिक्षित, विवेक कुमार ,धर्मेंद्र कुमार,आनंद यादव, व्रजेश अवस्थी ,राजू अवस्थी,राजेश शुक्ला,ने अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

शिवराजपुर में नवीन बैंक के लिये किया गया भूमि पूजन

संवाददाता, शिवराजपुर

- क्षेत्रीय विधायक और तमाम अधिकारी रहे मौजूद
- जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बैक खुलने से मिलेगी राहत

अमृत विचार। गुरुवार को सहकारी संघ लि. शिवराजपुर के परिसर में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड कानपुर की शिवराजपुर शाखा के लिए बनने वाले नवीन भवन के भूमि का पूजन किया गया। भूमि पूजन बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर व जिला सहकारी बैंक के सभापति एसडी. सिंह परिहार ने किया।

बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि इससे क्षेत्रीय किसानों को तमाम तरह की सुविधाएं मिलेंगी। बैंक के सभापति एसडी. सिंह परिहार ने भी सहकारिता में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। सहकारी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित ने कहा कि इससे संस्था की आय बढ़ेगी और बैंक एवं संघ एक ही परिसर में होने से कार्य करना आसान होगा। बैंक के महाप्रबंधक नरेंद्र कुमार ने सभी किसानों को जिला सहकारी बैंक में खाता खोलने की अपील करते हुए बताया कि बैंक केवल 100 रुपये में किसानों का खाता खोल रहा है। साथ में सभी किसानों का दो लाख रुपये का बीमा भी कर रहा है। इस मौके पर बैंक के क्षेत्रीय डायरेक्टर रविशंकर दीक्षित, मोहित शुक्ला, अनुराग दुबे, जीतेंद्र सिंह,बबलू कटियार ,मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, इन्द्रनारायण भारती, पंकज पाठक, राजेंद्र अग्निहोत्री, अभिलाष सिंह, ओम जी दुबे, नीरज मिश्रा, अनिल शर्मा, दीपू,रवि गुप्ता , दीपक सिंह आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भूमि पूजन के दौरान मौजूद जनप्रतिनिधि व अन्य। अमृत विचार

फोन छीनने में सफल न होने पर मारा चाकू

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। गुरुवार देर रात बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर वृंदावन जा रहे एक युवक से तीन अराजकतत्वों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया और सफल न हो पाने पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस मामले जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

कल्याणपुर निवासी ओम जी शुक्ला हर माह क्षेत्र के उत्तरीपूरा निवासी अपने साथियों के साथ वृंदावन दर्शन करने के लिए जाते हैं। हमेशा की तरह बुधवार रात वह वृंदावन जाने के लिए निकला था और बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर अपने साथियों का इंतजार कर रहा था। तभी उसके पास पहुंचे तीन युवक उससे मोबाइल छीनने का प्रयास करने लगे। युवक के विरोध करने पर अराजकतत्वों ने उसके सिर और कमर पर चाकू से हमला कर दिया। युवक के चीखने चिल्लाने पर हमलावर मौके से भाग निकले। घटना के बाद घायल युवक ने स्टेशन मास्टर और स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। उपचार के बाद ओम जी शुक्ला साथियों के साथ ट्रेन पकड़कर वृंदावन चला गया। मामले में आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित का फोन स्विच ऑफ है। मामले में लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

नीलगाय से बाइक सवार टकराए एक युवक की गई जान, दो घायल

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब मित्र के तिलक समारोह से लौट रहे बाइक सवारों को नीलगाय ने टक्कर मार दी। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

इलाही तालाब निवासी ओमबाबू (27) पुत्र धनीराम, अंकित सोनी (26) पुत्र राम प्रकाश और गहबरा निवासी संदीप (25) पुत्र रामकरन अपने मित्र के तिलक समारोह में शामिल होकर बिना हेलमेट लगाए बुलेट बाइक से लौट रहे थे। नेशनल हाईवे 34 और गहबरा के संपर्क मार्ग पर अचानक एक नीलगाय बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर तीनों घायलों को तत्काल कस्बे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। गंभीर चोटों के कारण अंकित सोनी को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं ओमबाबू और संदीप की हालत गंभीर देख सदर अस्पताल रेफर कर दिया। अंकित सोनी कस्बे के इलाही तालाब के पास मकान बनाकर रह रहा था और कस्बे में एक ज्वेलरी की दुकान चलाता था। अंकित के पिता रामप्रकाश ने बताया कि परिवार में तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और अविवाहित था।

अंकित सोनी।

महिला को बाइक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

संवाददाता बिवांर (हमीरपुर)

- कूड़ा फेंकने गई महिला को अज्ञात बाइक सवार ने मारी टक्कर
- सीएचसी के बाद उसे सदर अस्पताल किया गया रेफर

अमृत विचार। कूड़ा फेंकने गई महिला को अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वह अचेत होकर गिर गई। महिला को छानी सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। महिला के पति ने बाइक नंबर के साथ अज्ञात चालक के खिलाफ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कस्बे के मिनी ब्लॉक के पास निवासी राजा भइया पुत्र शिवप्रसाद कुशवाहा ने थाने में तहरीर देकर बताया की पत्नी मानकुंवर गुरुवार को दिन 11 बजे करीब घर से कूड़ा करकट फेंकने के लिए सड़क किनारे गई थी। तभी अज्ञात बाइक चालक ने पत्नी को टक्कर मार दी। जिससे मानकुंवर अचेत होकर वहीं गिर गई। जबकि चालक बाइक यूपी 92 एआर 3762 को लेकर भाग गया। जानकारी होने पर उसे छानी सीएचसी ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे कानपुर में निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया है। महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका डीएवी एनयूपीपीएल स्कूल का नाम

संवाददाता, घाटमपुर

- कक्षा नौ और कक्षा 11 के छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा
- विद्यालय प्रशासन ने की उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना

अमृत विचार। घाटमपुर के डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र कक्षा 9 से अभिनव तथा कक्षा 11 से कृष्णा सचान ने सीबीएसई रीजनल साइंस एक्जीविशन 2025 में बेहद शानदार प्रदर्शन किया।

इसके चलते राष्ट्रीय स्तर के लिए उनका चयन हुआ। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से संपूर्ण विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रियंका गौर, स्कूल चेयरमैन एवं सीईओ एनयूपीपीएल एस. दुरई कुमार, स्कूल मैनेजर आनंद स्वरूप सारस्वत ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मार्गदर्शक शिक्षकों के प्रयासों का परिणाम है।

विद्यालय प्रशासन ने भी टीम के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन की कामना की। इस दौरान विद्यालय के छात्रों में भी हर्ष देखा गया।

अपना मॉडल दिखाते मेधावी छात्र। अमृत विचार

विवाद में दबंगों ने दंपती को पीटा

राठ(हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के चिल्ली गांव में जमीनी विवाद के चलते दबंग भाइयों ने दंपती के साथ गाली गलौज करते हुए उनकी लाठी डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी तथा दंपती को जान से मारने की धमकी दे डाली।

कोतवाली क्षेत्र के चिल्ली गांव की निवासी महिला गीता पत्नी मंगल सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को कोतवाली में घटना की लिखित तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को दिन में जमीनी विवाद के चलते उसके जेठ और उसके देवर ने उसे और उसके पति को गालियां देना शुरू कर दिया। बताया कि जब उसने और उसके पति ने गाली गलौज करने का विरोध किया तो उक्त दोनों ने लाठी डंडों से उसे और उसके पति को बेरहमी से पीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद उसने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

घाटमपुर में लापरवाह बीएलओ का वेतन रोकने के दिये निर्देश

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। गुरुवार को एसडीएम घाटमपुर ने असधना व कैथा के बूथों पर गणना प्रपत्र कलेक्शन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय एईआरओ तहसीलदार घाटमपुर, एईआरओ, बीईओ घाटमपुर तथा बीएलओ, कोटेदार व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री मौजूद रहे। इस दौरान एसडीएम घाटमपुर ने सभी को सही से व निष्पक्ष तरीके से काम करने को कहा।

असधना व कैथा के बूथों पर गणना प्रपत्र कलेक्शन का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम घाटमपुर अविचल प्रताप सिंह न वहां पर मौजूद सभी बीएलओ व अन्य कर्मचारियों से बातचीत की। साथ ही उनका उत्साहवर्द्धन भी किया। उन्होंने बताया कि आज की गई समीक्षा में लापरवाही कर रहे कुछ बीएलओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। यदि आगे सुधार नहीं होता है तो निलंबन व विभागीय कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण लोकतंत्र का उत्सव जैसा है। इसमें मतदाता सूची का शुद्धिकरण हो रहा है।

घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील है कि अपने बीएलओ को बिना देर किए फॉर्म भरकर उपलब्ध करा दें। इसमें कदापि विलम्ब न करें। सभी मतदाता व संभ्रात नागरिक बीएलओ का सहयोग करें। ताकि सभी का नाम जुड़ सके।

बीएलओ को जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

- एसडीएम घाटमपुर ने असधना व कैथा के बूथों का किया निरीक्षण
- कहा, अगर नहीं सुधरे तो किया जायेगा निलंबन

बांदा-खुरहंड के बीच दोहरीकरण के चलते ट्रेन सेवा रहेगी प्रभावित

हमीरपुर। झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-मानिकपुर सेक्शन में खुरहंड-डिंगवाही-बांदा स्टेशनों के बीच ट्रैक दोहरीकरण के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य होने के कारण ट्रेनें निरस्त रहेंगी। एनसीआर सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 11 दिसंबर को 14109 चित्रकूट-कानपुर सेंट्रल, 14110 कानपुर सेंट्रल-चित्रकूट, पांच से 11 दिसंबर तक 64601 मानिकपुर-कानपुर सेंट्रल, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर इस अवधि में निरस्त रहेगी। 18203 दुर्ग-कानपुर सेंट्रल एक और 10 दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 30 मिनट, आठ दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 60 मिनट, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर दो, तीन व चार दिसंबर को भीमसेन-बांदा के बीच 30 मिनट देर होकर चलेगी।

संकट | विद्युत उपभोक्ताओं हो रहीं तमाम परेशानियां

जेई की कमी से जूझ रहा बिल्हौर उपखंड

संवाददाता बिल्हौर

- छह विद्युत स्टेशनों में मात्र दो जूनियर इंजीनियरों की है तैनाती

अमृत विचार। बिल्हौर विद्युत उपखंड इन दिनों जूनियर इंजीनियर (जेई) की भारी कमी के चलते गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उपखंड के अंतर्गत कुल छह विद्युत स्टेशन हैं, लेकिन इन महत्वपूर्ण स्टेशनों की जिम्मेदारी संभालने के लिए वर्तमान में केवल दो जेई ही कार्यरत हैं, जिसके चलते उपभोक्ताओं के कार्य बाधित हो रहे हैं और विभागीय कामकाज भी प्रभावित हो रहा है।

आधे से भी कम स्टाफ, कैसे हो काम : आंकड़ों के अनुसार, बिल्हौर उपखंड को अपने सभी छह विद्युत स्टेशनों के सुचारू संचालन के लिए कम से कम छह जेई की आवश्यकता है। जिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जेई की तत्काल आवश्यकता है, उनमें ककवन, अरौल, मकनपुर, बिल्हौर देहात समेत अन्य स्टेशन शामिल हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इन सभी क्षेत्रों का काम सिर्फ दो जेई के कंधों पर टिका हुआ है।

विद्युत कार्यालय ।

उपभोक्ताओं की बढ़ रही परेशानी: जेई की इस कमी का सबसे ज्यादा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। जेई की कमी के कारण फील्ड विजिट, नए कनेक्शन की जांच, मीटर रीडिंग संबंधित विवादों का निपटारा, ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया, और बिजली फाल्ट को ठीक करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में विलंब हो रहा है।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बिजली दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन स्टाफ की कमी के चलते उनके कार्य लंबित पड़े हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि एक जेई को एक साथ कई-कई पावर हाउस का प्रभार संभालना पड़ रहा है, जिससे वे किसी भी जगह पर प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहे हैं।

> मामला गंभीर है जेई की समस्या के बारे में जानकारी मिली है जल्द ही नए जेई की तैनाती कराई जाएगी और उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। -एस के सिंह, चीफ इंजीनियर कानपुर

विभागीय कार्यक्षमता पर प्रश्नचिह्न : इतनी बड़ी कमी विभागीय कार्यक्षमता और राजस्व वसूली पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है। ओवरलोड के कारण मौजूदा जेई पर काम का अत्यधिक दबाव है, जिसका असर उनके प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से तत्काल इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेने और बिल्हौर उपखंड में जेई के सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने की मांग की है।

पंचायत सचिवों का चौथे दिन भी आंदोलन जारी

धरना-प्रदर्शन करते पंचायत सचिव। अमृत विचार

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश सहित अन्य समस्याओं को लेकर विकासखंड कार्यालय में पंचायत सचिवों का धरना-प्रदर्शन गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। सचिवों ने खंड विकास अधिकारी कार्यालय के सामने हाथ में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रकट किया।

आंदोलनकारी पंचायत सचिवों का कहना है कि तीन नवंबर को जारी शासनादेश में ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य की गई है, जो वर्तमान परिस्थितियों में अव्यवहारिक है। सचिवों के कार्यक्षेत्र में अक्सर 3 से 7 ग्राम पंचायतों का अतिरिक्त प्रभार होता है, ऐसे में सभी स्थानों पर जाकर ऑनलाइन हाजिरी लगाना संभव नहीं है। इससे शासकीय कार्य भी बाधित होंगे। प्रदेश स्तरीय आह्वान पर सचिवों ने 4 नवंबर तक काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रखने की घोषणा की है।

शिक्षकों को दिया तकनीकी ज्ञान

हमीरपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के दस विज्ञान शिक्षकों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक, कंप्यूटर संचालन, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म, डेटा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित शैक्षिक उपकरणों की उन्नत जानकारी प्रदान करना था। साथ ही जूनियर कक्षाओं के नए विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, पाइथन और स्क्रैच जैसे कंप्यूटर आधारित विषयों के प्रभावी शिक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया।

आज का मौसम

प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी। बारिश की कोई संभावना नहीं है।

22.0°	10.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 42	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

गंगा को गंदा कर रहे नालों की मांगी रिपोर्ट

138.11 करोड़ के प्रस्ताव पर एनएमसीजी की लग चुकी मुहर, गंगा नदी में सीवर जाने से रोकने का तैयार किया जा रहा प्लान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत शहर में हुए कार्यों की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। शहर में गंगा के पानी में सीवर व नालों के दूषित पानी जाने से रोकने के लिए हुए गए कार्यों की वर्तमान स्थिति देखी जा रही है। शहर में गंगा में गिर रहे 14 नालों को पूरी तरह से टैप करना है। वहीं, गंगा किनारे बसी 1 लाख आबादी से निकलने वाले सीवर को भी गंगा में जाने से रोकना है। इसके तहत ही शहर के अधिकारी प्लान तैयार कर रहे हैं। बता दें कि, एनएमसीजी ने 138.11 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर पिछले दिनों मुहर लगाई है। इसी के तहत रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

नमामि गंगे (एनएमसीजी) कार्यक्रम के अन्तर्गत कानपुर सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-1 के तहत सीवरेज कार्य हुए हैं। जलकल महाप्रबंधक एके त्रिपाठी ने इस सबंध में जलनिगम मुख्य अभियंता से कार्यों की संपूर्ण जानकारी मांगी है। नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत सीवरेज नेटवर्क को किये गये सर्वे की रिपोर्ट के साथ ही योजना में निर्मित सीवरेज नेटवर्क का मैप, स्थल का विवरण मांगा है। इसके साथ ही रिहॅबिलीटेशन किये गये 300 किमी छोट-बड़े साइज व ट्रंक सीवर नेटवर्क की सर्वे रिपोर्ट व मैप भी जलकल ने मांगी है।

इस योजना के तहत 02 सीवेज पम्पिंग स्टेशन और 2 लिफ्टिंग स्टेशनों का भी निर्माण किया गया था, इसका जलकल ने क्षमतावार विवरण मांगा है। रिहेबिलीटेटेड एवं नये सीवरेज नेटवर्क व सीवेज पम्पिंग स्टेशनों के संचालन व अनुरक्षण के सम्बन्ध में किये गये अनुबन्ध, सीवरेज नेटवर्कों की कराई गई टेस्टिंग रिपोर्ट मांगी गई है। जलकल ने जलनिगम से पूछा है कि योजना के कार्यों का संचालन व अनुरक्षण कब तक है, और एजेन्सी कौन है। जलकल ने यह सभी जानकारी जल्द मांगी है। इसके अतिरिक्त नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत सीवरेज सम्बन्धी निर्माणाधीन, शेष कार्यों के साथ यह भी पूछा है कि नाला टैपिंग के लिए कोई नई योजना तो नहीं बनाई गई।

एयरफोर्स के पास वाजिदपुर नाले का पानी गंगा में गिर रहा। अमृत विचार

33	नाले गंगा में गिर रहे	14	नाले पांडु नदी से जुड़े	14	नाले टैप्ड करने का बना प्लान

डपकेश्वर घाट के पास जाजमऊ नाला। अमृत विचार

परमट के पास टैफ्को नाले से जा रही गंदगी। अमृत विचार

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत हुए कार्यों की सामने आएगी हकीकत, सीवरेज मैप का भी मांगा गया पूरा विवरण

14 नालों को टैप्ड करने की तैयारी

- वर्तमान समय में गंगा में कुल 33 नाले गिर रहे हैं। इसमें शहरी क्षेत्र में 27 और बिठूर में छह नाले हैं। पांडु नदी में भी 14 नाले गिर रहे हैं। इनमें से गंगा में गिर रहे पांच और पांडु नदी में गिर रहे नौ नालों को बंद करने की विस्तृत कार्य योजना तैयार करके जल निगम ने एनएमसीजी को भेजी थी। इसमें गंगा में रानीघाट नाला, गोलाघाट, सत्तीचौरा, डबका, रामेश्वर नाला गिर रहा है। वहीं पांडु नदी में हलवाखाड़ा, सागरपुरी, गंदा नाला, अर्रा नाला, पनकी थर्मल, पिपौरी नाला समेत नौ नाले गिर रहे हैं। इसमें से 14 नालों को पूरी तरह टैप करने की योजना है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मुनाफे का लालच दे हड़पे 52 लाख

कल्याणपुर। आवास विकास तीन में साईंपुरम स्थित वीएसीएल इंडिया रियल एस्टेट कंपनी में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर शातिरों ने 52 लाख की रकम हड़प ली। कोर्ट के आदेश पर एक वर्ष बाद कल्याणपुर पुलिस ने कंपनी के निदेशकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

आजमगढ़ जिले के निजामाबाद रघुनाथपुर निवासी अतुल तिवारी के अनुसार कई वर्ष पूर्व वीएसीएल की आजमगढ़ ब्रांच ऑफिस के एजेंट राजन मिश्रा से मुलाकात हुई थी। राजन ने बताया कि कंपनी रियल एस्टेट का काम करती है। जिसमें रुपये जमा करने पर पांच वर्षों में रकम दुगनी हो जाएगी। पूरी स्कीम समझने के बाद उन्होंने अपना व कई रिश्तेदारों से लेकर 52 लाख का निवेश कंपनी में कर दिया। आरोप है कि समय पूरा होने पर जब अतुल भुगतान के लिए ब्रांच ऑफिस पहुंचे तो कंपनी वहां से भाग चुकी थी। जिसपर अतुल आवास विकास तीन के साईपुरम स्थित वीएसीएल हेड ऑफिस पहुंचे, जहां कंपनी के निदेशक बृजेंद्र सिंह चौहान, इंद्रेश सिंह चौहान व किशन वीर ने भुगतान से मना कर उसे धमकी देते हुए भगा दिया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले में कार्रवाई की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

गोविन्द नगर के पार्क में बना मकान गिराया

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्यक्ष के निर्देश पर गुरुवार को गोविन्द नगर ब्लाक 8 के पार्क में बने मकान को दस्ते ने गिरा दिया। जोनल अधिकारी-5 अनुपम त्रिपाठी ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। अतिक्रमण को उद्यान विभाग, अभियंत्रण विभाग की टीम एवं कर अधीक्षक द्वारा तत्काल मौके पर कराया गया।

एक वर्ष बाद भी नहीं बना स्पीड ब्रेकर

कानपुर। आवास विकास सेक्टर एन मे शननेशवर मंदिर में सड़क पार करने में स्थानीय लोगों को असुविधा हो रही। मित्र विहार नागरिक परिषद के संरक्षक अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि समिति द्वारा एक पत्र नगर आयुक्त और पुलिस अधीक्षक यातायात को लिखा गया था। पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट नगर आयुक्त को दी थी। नगर आयुक्त के अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया। लेकिन, आज तक कार्य नहीं हुआ है।

व्यापारियों की सूचना पर चोर दबोचा गया

कानपुर। महाराजपुर में हुई चोरियों से सतर्क व्यापारियों ने बुधवार देर रात इलाके में संदिग्धों को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पकड़ा गया आरोपी सवायजपुर निवासी कृष्णा कुशवाहा है। मोबाइल दुकान संचालक ज्ञानेंद्र ने बताया कि वह अपने कमरे में थे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे में देखा कि एक संदिग्ध टहल रहा है। कुछ देर बाद उसने दुकान में चोरी का प्रयास किया। इस पर तत्काल यूपी 112 पर सूचना दी। पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया है।

फर्जीवाड़ा : वर्ष 2002 में मरे व्यक्ति ने 2024 में की रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- साकेत नगर में 200 वर्गगज मकान पर कब्जा करने के लिए शातिरों का कारनामा

अमृत विचार। संपत्ति कब्जाने के लिए शातिर ने 22 साल पहले मरे व्यक्ति की जगह दूसरे को खड़ा करके रजिस्ट्री करवा ली। फर्जी हस्ताक्षर के साथ फोटो और पहचान का भी इस्तेमाल किया। रजिस्ट्री कराकर जमीन पर काबिज हुए बुजुर्ग को भी उसके घमकान पहुंच गए। मकान खाली करने की धमकी दी। बुजुर्ग ने पुलिस से शिकायत की तो टरका दिया गया। इस पर कोर्ट की शरण ली। न्यायालय ने दस्तावेज देखने के बाद सज्ञान लिया और आरोपी के रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

साकेतनगर के छोटेलाल (70) के अनुसार 1982 में संपत्ति मालिक हंसराज डंग ने 24 हजार रुपये लेकर डब्लू-वन ब्लाक में उनसे 200 वर्गगज प्लाट का एग्रीमेंट किया था। 1983 में वह उनके नाम प्लाट लिखकर भोपाल चले गए। पता चला कि 14 फरवरी 2002 को उनका वहीं निधन हो गया। बुजुर्ग छोटेलाल ने आरोप लगाया कि प्रवीन तलवार व उसके बेटे रचित एवं पप्पू सविता ने हंसराज के निधन के बाद उनके फर्जी हस्ताक्षर, फोटो व पहचान का प्रयोग करके जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली। हंसराज की जगह किसी अन्य व्यक्ति को भी खड़ा किया। हर तरह से फर्जीवाड़ा किया। रजिस्ट्री भी हंसराज की मौत के 22 साल बाद 19 अक्टूबर 2024 को कराई।

इसके बाद मार्च 2025 को आरोपी अपने साथियों के साथ उनके घर आए और फर्जी दस्तावेज दिखाकर जल्द से जल्द मकान खाली करने की धमकी दी। इस पर उन्होंने अपने बेटे को हसंराज के घर जानकारी के लिए भेजा तो पता चला कि 2002 में उनकी मृत्यु हो चुकी है। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की, लेकिन राजनीतिक दबाव में आकर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर उन्होंने कोर्ट की शरण ली और पूरी बात दस्तावेजों के माध्यम से कोर्ट में रखा। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की। कोतवाली थाना प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्जकर जांच व कार्रवाई की जा रही है।

कैमरा तोड़कर चोरी का प्रयास

कानपुर। महाराजपुर के तिलसहरी खुर्द स्थित लाला कालिका प्रसाद श्रीवास्तव इंटर कालेज में बुधवार रात चोरों ने चोरी का प्रयास किया। चौकीदार के घर जाने के बाद शातिर बाउंड्री फांदकर कालेज परिसर में घुसे और कई सीसीटीवी कैमरों को तोड़ डाला। साथ ही कई विद्युत उपकरणों को भी नुकसान पहुंचाया।

कालेज परिसर में लगे कई कैमरों में में आरोपियों की संदिग्ध गतिविधियां दिखीं। पता चलने पर प्रधानाचार्य शैलेंद्र श्रीवास्तव ने अज्ञात चोरों के खिलाफ महाराजपुर थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

27000 बकायेदार उपभोक्ता जला रहे बिजली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बकाया होने के बाद भी केस्को इन उपभोक्ताओं का नहीं काट पा रहा बिजली का कनेक्शन
- निगेटिव बैलेंस वाले उपभोक्ताओं की सूची तैयार, मैसेज और काल कर जमा करने की अपील

अमृत विचार। कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी बिजली चोरी रोकने के लिए शहर में कुछ जगहों पर अभियान चलाकर कनेक्शन काटने की कार्रवाई कर रही है और बिजली चोरी करने वाले लोगों पर एफआईआर तक दर्ज कर रही है, लेकिन 27 हजार ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन पर वर्तमान में निगेटिव बैलेंस चल रहा है, पर अफसोस केस्को ऐसे उपभोक्ताओं से न बकाया वसूल पा रहा है और न ही कनेक्शन काट पा रहा है।

कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी के अंतर्गत शहर में करीब साढ़े सात लाख उपभोक्ता है, जिनमे से वर्तमान में 27 हजार ऐसे उपभोक्ता है, जिनका वर्तमान में बैलेंस निगेटिव में चल रहा है और केस्को का बिल बढ़ रहा है। वहीं, तीन हजार स्मार्ट मीटर धारक ऐसे हैं, जिन्होंने बीते तीन माह से रिचार्ज तक नहीं कराया है। जबकि 48 उपभोक्ता छह माह से रिचार्ज नहीं करा रहे हैं। मुफ्त में ही केस्को की बिजली का इस्तेमाल कर रहे हैं। केस्को के अधिकारियों ने ऐसे उपभोक्ताओं की एक लिस्ट तैयार की है, जिनके आवासों पर जाकर केस्को अधिकारी व कर्मचारी मीटर में दर्ज बिल का पूरा ब्योरा निकालेंगे। इसके बाद उस बिल को जमा करने की अपील संबंधित उपभोक्ताओं से करेंगे। साथ ही वर्तमान में संचालित बिजली बिल राहत योजना का लाभ लेकर बिजली का बकाया बिल जमा करने की अपील करेंगे। ताकि वह योजना में छूट का लाभ ले सकें।

केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं पर निगेटिव बैलेंस है, उनकी लिस्ट तैयार हो गई है। सभी को मैसेज व कॉल कर बिजली का बिल जमा करने की अपील की जा रही है, ताकि वह योजना में छूट का लाभ उठा सकें। इसके बाद समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई तय की जाएगी।

6022 उपभोक्ताओं पर 68.84 करोड़ बकाया

- केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल ने बताया कि केस्को के अंतर्गत घरेलू व कामर्शियल में लांग पेड वाले 26,315 उपभोक्ताओं पर 83 .84 करोड़ और नेवर पेड में 27757 उपभोक्ताओं पर 88 .48 करोड़ रुपया बकाया है। वहीं, 13969 लोगों पर बिजली की एफआईआर दर्ज है, जिनमे से 6022 उपभोक्ताओं पर अभी 68 करोड़ 84 लाख रुपया बकाया है। 31 मार्च 2025 से पहले जिन उपभोक्ताओं ने कभी भी बिल का भुगतान नहीं किया है, वो नेवर पेड की श्रेणी में है। वहीं, जिन्होंने 31 मार्च के बाद से अब तक भुगतान नहीं है वह लॉंग अनपेड श्रेणी के उपभोक्ता हैं।

39 स्कूलों में एमडीएम का होगा सोशल ऑडिट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मदरसा के साथ अशासकीय राजकीय और माध्यमिक विद्यालयों का होगा चयन

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर नगर के 39 परिषदीय विद्यालयों में वितरित होने वाले एमडीएम का सोशल ऑडिट करेगा। इनमें मदरसों, राजकीय विद्यालयों व अशासकीय विद्यालयों को भी शामिल किया गया है। आईआईटी को कानपुर के अलावा सात अन्य जनपद भी सौंपे गए हैं।

प्रदेश भर में सोशल का ऑडिट आईआईटी के अतिरिक्त पांच विश्वविद्यालयों से कराया जा रहा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेजे गए निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सोशल ऑडिट के लिए जिला स्तर पर विद्यालयों का चयन किस तरह किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के सोशल ऑडिट के लिए विद्यालयों का चयन यू डायस कोड की अंतिम विषम संख्या के आधार पर किया जाएगा। जिनका पूर्व में ऑडिट हो चुकी है उनका चयन नहीं होगा। ब्लॉक स्तर पर विद्यालयों के चयन में परिषदीय, राजकीय विद्यालयों के अतिरिक्त अनिवार्य रूप से 1 मदरसा (बेसिक) एवं 1 अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय (बेसिक) के साथ 1 राजकीय विद्यालय, माध्यमिक व 1 अशासकीय सहायता प्राप्त (माध्यमिक) को भी शामिल किया जाएगा।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

कानपुर। महाराजपुर के हाथीपुर अंडरपास के पास गुरुवार युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई। पुलिस के अनुसार युवक हाथीपुर निवासी बाकर अली का बेटा जाहिद है। उसने आत्महत्या क्यों की, परिजन कुछ नहीं बता सके। पत्नी साबरा बिलखती रही।

मनमानी | स्मार्ट सिटी योजना के तहत 22 स्थानों पर बनाए गए बस स्टेशनों पर नहीं रुकती बसें

स्टॉप पर नहीं बीच सड़क और चौराहे पर रुकतीं बसें

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। शहर में दौड़ रहीं ई-बसें और महानगर बसें आवारा हैं। बस संचालक किसी भी चौराहे व सड़क पर रुककर सवारियां भरते और उतारते हैं। इससे यातायात व्यवस्था धड़ाम है साथ ही दुर्घटना का भी खतरा रहता है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत पूरे शहर में बनाए गए 22 बस स्टेशनों पर न बसें रुकती हैं और न ही यहां कोई मुसाफिर बसों का इंतजार करता है। ऐसे में शासन ने शहर के नगर निगम और केसीटीएसएल (कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि.) के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जल्द ही फिजीबिलिटी के आधार पर बसों को रूट निर्धारित कर बसों के ठहराव की सेवा शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

करीब 4 वर्ष पहने दिसंबर 2021 में शहर में ई-बस सेवा शुरू हुई। इसके बाद इन बसों को निर्धारित बस स्टॉप पर रुकने व संचालन कराने के लिए स्मार्ट सिटी लि. की ओर से बस स्टॉप के निर्माण की भी योजना बनाई गई।

इसी के साथ जुलाई 2023 में शहर में 22 स्थानों पर स्मार्ट बस स्टॉप व कियोस्क बनकर तैयार भी हो गए। लेकिन, इन स्मार्ट बस स्टॉप पर आज तक एक भी बस नहीं रुकी, और न ही इस बस स्टॉप पर खड़े होकर किसी सवारी ने बस का इंतजार किया। बस स्टॉप पर बने कई कियोस्क तो किराये पर उठा दिये गये।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत करोड़ों रुपये से स्टॉपेज तैयार किए गए हैं। बस स्टॉप पर एलईडी बोर्ड लगने थे, जिसमें कौन सी बस कब आ रही है और कितनी देर में आएगी इसका डिस्प्ले किया जाना था। लेकिन, आज तक यह सुविधा जनता को नहीं मिली है।

मोतीझील के पास बने बस स्टॉप पर वेंडर दुकान चला रहे हैं।

100	ई-बस शहर में संचालित	22	स्मार्ट बस स्टॉप व कियोस्क	01	ई-बस एप बना

80 लाख रुपये खर्च कर बनाया गया स्मार्ट एप

- स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को स्मार्ट बनाने के लिये भी पैसों को पानी में बहाया गया, लेकिन वह जनता के काम नहीं आया। शहर में संचालित हो रहीं ई-बसों को लोग स्मार्ट तरीके से बुक कर सकें इसके लिये एप तो बना दिया गया, लेकिन जनता इसका इस्तमाल नहीं कर पाई। करीब 80 लाख रुपये में बनाया गया एप सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है। एप के जरिये शहरवासी न तो ऑनलाइन ई-बसों को बुक कर पा रहे हैं और न ही बसों की लोकेशन ट्रेस कर सकते हैं। कब, कौन सी बस उन्हें कहां मिलेगी इसकी भी करंट जानकारी एप से नहीं होती, जिसके बाद एप सिर्फ मैनुअल जानकारी देने तक ही सीमित रह गया है।

घंटाघर, टाटमिल, किदवई नगर, यशोदा नगर, रामादेवी, जाजमऊ, फजलगंज, विजयनगर, गोल चौराहा, मोतीझील, आर्यनगर, भाटिया तिराहा, गुरुदेव और आईआईटी चौराहा पर बस स्टॉप बने हैं जो बसों का इंतजार कर रहे हैं।

शहर की 13 रूट पर दौड़ रहीं 100 ई-बसें : शहर के 13 रूट पर 100 ई-बसें संचालित हो रही हैं। हालांकि, इनमें से 15-20 फीसदी बसें खराब होने की वजह से वर्तमान में सड़क पर नहीं दौड़ पा रही हैं। संजीव नगर से आईआईटी, घंटाघर से बिंदगी, घंटाघर से रनिया, जाजमऊ से बिठूर, घंटाघर से राजाराम चौराहा यशोदा नगर, बड़ा चौराहा से उन्नाव टैक्सी स्टैंड, रामा देवी से रावतपुर स्टेशन समेत कई रूट पर बसों का संचालन हो रहा है, लेकिन यह बसें निर्धारित रूट पर नहीं रुक रहीं।

कहीं 4 करोड़ का काम हथियाने को तो नहीं किया गया साइबर अटैक !

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लखनऊ मुख्यालय पहुंची पूरे मामले की जांच, जल्द ही सामने आ सकता है पूरा मामला

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग में फर्म का लॉगिन खोलकर दस्तावेज हटाए जाने के मामले में एक तथ्य सामने आया है कि प्रहरी एप पर साइबर अटैक नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक चार करोड़ का काम हथियाने के लिए ठेकेदारों के सिंडिकेट ने न्यूनतम दर पर फाइनेंशियल बिड ऑफर करने वाली वरद इंटरप्राईजेज फर्म की लॉगिन आईडी का पासवर्ड विभागीय क्लर्क की मदद से हासिल किया। साइबर सिक्योरिटी टीम की मदद से फर्म के दस्तावेज को अंतिम समय में डिलीट कराया गया। फिलहाल अभी इस मामले में अधिकारी कुछ बोलने से बच रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग में 28 नवंबर को घाटमपुर और कानपुर देहात के सिकंदरा, भोगनीपुर व रसूलाबाद क्षेत्रों में लगभग चार करोड़ रुपये के सड़क कार्यों के लिए टेंडर जारी हुए थे। वरद इंटरप्राइजेज

के प्रोपराइटर दुर्गेश सिंह चौहान का आरोप है कि प्रहरी एप पर छह टेंडरों के लिए दस्तावेज अपलोड किए थे। इसके लिए करीब 40 लाख रुपये की फीस उनके खाते से आनलाइन कटी है, लेकिन बोली की अंतिम प्रक्रिया शुरू होते ही एप से उनके सभी दस्तावेज गायब हो गए और फर्म खुद प्रक्रिया से बाहर हो गई। आरोप है कि यह एक सुनियोजित साइबर हस्तक्षेप है, ताकि उनकी फर्म को टेंडर से बाहर किया जा सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय के साथ डीसीपी पूर्वी के कार्यालय में शिकायत देकर साइबर सेल से''''जांच की मांग की है। दुर्गेश का ये भी कहना है कि तकनीकी कारणों से लंबे समय से तमाम फर्म की लॉगिन आईडी के पासवर्ड बदले नहीं गए हैं। पुराने क्लर्क और साइबर टीम को पासवर्ड की जानकारी रहती है। आशंका है कि किसी चहेते ठेकेदार को काम दिलाने के लिए डील होने पर उनकी फर्म के दस्तावेज गायब कर दिए गए। इस मामले में लोक निर्माण विभाग मुख्यालय ने आईटी सेल को जांच के निर्देश दिए हैं।

मुख्यालय के जिम्मेदार अभियंता का कहना है कि ई-टेंडरिंग प्रक्रिया तकनीकी रूप से बेहद सुरक्षित होती है, ऐसे में दस्तावेजों के अचानक गायब होना सामान्य हरकत नहीं है। मुख्यालय की आईटी सेल के प्रभारी अधीक्षण अभियंता चंद्रशेखर खुद मामले की जांच में जुटे हैं। मुख्य रूप से यह पता लगाया जा रहा है कि दस्तावेज तकनीकी कमियों के चलते हटे हैं या किसी हैकिंग प्रयास से डेटा डिलीट किया गया। जल्द ही जानकारी होगी।

सिटी ब्रीफ

कार सवारों ने युवक को घेरकर पीटा

कानपुर। सनिगवां में पुराने विवाद में कार सवारों ने युवक को घेरकर लाठी-डंडों से पीटा। धमकी देकर भाग निकले। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी गांव निवासी दीपक कुमार के अनुसार बीती 28 नवंबर की सुबह वह सनिगवां स्थित राज किशोर शर्मा के घर पर बीसी का रुपया देने जा रहे थे। वह कांशीराम कालोनी पहुंचे थे, तभी वहां पर पहले से मौजूद उनके गांव का विशाल कुमार कार से अपने चार साथियों के साथ खड़ा मिला। पहुंचते ही आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज की। विरोध पर आरोपियों ने लाठी-डंडों व बेल्ट से पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि जांच की जा रही है।

नौवीं का छात्र लापता तलाश शुरू

कानपुर। पनकी के गंगागंज में मामा के घर से स्कूल के लिए निकला नौवीं का छात्र लापता हो गया। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की है। गंगागंज निवासी राहुल दुबे ने बताया कि उनकी बहन का 17 वर्षीय बेटा कन्हैया उनके पास रहकर पढ़ाई कर रहा है। मंगलवार सुबह वह स्कूल के लिए निकला था, लेकिन वापस घर नहीं पहुंचा। उसका फोन चालू है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला है। पनकी कार्यवाहक थानाप्रभारी ने बताया कि छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे है। पता चला है कि मामी की डांट से नाराज होकर कही गया है।

इंस्टाग्राम आईडी के गलत प्रयोग का आरोप

कानपुर। नवाबगंज में एक महिला ने अपने पति पर इंस्टाग्राम आईडी का गलत प्रयोग कर झूठे संदेश व पुलिस को फर्जी प्रार्थना पत्र भेजने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है। महिला के अनुसार अप्रैल 2024 में उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम आईडी बंद कर दी थी। उनके पति को इंस्टाग्राम आईजी के पासवर्ड की जानकारी थी। आरोप है कि पति ने इंस्टाग्राम आईडी का प्रयोग कर अपनी आईडी पर मैसेज करता है। साथ ही उसकी आईडी से 10 नवंबर 2025 को नजीराबाद पुलिस को एक प्रार्थना पत्र भेज दिया। नवाबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट, फायरिंग में युवक भेजा गया जेल

कानपुर। महाराजपुर स्थित पार्टी लॉन में दो पक्षों में हुई मारपीट व फायरिंग में पुलिस ने गुरुवार को एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया युवक यशवर्धन उर्फ छोटू सिंह फायरिंग के मामले में नामजद था। महाराजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

तीन परिसरों में पकड़ी गई बिजली की चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने गुरुवार को जीआईसी व साइकिल मार्केट उपकेंद्र के हाई लाइन फीडरों पर लाइनलॉस को कम करने के लिए अभियान का संचालन किया। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज की सय्यदा फातिमा, रोटी गोदाम में कुलदीप जायसवाल और नंदलाल जाससवाल बिजली चोरी करते पकड़े गए, जिनके खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई।

अतिक्रमण से हांफ रहीं सड़कें

वैसे तो कानपुर महानगर को मेट्रो सिटी का तमगा मिल चुका है। स्मार्ट सिटी का ख्वाब दिखाया जा रहा है, मगर शहर की सड़कों पर जाम और अतिक्रमण का दंश हर कोई झेल रहा है। तमाम सड़कें ऐसी हैं, जो सिर्फ अतिक्रमण की वजह से सिकुड़ी हैं और वहां का ट्रैफिक हांफ रहा है। पी रोड से नेहरू नगर बालाजी चौक की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर दुकानों के अतिक्रमण की वजह से सलामत निकलने का रास्ता ही नहीं है। यही हाल जरीब चौकी से पी रोड पर फुटपाथ से लेकर सड़क तक दुकानदारों का अतिक्रमण है, जहां किसी बड़े हादसे पर फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस का पहुंचना आसान नहीं है। प्रशासन भी इस समस्या के प्रति बिल्कुल बेफिक्र नजर आ रहा है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को कम से कम फुटपाथ का अतिक्रमण तो साफ ही कराना चाहिए। फोटो - मनोज तिवारी

मकान की दूसरी मंजिल से फेंकते बहन ने बचाई थी जान, तीन दिन पहले भी चाकू से किया था हमला

काफी पहले से बड़े भाई की जान का दुश्मन बना था चंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नेत्रहीन भाई कुंदन की हत्या करके फरार चंदन की लोकेशन लखनऊ में मिली है। परिजनों का कहना है कि कुंदन उसकी आंख में किरकिरी बना था, क्योंकि वह नशेबाज दोस्तों को घर में लाकर शराब पिलाने का विरोध करता था। चंदन बड़े भाई को कई बार पीट चुका था और कई बार जानलेवा हमला किया। छत से नीचे फेंकने की कोशिश की। तीन दिन पहले भी मारा-पीटा और सीने में चाकू घोंपने के लिए दौड़ा था तो बहन पहुंच गई। कुंदन के हाथ में चाकू लगने से जख्म हो गया था। लोगों के कहने के बाद भी कुंदन ने छोटा भाई समझकर पुलिस से शिकायत नहीं की।

बर्रा विश्व बैंक एच-ब्लाक निवासी 43 वर्षीय कुंदन बहन कंचन के साथ रहता था। टाइल्स-पत्थर का काम करने वाला छोटा भाई चंदन लखनऊ से हर 15 दिन में आता था। कंचन ने बताया कि यहां आकर दोस्तों के साथ दिनभर कमरे में बैठकर शराब पीता था।

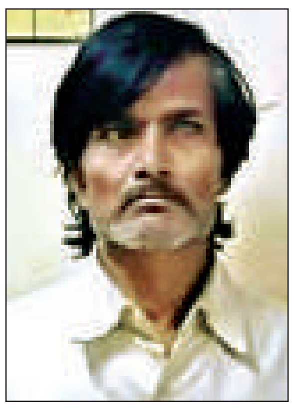

पकड़ा गया हत्यारोपी राजू चौरसिया।

- वारदात के समय मौजूद रहे दोस्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भाई कुंदन केवल घर में नशेबाजी का विरोध करते थे। एक साल में चंदन ने करीब आधा दर्ज बार भाई की हत्या करने का प्रयास किया था। कंचन के अनुसार भाई कुंदन को आंखों से दिखाई नहीं देता था, इसलिए लाचार होकर घर पर ही रहते थे। बुधवार रात भी चंदन दोस्त राजू चौरसिया के साथ कमरे में शराब पी रहा था। हो-हल्ला व गाली-गलौज पर कुंदन ने विरोध किया तो चंदन ने राजू के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया। सिर, चेहरा समेत पूरे शरीर पर वार किए। चीख सुनकर वह पहुंची तो चंदन व राजू बाहर भागे। वहीं कुंदन का शव जमीन पर पड़ा था। चीख सुनकर मोहल्ले के लोग और पुलिस पहुंची। मौके पर राजू का आधार कार्ड पड़ा मिला था, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि हत्यारोपी चंदन की लोकेशन लखनऊ में मिली है। पुलिस टीमें रवाना हुई है।

रोती-बिलखती कुंदन की बहन को संभालतीं महिलाएं। अमृत विचार

हत्या के प्रयास में एक साल जेल में रहा चंदन

- घाटमपुर में रहने वाले कुंदन के भाई विनोद ने बताया कि चंदन नशे का लती लंबे समय से है। नशे में झगड़ा करने के कारण ही वह 20 साल अलग रहने लगे। उन्होंने बताया कि चंदन ने करीब तीन साल पहले गोविंदनगर में जानलेवा हमला किया था। गोविंदनगर पुलिस ने उसे हत्या के प्रयास में जेल भेजा था। वह करीब एक साल जेल में रहा, उसके बाद लखनऊ जाकर काम करने लगा। लेकिन नशेबाजी के लिए हर माह घर आता था।

आठ भाइयों में पांच की हो चुकी मौत

- कंचन ने बताया कि वह आठ भाई और तीन बहन थीं। जिसमें कुंदन समेत पांच भाइयों की मौत हो चुकी है। तीन बहनों में एक बहन भी नहीं है। एक बहन और एक भाई विनोद की ही शादी हुई। वह परिवार समेत घाटमपुर में रहते हैं और टाइल्स पत्थर की चुनाई का काम करते हैं। एक साल पहले मोतियाबिंद के कारण कुंदन की आंखें गई थी।

दो दिन पहले बहन कंचन को भी पीटा था

- कंचन ने बताया कि चंदन दो दिन पहले भी राजू चौरिसया के साथ घर में शराब पी रहा था। तब कुंदन ने विरोध किया तो उसे पीटने लगा था। वह पहुंची तो उसे भी मारा और कमरे से भगा दिया। उस दिन भी भाई को चाकू मारने का प्रयास किया था। दूसरे दिन बर्तन साफ करते उसमें खून लगा देखा तो कुंदन से पूछा। उसके हाथ की उंगली पर चाकू लगने जख्म था, जो हाथ से बचाव करते लगी थी। लेकिन कहने के बाद भी उसने पुलिस से शिकायत नहीं की।

पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण करते जलकल महाप्रबंधक। अमृत विचार

जोनल पंपिंग स्टेशन से कब्जा हटाने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जलकल महाप्रबंधक ने बीएस पार्क स्टेशन का किया निरीक्षण

अमृत विचार। बीएस पार्क जोनल पंपिंग स्टेशन से अवैध कब्जा अतिक्रमण हटवाने के लिए गुरुवार को जलकल महाप्रबंधक एके त्रिपाठी ने जोन 4 की टीम एवं सुरक्षा बल के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान जलकल विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी, नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारी और अवैध कब्जेदार पाए गए। यहां दुकानें भी चलती मिलीं। जलकल जीएम ने कहा कि विद्युत कनेक्शन जल्द कटवाया जाए। उन्होंने कहा कि जलकल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन से अतिरिक्त कटौती की प्रक्रिया की जाएगी। जलकल जीएम ने सभी कबजेदारों को एक सप्ताह के अंदर कब्जे खाली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि हटाया नहीं गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल स्टेशन के नाले में गिरी गाय

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन में गुरुवार को एक गोवंश सीवर में गिरी गिर गई, जिसकी जानकारी होने पर जीआरपी थाने के प्रभारी निरीक्षक ने जेसीबी और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया। टीम ने मिलकर घंटों की मेहनत के बाद गोवंश को कुशलतापूर्वक बाहर निकाला। पशु चिकित्सालय की टीम ने गोवंश को देखा को जरूरी जांच कर दवा दी।

ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महिला ने पति पर अप्राकृतिक दुष्कर्म, मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई

अमृत विचार। पनकी में ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, जान की धमकी और पति के खिलाफ अप्राकृतिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि 5 लाख रुपये दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने जांच शुरू की है।

पनकी निवासी महिला के अनुवार वह लखनऊ की रहने वाली है। 13 फरवरी 2007 को पनकी में रहने वाले युवक से उसकी शादी हुई। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति, सास, जेठ और ननद दहेज कम लाने का ताना देने लगे और पांच लाख रुपये की मांग की। विरोध पर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पति आएदिन शराब पीकर घर आते और मारपीट करते। पति ने कई बार जबरन अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। शिकायत पर ससुराल पक्ष के लोग उससे मारपीट करते। उसे भोजन भी नहीं दिया जाता था। वर्ष 2007 में बेटी और 2012 में बेटा का जन्म हुआ फिर भी लोगों की प्रताड़ना कम नहीं हुई। महिला के अनुसार 16 जुलाई 2025 को किचन में खाना बनाते समय पति और सास ने बेलन व लात-घूसों से पीटा। चाकू उठाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान जब उसके भाई से बातचीत की तो कहा कि पांच लाख रुपये दो, नहीं तो अपनी बहन ले जाओ। जिसमें बाद वह अपने दोनों बच्चों के साथ लखनऊ चली गई। पुलिस महिला की तहरीर पर पति समेत ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज मामले की जांच शुरू की है।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी में पकड़ा गया शातिर युवक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में एलपीजी गैस की कालाबाजारी करते पूर्ति निरीक्षक ने आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। मौके से 32 घरेलू और एक कॉमर्शियल सिलेंडर पकड़ा। पूर्ति निरीक्षक ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्रीय खाद्य कार्यालय के पूर्ति निरीक्षक प्रदीप मिश्र ने बताया कि बीती 28 नवंबर को एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की सूचना पर कोयलानगर के न्यू आजादनगर स्थित एक खाली प्लॉट में छापा मारा। जहां एक पिकअप में एलपीजी के पांच घरेलू खाली सिलेंडर, 25 भरे घरेलू सिलिंडर, दो आधे भरे और एक खाली कॉमर्शियल सिलिंडर मिला। मौके से एक युवक को भी पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीपनगर निवासी महेंद्र कुमार मिश्र बताया। आरोपी के अनुसार वह श्यामनगर स्थित एक गैस एजेंसी में कर्मचारी है। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि आरोपी को पुलिस के हवाले कर सिलिंडरों को जब्त कर चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर कार्रवाई की जा रही है।

थाली बजाकर भाजपा पर हमला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट आने पर कोतवाली चौराहे के पास गुरुवार शाम को कांग्रेसी एकत्र हुए। कांग्रेसियों ने थाली बजाकर केंद्र सरकार के कानों तक अपना विरोध पहुंचाने का काम किया। इसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार को दोषी बताते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही मांग की है कि प्रधानमंत्री देश के इस अपमान के लिए माफी मांगे और तत्काल आर्थिक कदम उठाते हुए भारत को मजबूत स्थिति प्रदान करें।

जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के समय जब डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 58 था और थोड़ा सा गिरने पर 2013 में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान दिया था कि जैसे- जैसे रुपया गिरता है, वैसे-वैसे प्रधानमंत्री पद की साख गिरती है। लेकिन अब वह बताएं कि उनकी कितनी साख गिर चुकी है। अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन और अन्य गलत नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। रुपया का गिरना भाजपा की ही विफल नीति का कारण है। मोदी सरकार की नीतियों की वजह से रुपया कमजोर हो रहा है।

उन्होंने का कि रुपया कमजोर होने से पता चलता है कि हमारी आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आपदा के वक्त थाली बजवाते हैं, इसलिए हम कांग्रेसजन थाली बजाकर मोदी जी के कानों तक अपनी आवाज पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इस दौरान हरप्रकाश अग्निहोत्री, शंकर दत्त मिश्रा, रमाकांत मिश्रा, राजेश गौतम, इकबाल अहमद, निजामुद्दीन खान, रितेश यादव, पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव शीलू, आनंद शुक्ला, इकलाक अहमद, जावेद उस्मानी, फहद अब्बासी, आसिफ इकबाल, मुकेश कनौजिया समेत आदि लोग रहे।

डालर के मुकाबले रुपये की कीमत घटने पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी। अमृत विचार

खुलासा | दादा नगर से तीन कारें चोरी होने के बाद सक्रिय थी पुलिस, चोरी के बाद बदल देते थे नंबर

बिहार में शराब तस्करी के लिए कार चोरी

- पांच कारें बरामद, पूछताछ के बाद बड़े नेटवर्क का खुलासा
- पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के चार शातिर गिरफ्तार किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर पुलिस ने बड़े वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की पांच कारें बरामद की हैं, जिनमें तीन गोविंद नगर के दादानगर इलाके से चोरी हुई थीं। शातिर इन्हीं चोरी की कारों से शराब की तस्करी करते। आरोपियों पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। सभी को जेल भेजा गया है।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि कुछ माह में दादानगर फैक्ट्री एरिया से वाहन चोरी की घटनाओं पर नजर रखी जा रही थी। इसी अवधि में तीन कारें चोरी हुईं तो पुलिस टीम खुलासे के लिए जुट गई। थाना प्रभारी गोविंदनगर रिकेश कुमार सिंह व उनकी टीम ने मुखबिरों को सक्रिय किया। इसके बाद मिली सूचना के आधार पर बिहार के नालंदा हरनौत निवासी राजकुमार को टीम ने दबोचा। उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह शराब तस्कर है।

पटना के कंकड़ बाग अशोकनगर निवासी सूरज कुमार और बलिया के नरही का पवन उपाध्याय उर्फ गलगल बाबा के साथ मिलकर शराब की तस्करी करता है। बिहार में शराब तस्करी के लिए वह चोरी की गाड़ियों की का इस्तेमाल करते हैं। यह गाड़ियों उन्हें लखनऊ के आशियाना का रहने वाला सत्यम गुप्ता उपलब्ध कराता है। वहीं गाड़ियां चोरी कर उन्हें बेंचता है। कारों की नंबर प्लेट और चेचिस नंबर में हेरफेर करके उसका इस्तेमाल किया जाता है।

पकड़े गए कार चोर गिरोह के सदस्यों के साथ पुलिस टीम। अमृत विचार

कारों की डिलीवरी देते समय धरे गए

- गोविंदनगर थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी राजकुमार ने बताया कि गुरुवार रात सत्यम ने उन लोगों को गोविंदनगर चोरी की तीन कारों की डिलीवरी देने के लिए बुलाया। जहां उसके दोस्त सूरज और पवन भी पहुंचे। इस सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की और तीनों को दबोच लिया। उनके पास से चोरी की स्विफ्ट डिजायर, नेक्सॉन कार बरामद हुईं। पता चला कि शातिर कारों को 50 हजार से लेकर करीब चार लाख रुपये तक बेंचते थे। आरोपियों की इस्तेमाल वैगन आर और ब्रेजा कार भी बरामद हुई है।

सिटी ब्रीफ

प्रदेश में सबसे ठंडा कानपुर का तापमान

कानपुर। शहर में गुरुवार को सीजन की सबसे सर्द रात रिकॉर्ड की गई। शहर का न्यूनतम पारा 5 .7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह प्रदेश में सबसे कम पारा रहा। कानपुर के बाद बरेली का पारा 6 .9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शहर में दो से तीन दिन के भीतर तापमान में और अधिक गिरावट संभव हो सकती है।

7 दिसंबर को होगी कानपुर वॉक

कानपुर। कानपुर को बेहतर स्वरूप देने के लिए कानपुर सुपर 100 की ओर से कानपुर वॉक का आयोजन 7 दिसंबर को किया जाएगा। सुबह 8 :45 पर शुरू होने वाली इस वॉक में बड़ी संख्या में शहरी शामिल होंगे। यह वॉक नानाराव पार्क से ग्रीन पार्क तक चलेगी, जिसमें कानपुर के हर वर्ग शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। डीएम वॉक की शुरुआत करेंगे।

परीक्षा केंद्रों पर 164 आपत्तियां आईं

कानपुर। यूपी बोर्ड के प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों पर अंतिम दिन गुरुवार तक 164 आपत्तियां आई हैं। 114 आपत्तियां परीक्षा केंद्रों की दूरी से संबंधित हैं। इसी तरह 8 ऐसी अपत्तियां हैं जो परीक्षा केंद्र काटने संबंधी हैं। इन आपत्तियों में संसाधन का अभाव बताया गया है। 26 आपत्तियों में परीक्षा केंद्र बनाने की बात कही गई है। उधर 13 अपत्तियों में परीक्षार्थियों की धारण क्षमता अधिक की समस्या बताई गई है।

बढ़ाया जा रहा बिजली का बिल

कानपुर। सपा के नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने गुरुवार को बर्रा व मसवानपुर में एसआईआर कैंप पहुंचे। वहां उन्होंने कहा कि जनता आईएसआर में लगी है और सरकार ईंधन अधिभार लगाकर बिजली का बिल बढ़ाने जा रही है। मांग है कि उपभोक्ताओं पर ईंधन अधिकार के नाम पर बिजली का बिल ना बढ़ाया जाए। नहीं तो सपा 14 दिसम्बर के बाद बिजली विभाग के खिलाफ आंदोलनात्मक कदम उठाकर घेरा डालेगी। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह बंटी, सत्यनारायण गहरवार, आकाश यादव, विनय गुप्ता आदि सपा नेता मौजूद रहे।

नवीन सभागार में आज होगा संवर्धन

कानपुर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमलेश कुमार मौर्य ने बताया कि पांच दिसंबर को प्रथम तल पर स्थित नवीन सभागार, जनपद न्यायालय में पराविधिक स्वयं सेवकों (अधिकार मित्र) के लिए क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम संवर्धन का आयोजन होगा। जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर नगर (नोडल जनपद) के साथ कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज व उन्नाव के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव और 120 पराविधिक स्वयं सेवक भाग लेंगे।

प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में अपनाया सख्त रुख

अनियमितता पर यूपीसीएलडीएफ को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक करते जिले के प्रभारी व उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय। अमृत विचार

- सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने उठाए मुद्दे
- गौशालाओं के निर्माण में घटिया काम पर कार्यदायी संस्था से खासे खफा दिखे प्रभारी मंत्री
- कार्यदायी संस्थाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी करने के निर्देश

अमृत विचार। कानपुर के प्रभारी व उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान तथ्य सामने आया कि नानामऊ बिल्हौर एवं जमालपुर ककवन स्थित गौशालाओं के निर्माण में कार्यदायी संस्था यूपीसीएलडीएफ द्वारा खराब गुणवत्ता का कार्य किया गया। इस पर प्रभारी मंत्री ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और संस्था को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री से कहा कि शहर में पशुओं के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर उनके उपचार के लिए मथुरा तक लेकर जाना पड़ता है। इसपर प्रभारी मंत्री ने कहा कि कानपुर जैसे महानगर में गंभीर रूप से घायल पशुओं के समुचित उपचार के लिए उपयुक्त चिकित्सकीय व्यवस्था के लिए संबंधित विभाग शासन स्तर पर पत्राचार करे। यह जरूरी है, जिससे पशुओं को गंभीर स्थिति में जनपद स्तर पर ही समुचित उपचार मिल सके। प्रभारी मंत्री ने दक्षिण क्षेत्र नौबस्ता में बनकर तैयार 100 बेड के अस्पताल को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए, क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी ने अस्पताल को शुरू करने का आग्रह किया था। जल निगम द्वारा किए जा रहे खोदाई कार्यों के बाद सड़कों को सही ढंग से पूर्व की तरह बनाने पर भी प्रभारी मंत्री ने विशेष बल दिया।

उन्होंने कहा कि गड्ढामुक्त की गलत रिपोर्ट देने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक के दौरान बिना अनुमति रोडवेज आरएम अनुपस्थित रहे। इसपर मंत्री ने मुख्य विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, सरोज कुरील, एमएलसी अरुण पाठक, विधानसभा अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश अवस्थी, जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, डीसीपी सेंट्रल कासिम आबिदी, डीसीपी ट्रैफिक रवीन्द्र कुमार के साथ नगर निगम, केडीए समेत अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाजारों में जन सहयोग से लागू हो रेड लाइन व्यवस्था

- यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से व्यापारी संगठनों के साथ बैठक कर बाजार क्षेत्रों में जन-सहयोग से 'रेड लाइन' व्यवस्था लागू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित सीमा के उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई भी की जाए। प्रभारी मंत्री ने कूड़ा प्रबंधन एवं निस्तारण में क्यूआरकोड आधारित सिस्टम लागू करने तथा नगर निगम के प्रत्येक वार्ड के ड्रेनेज सिस्टम की मैपिंग करने का भी निर्देश दिया।

जो पिट रहा, उसी पर पुलिस कर रही कार्रवाई

- बैठक के बीच में पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया ने मुद्दा उठाया कि जो पीटा जाता है पुलिस उसी के खिलाफ धारा 151 में कार्रवाई कर रही है। कहा कि जबकि पीटने वाले पर कार्रवाई होनी चाहिए। इसपर उन्होंने पुलिस को जनता के प्रति मित्रवत व्यवहार अपनाने एवं किसी भी अपराधी के प्रति कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्दोष व्यक्ति के साथ न्याय हो और मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति का कड़ाई से पालन कराया जाए। सभी थानों में सीसीटीवी कैमरों को पूर्णत: क्रियाशील रखने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। साथ ही जनपद में बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्कूल-कॉलेजों में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने के निर्देश भी दिए गए।

मंगल भवन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं

- प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगल भवन में अनियमितता के सवाल पर कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से इसकी कोई जानकारी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि यदि गरीब जनता के लिए कोई अच्छा काम हुआ है तो उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। ज्यादा तकनीकि पर नहीं जाना चाहिए, यह मेरा व्यक्तिगत मत है। रामायण थीम पार्क के मुद्दे पर कहा कि अगली बार वहां की हकीकत देखूंगा।

अवॉर्ड के साथ आईएमए के पदाधिकारी। अमृत विचार

आईएमए को उत्कृष्ट कार्यों के लिए अवॉर्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईएमए उत्तर प्रदेश व नेशनल आईएमए की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए मिले अवॉर्ड

अमृत विचार। आईएमए उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान किये गए विभिन्न अवार्ड के संबंध में परेड स्थित आईएमए सभागार में गुरुवार को पदाधिकारियों ने जानकारी दी।

आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि आईएमए कानपुर शाखा को वर्ष 2024-2025 के लिये आईएमए उत्तर प्रदेश शाखा ने आईएमए यूपी कान 2025, बरेली में डॉ. वीके कपूर अवार्ड फॉर उत्तम लोकल ब्रान्च प्रेसिडेंट आफ आईएमए यूपी स्टेट 2024-2025, रूप किशोर एंड चन्द्रानी टण्डन अवॉर्ड फॉर बेस्ट लोकल ब्रांच सचिव ऑफ आईएमए यूपी स्टेट 2024-2025, डॉ. राजकपूर मेमोरियल अवार्ड फॉर उत्तम आईएमए सीजीपी रिफ्रेशर कोर्स 2024-25 बाय लोकल ब्रांच, डॉ. वीके जैन एंड स्नेह जैन अवार्ड फॉर बेस्ट एडिटर, आईएमए बुलेटिन 2024-25, डॉ. ज्ञान पी लाल एंड सुमन अकादमिक अचीवमेंट अवार्ड 2025 की जानकारी दी।

सचिव डॉ. शालिनी मोहन ने बताया कि आईएमए नेशनल सीजीपी की वार्षिक कॉफ्रेंस जीपीकॉन-2025 आंध्र प्रदेश में छह व सात दिसंबर को होगी, जिसमे सेक्रेटीज एप्रिसिएशन अवॉर्ड फॉर आईएमए सीजीपी सब फैकल्टी 2025 और आईएमए सीजीपी कानपुर सब फैकल्टी अस्सिटेंट डायरेक्टर एंड असिस्टेंट सेक्रेटरी अवार्ड दिया जाएगा। आईएमए उत्तर प्रदेश व नेशनल आईएमए द्वारा आईएमए कानपुर को उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न अवॉर्ड दिए गए है।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण करते हुए।

प्लांट के उत्पादों का किया जाए उपयोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने गुरुवार को भौंती स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्लांट की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। प्लांट में तैयार किए जा रहे ब्रिक, चेयर एवं अन्य कंस्ट्रक्शन उत्पादों की स्ट्रेंथ, क्वालिटी तथा उपयोग लागत की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। यहां बनने वाले उत्पादों का उपयोग अधिक से अधिक नगर निगम कार्यों में प्राथमिकता से किया जाए। सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने लिगेसी वेस्ट एवं फ्रेश वेस्ट के पृथक्करण, प्रोसेसिंग एवं फाइनल निस्तारण की वर्तमान प्रगति जानी। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लिगेसी वेस्ट का तीव्र गति से निस्तारण किया जाए। फ्रेश वेस्ट का डोर-टू-डोर कलेक्शन से लेकर अंतिम निस्तारण तक सभी चरणों में सुगठित व्यवस्था सुनिश्चित हो। नगर आयुक्त ने एमआरएफ केंद्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने रीसायकल योग्य प्लास्टिक वेस्ट की प्रोसेसिंग प्रणाली का अवलोकन किया। प्लांट में तैयार होने वाले फाइनल रीसायकल्ड उत्पादों की गुणवत्ता, मात्रा एवं उपयोगिता की जानकारी ली गई। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन के लिए स्रोत पर पृथक्करण को और मजबूत किया जाए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता (स्वच्छता) एवं संबंधित जोनल स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएसवीएम में हुई जटिल प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में गुरुवार को पहली बार एक 74 वर्षीय बुजुर्ग की जटिल प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी की गई है। वह करीब डेढ़ वर्ष से मूत्र प्रवाह की कमी और बार-बार वॉशरूम समस्या से पीड़ित थे।

प्राचार्य प्रो. संजय काला के मुताबिक मरीज का ऑपरेशन लैप्रोस्कोपिक रैडिकल प्रोस्टेक्टॉमी विद लिम्फ नोड रिसेक्शन और यूरेथ्रल रिपेयर के माध्यम से किया गया। यह ऑपरेशन लगभग छह घंटे चला और शल्यक्रिया के दौरान मरीज को एक यूनिट खून दिया गया। दूरबीन विधि सर्जरी से रोग ग्रस्त हिस्सा निकाला गया। टीम में मुख्य रूप से डॉ.अनिल जे.बैद, डॉ. मयंक गुप्ता, डॉ.आलोक यादव, डॉ.सुमित सिंह, डॉ.कफीलुर रहमान, डॉ.दिशा गुलाटी व एनेस्थीसिया टीम में डॉ.नेहा, डॉ.सोनिका, डॉ. शिवांगी एवं डॉ.रक्षिता शामिल रहीं।

रासायनिक खादों के प्रयोग से बिगड़ी खेतों की मिट्टी की सेहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिले के साथ कानपुर देहात के ब्लॉकों में जीवाश्म कॉर्बन कम फसल पैदावार में असर
- विशेषज्ञों ने मिट्टी की उर्वरा शक्ति के सुधार के लिए पारंपरिक खाद के प्रयोग पर दिया बल

अमृत विचार। खेती के लिए भूमि की उर्वरक क्षमता में लगातार कमी हो रही है। फसल योग्य भूमि में जीवांश कार्बन बेहद कम हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जीवांश कार्बन की कमी से फसल के लिए जरूरी और पोषक तत्व अपनी क्षमता के मुकाबले पौधों के उत्पादन में सहायता नहीं कर पा रहे हैं। मृदा विशेषज्ञों ने किसानों को बेहतर फसल के लिए घरेलू खाद की ओर रुख करने की सलाह दी है।

विशेषज्ञों ने कानपुर देहात के ब्लॉकों को आधार बनाते हुए कहा कि भूमि में जीवांश कार्बन की मात्रा 0.75 से अधिक होना चाहिए। इसके बावजूद इस वक्त यह सिर्फ 0.4 व 03 की श्रेणी में ही है। इससे फसल योग्य भूमि में अन्य पोषक तत्वों की उपलब्धता में भी कमी दर्ज हुई है। मृदा विशेषज्ञ इसकी वजह किसानों की ओर से यूरिया व नाइट्रोजन का अधिक प्रयोग इसकी सबसे बड़ी वजह मान रहे हैं। उनका कहना है कि लगातार रसायनिक खाद का प्रयोग फसल योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति को कम कर रहा है।

बेहतर खेती के लिए भूमि में 17 तरह के उर्वरकों का होना मुफीद

माना जाता है। जीवांश कार्बन कम होने से अन्य पोषक तत्व विकसित नहीं हो पाते हैं और फसल का विकास कम हो जाता है। इससे तमाम प्रयास के बावजूद किसान को अधिक व्यय करने के बाद भी बेहतर परिणाम नहीं मिलते हैं।

सीएसए विवि की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि फसल योग्य भूमि की उर्वक क्षमता को बढ़ाने के लिए लगातार किसानों को जागरुक किया जा रहा है। गांवों में जाकर किसानों को घरेलू खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके बावजूद भी किसान रासायनिक खाद का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे खुद किसानों को ही नुकसान हो रहा है।

जीवांश कॉर्बन की कमी से फसलों को नुकसान: खेतिहर भूमि में जीवांश कार्बन की कमी से सबसे अधिक नुकसान किसान की फसल को होता है। बताया गया कि जीवांश कार्बन की कमी से नाइट्रोजन की कमी भी हो जाती है, जिससे पत्तियों का पीला होना, पौधे की बढ़त में कमी और उत्पादन में कमी जैसी परेशानियों से किसानों को सामना करना पड़ता है। रासायनिक खाद के प्रयोग से किन्हीं क्षेत्रों में कॅल्शियम, मैग्नेशियम व पोटेशियम भी कम हो रहे हैं।

कानपुर देहात में हालत ज्यादा खराब : सीएसए विवि के वैज्ञानिक डॉ.खलील अहमद ने बताया कि जिले के नजदीक ही झींझक व अमरोहा में फास्फोरस की कमी रिकॉर्ड की गई है। इसी तरह अन्य स्थानों में फासफोरस मध्यम क्वालिटी में मौजूद हैं। अन्य ब्लॉक में किसान खेतों में जिंक की भी कमी से परेशान हो रहा है। उधर मैथा और रसूलाबाद की बात की जाए तो यहां पर कई स्थानों में आयरन की कमी भी दर्ज की गई है।

हेड इंजरी से हुई थी फैक्ट्रीकर्मी की मौत

कानपुर। गुजैनी में पांडुनदी के किनारे खाली प्लॉट में मृत मिले फैक्टरी कर्मी विपिन तिवारी की मौत गला कसने से नहीं बल्कि भारी वस्तु के प्रहार के कारण हेड इंजरी से हुई थी। हत्यारोपियों के जोरदार वार के कारण विपिन के सिर की चार हड्डियां टूट गईं थी। इससे काफी खून बह गया था। यहीं नहीं मृतक के चेहरे, कंधे, हाथ और पैरों में भी मारपीट और चोटों के निशान मिले हैं। मृतक के गले में रस्सी बंधी और हाथ पीछे बंधे मिले थे।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए टीमें लगाईं गईं हैं। यह टीमें सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के अलावा अन्य पहलुओं की जांच कर रही हैं। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में विपिन अकेला पहले पैदल और फिर एक ऑटो में बैठकर जाता दिख रहा है। इसके बाद ऑटो भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंचती दिखी है। अंतिम लोकेशन मिलेट्री कैंप चौकी के पास तक मिली है।

डीसीपी ने बताया कि कैंप चौकी के आगे के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं, पुलिस मृतक और आरोपियों की कॉल डिटेल्स खंगाल रही है। पिता गंगा राम ने ननिहाल पक्ष के भतीजों शुभम और संतोष के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

तैयारी

राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन में आधुनिक वैज्ञानिक सर्जिकल तकनीकों पर होगी चर्चा

महिलाओं में कैंसर की रोकथाम पर विशेषज्ञ करेंगे मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महिलाओं में गर्भाशय, ओवरी और सर्विक्स कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिनके पीछे मुख्य वजह एचपीवी संक्रमण (सर्विक्स कैंसर के लिए), हार्मोनल असंतुलन (एस्ट्रोजन की अधिकता) और जीवनशैली से जुड़े कारक हो सकते हैं। इसके अलावा अन्य कारणों में मोटापा, परिवारिक इतिहास, उम्र और कुछ दवाओं का लंबे समय तक सेवन शामिल भी हो सकता है। इनकी रोकथाम और आधुनिक वैज्ञानिक सर्जिकल तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए देशभर से विशेषज्ञ शहर आएंगे।

आर्य नगर स्थित गैंजेंस क्लब में गुरुवार को उत्तर प्रदेश स्टेट चौप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया की 12वीं वार्षिक राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन के संबंध में पदाधिकारियों व सदस्यों के बीच

सम्मेलन के बारे में जानकारी देतीं डॉ.मीरा अग्निहोत्री, डॉ.किरन पांडेय, साथ में डॉ.शैली अग्रवाल, डॉ.रेनू गुप्ता, डॉ.पाविका, डॉ.किरन और डॉ.दिव्या। अमृत विचार

बैठक हुई, जिसमे शामिल महिला डॉक्टरों ने स्त्री रोग कैंसर के बढ़ते मामलों की रोकथाम पर चर्चा की। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. मीरा अग्निहोत्री ने बताया कि यूपीएससी एजीओआई की अध्यक्षता में सात दिसंबर को गैंजेंस क्लब में सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमे देशभर से 200 वरिष्ठ डॉक्टर और पोस्ट ग्रेजुएट छात्र शामिल होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्त्री रोग कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान, आधुनिक वैज्ञानिक व सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपचार को बढ़ावा देना होगा।

यूपीएससी एजीओआई की अध्यक्ष डॉ.किरन पांडेय ने बताया कि सम्मेलन में दिल्ली से एजीओआई की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.रुपिंदर सेखों, उड़ीसा से राष्ट्रीय सचिव डॉ.भाग्य लक्ष्मी के साथ ही नई दिल्ली, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ व गोरखपुर समेत आदि जिलों से वरिष्ठ डॉक्टर शामिल होंगे। सम्मेलन में सात वैज्ञानिक सत्र, एंडोस्कोप कोलोनोस्कोपिक कार्यशाला, क्विज प्रतियोगिता व वीडियो प्रदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान डॉ.मीरा अग्निहोत्री, डॉ.किरन पांडेय, डॉ.शैली अग्रवाल, डॉ.रेनू गुप्ता, डॉ.किरन सिन्हा, डॉ.पाविका लाल, डॉ.दिव्या त्रिपाठी शामिल रहीं।

वैज्ञानिक सचिव डॉ.रेनू गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में एंडोमेट्रियल कैंसर व ओवेरियन कैंसर की रोकथाम एवं स्क्रीनिंग, सर्जरी में आधुनिक तकनीकों में रोबोटिक व न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी और फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन पर मुख्य चर्चा होगी। पोस्टग्रेजुएट क्विज सत्र और केस आधारित पैनल चर्चा होगी। आयोजन सचिव डॉ.शैली अग्रवाल ने बताया कि प्रतिभागियों को सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में किए जाने वाले मिनिमल इनवेसिव सर्जरी का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैंसर संबंधी 35 शोधपत्र प्रस्तुत होंगे

- आयोजन सह सचिव डॉ.पाविका लाल व कोषाध्यक्ष डॉ.दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि सम्मेलन में करीब 35 कैंसर संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसमे देशभर के पोस्टग्रेजुएट छात्र व डॉक्टर भाग लेंगे। कॉर्डिनेटर डॉ.किरन सिन्हा ने बताया कि महिलाओं को कैंसर से बचाने के लिए भारत सरकार काफी प्रयासरत है। अब भारत में ही भारतीय वैक्सीन बनना शुरू हो गई है और मार्केट में भी आ गई है, जिसकी कीमत विदेशी वैक्सीन से कम है। वैक्सीन के दाम कम होने से सभी महिलाएं इसे लगवा भी सकेंगी।

युवा ग्रुप की चुनावी बैठक में उठा बकाया उधारी का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बैठक में बकाया रकम निकलवाने की उठाई गई मांग

अमृत विचार। कानपुर कपड़ा कमेटी के चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन सरगर्मियों में बैठकों का भी दौर शुरू हो गया है। युवा ग्रुप इन बैठकों में अपनी उपस्थिति और चुनावी मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। गुरुवार को हुई बैठक में युवा ग्रुप की ओर से बकाया उधारी का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया।

बैठक के दौरान युवा ग्रुप की बैठक में बाजार में फंसी हुई बकाया रकमों को वसूल वाने की बात प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। सभी युवा ग्रुप के प्रत्याशी एक स्वर में वर्तमान में होने वाले निर्वाचन प्रक्रिया में बाजार की फसी उधारी को बड़ी चिंता बताते हुए उससे निपटने का समाधान के विषय पर चर्चा कर रहे हैं। युवा ग्रुप इस बार 17 से 19 प्रत्याशियों को मैदान में उतरेगी। अमित दोसर, गौरव मेहरा, अशोक महेश्वरी, अभिषेक चावला, दीपक खन्ना व पवन दुबे ने बैठक में अपनी बात रखी।

बताया गया कि कानपुर कपड़ा कमेटी के प्रत्येक 2 वर्ष में होने वाले कार्यकारिणी सदस्य के निर्वाचन फॉर्म 6 दिसंबर को प्राप्त होगा। 9 दिसंबर को नामांकन दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। नाम वापसी 10 दिसंबर को शाम 4 तक होगी। उसके बाद 17 दिसंबर को कार्यकारिणी सदस्य का निर्वाचन मतदान सुबह 11 से शाम 5 तक कमेटी के कार्यालय में होगा। 18, 19, 20 दिसंबर को मतगणना होगी। युवा ग्रुप ने पिछली बार 13 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके अलावा सभी सात पदाधिकारी का निर्वाचन निर्विरोध हुआ था।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

कानपुर। स्वरूप नगर में एक कारोबारी ने पत्नी और ससुरालियों पर सम्पत्ति हड़पने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया। डेढ़ साल से पुलिस और अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं होने पर पीड़ित कारोबारी ने न्यायालय में शिकायत की। न्यायालय के आदेश पर स्वरूप नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। स्वरूप नगर निवासी कारोबारी कुशल डोडवानी के अनुसार पढ़ाई के दौरान पांच साल चले प्रेम प्रसंग के बाद जुलाई 2021 में उन्होंने विवाह किया। आरोप है कि शादी के दूसरे दिन से ही ससुरालीजन सम्पत्ति पत्नी के नाम कराने के लिए दबाव डालने लगे। परिवार ने कंपनी के करोड़ों रुपये के शेयर पत्नी के नाम कर दिए। संयुक्त परिवार होने के बावजूद ससुरालियों के दबाव में वह अलग फ्लैट लेकर रहने लगे। ससुरालीजन के लगातार दबाव के कारण उनके परिवार ने कंपनी के 32 प्रतिशत से अधिक शेयर पत्नी के नाम कर दिए। उसके बाद भी पत्नी नवंबर 2024 को घर में रखे जेवरात व नकदी लेकर चली गई। विरोध जताने पर ससुरालियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। साथ ही परिवार समेत झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

ज्ञापन सौंपते संगठन के पदाधिकारी।

अपर शिक्षा निदेशक को सौंपा ज्ञापन

कानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर एसोसिएशन के प्रांतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा निदेशालय लखनऊ में अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक) मनोज द्विवेदी से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की विभागों में लंबित ज्वलंत समस्याओं एवं शासन स्तर पर लंबित 13 सूत्रीय मांगपत्र के बारे में उन्हें बताया गया और ज्ञापन भी सौंपा गया। इस दौरान कहा गया कि लंबित मांगों का प्रस्ताव प्रबल संस्तुति के साथ शासन को प्रेषित किया जाए। अपर शिक्षा निदेशक की ओर से संगठन को त्वरित समाधान के लिए आश्वस्त किया गया। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अध्यक्ष मुज्तबा हुसैन, प्रदेश महामंत्री संतोष तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नए वर्ष से उर्सला में होगी कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी

भारत सरकार ने प्रदेश के एकलौते उर्सला अस्पताल को दी सर्जरी की अनुमति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सर्जरी के बाद बोल और सुन सकेंगे मूकबधिर बच्चे
- निजी अस्पताल में आता 4 से 5 लाख रुपये का खर्च

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में पहली बार जिला अस्पताल उर्सला (यूएचएम) में मूक बधिर बच्चों के साथ ही अब बड़े लोगों का भी इलाज हो सकेगा। भारत सरकार ने उर्सला अस्पताल में कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की अनुमति दे दी है। इसके संबंध में लगभग सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब बस कॉक्लियर इंप्लांट आने, फंड जनरेट होने और कुछ कागजी कार्यवाही पूरी होने के बाद अस्पताल में ही मरीजों का बहरापन दूर किया जाएगा। मरीजों को लखनऊ, दिल्ली, मुंबई समेत आदि बड़े शहर नहीं जाना पड़ेगा।

उर्सला अस्पताल के नाक, कान व गला विभाग की ओपीडी में प्रतिमाह 15 से 20 बच्चे ऐसे पहुंचते हैं, जो सुन और बोल नहीं सकते। इनको इलाज के लिए अभी उर्सला अस्पताल से हायर सेंटर या निजी अस्पताल जाने की सलाह दी जा रही है। दरअसल, अभी तक उर्सला अथवा हैलट अस्पताल में कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की सुविधा नहीं थी। ऐसे में निजी अस्पतालों में

जांच, इलाज व ऑपरेशन कराने पर संबंधित बच्चे के अभिभावकों का चार से पांच लाख रुपये का खर्च करने पड़ते हैं, ताकि उनका बच्चा ठीक से सुन व बोल सके।

मूक बधिर बच्चों को उर्सला में ही कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की सुविधा मिल सके, इसके लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी, उर्सला अस्पताल के निदेशक रहे डॉ.एचडी अग्रवाल और ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीन सक्सेना काफी समय से प्रयासरत थे। अब दो दिसंबर को भारत सरकार से उर्सला अस्पताल को कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की अनुमति मिल गई है। ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ.प्रवीन सक्सेना ने बताया कि यहां इंप्लांट लगने के बाद जन्मजात दिव्यांग बच्चे भी आम बच्चों की तरह सुन और बोल सकेंगे। सर्जरी के संबंध में शासन से नामित दिल्ली एम्स और मुंबई की डॉक्टर से ऑनलाइन बैठक व चर्चा हो चुकी है। साथ ही निरीक्षण भी हो चुका है। बस कुछ जरूरी प्रक्रिया के बाद नए वर्ष से सर्जरी शुरू की जाएगी।

सर्जरी के लिए छह बच्चे चिह्नित

- जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन भी मूक-बधिर बच्चों के प्रति काफी गंभीर है। प्रशासन ने वर्तमान में छह बच्चों को चिह्नित कर लिया है, जिनको कॉक्लियर इंप्लांट लगना है, ताकि वह आम बच्चों की तरह ही सुन व बोल सकें। इस संबंध में जिलाधिकारी ने इस विषय पर स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। साथ ही रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भी दी, उन्होंने इसकी जरूरत को समझते हुए उर्सला अस्पताल में कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की अनुमति दी है। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के मुताबिक उर्सला अस्पताल में आने वाले शहर के साथ ही अन्य आसपास के अन्य जिलों के बच्चों भी इसका लाभ मिलेगा।

श्रवण यंत्रों से अलग होता कॉक्लियर इंप्लांट

- कॉक्लियर इंप्लांट श्रवण यंत्रों से अलग होता है, जो आवाज को बढ़ाता है। इम्प्लांट आंतरिक कान के क्षतिग्रस्त हिस्से को बाईपास करके सीधे श्रवण तंत्रिका को विद्युत उत्तेजना प्रदान करता है। मस्तिष्क इन संकेतों को ध्वनि के रूप में व्याख्या करता है। हां, सर्जरी के बाद, ध्वनि को समझने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जो बच्चा धीरे-धीरे बाद में समझने लगता है। जन्म से ही बहरे बच्चे, तीन वर्ष की उम्र से पहले और यदि संभव हो तो और भी पहले, यह सर्जरी कराना सबसे अच्छा होता है, ताकि भाषा कौशल विकसित करने का सबसे अच्छा मौका मिल सके।

विभागाध्यक्ष के साथ एथलीट चंचल। अमृत विचार

एथलीट चंचल को यूनिवर्सिटी गेम्स में मिला तीसरा स्थान

कानपुर। सीएसजेएमयू की एथलीट चंचल ने तीन हजार मीटर इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में तीसरा स्थान हासिल किया है। खिलाड़ी की इस उपलब्धि पर कुलपति ने खिलाड़ी को शुभकामनाएं दी हैं। विभाग अध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार यादव ने खिलाड़ी को खेल में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए उसकी कड़ी मेहनत को श्रेय दिया है। क्रीड़ा सचिव निमिषा सिंह कुशवाहा ने छात्रा को ओ भी बेहतर प्रदर्शन करने की सीख दी है।

हुसैन दिवस समारोह में आएंगे डिप्टी सीएम

कानपुर। हुसैनी फेडरेशन का 7 दिसम्बर को रजबी ग्राउंड (परेड मैदान) में हुसैन दिवस समारोह का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक होंगे, जबकि मुंबई से जावेद आर शर्राफ और शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के आली जनाब यासूब अब्बास भी शिरकत करेंगे। प्रेस क्लब में हुसैनी फेडरेशन के चेयरमैन हाजी कबीर जैदी, अध्यक्ष मुजीबुल हसन रिजवी, जनरल सेक्रेटरी मो.जामिन रिजवी, पूर्व अध्यक्ष इसरार हुसैन जैदी, रजी अब्बास रिजवी, मुशर्रफ हुसैन रिजवी, सचिव एहसान हुसैन और मीडिया प्रभारी डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी ने जानकारी दी।

मां वैष्णो प्राइवेट आईटीआई की मान्यता की गई निरस्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मानकों के विपरीत संचालित पाए गए जरौली, कर्रही रोड स्थित मां वैष्णो प्राइवेट आईटीआई (कोड 3561) की मान्यता निरस्त कर दी गई। यह कार्रवाई शासन द्वारा निर्धारित तकनीकी और भौतिक मानकों के गंभीर उल्लंघन के आधार पर की गई है। मामले के संबंध में एक व्यक्ति ने जिलाधिकारी से शिकायत की थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई।

नौबस्ता निवासी एक शिकायकर्ता ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया था कि मां वैष्णो प्राइवेट आईटीआई में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित नहीं होती हैं, न ही छात्रों को किसी प्रकार का प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाता है और न ही आवश्यक मशीनें व उपकरण उपलब्ध हैं। शिकायत पत्र में यह भी बताया गया कि संस्थान का विद्युत कनेक्शन मार्च 2022 से कटा हुआ है, इसके बावजूद संस्थान का संचालन कागजों में दिखाया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2025 में किसी भी छात्र का प्रवेश नहीं हुआ, फिर भी अंकपत्र जारी किए जाने की गंभीर आशंका जताई गई थी। इसको गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संयुक्त निदेशक प्रशिक्षण राकेश कुमार मौर्य की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन कर मौके पर स्थलीय जांच कराई।

दत्तात्रेय जयंती धूमधाम से मनाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूना अखाड़ा की कानपुर शाखा ने गुरुवार को आनंदेश्वर महादेव मंदिर परमट में दत्तात्रेय जयंती मनाई। इस दौरान विधि विधान से पूजन और जलाभिषेक किया गया। आयोजन के दौरान भक्तों की ओर से लगाए गए जयघोष से माहौल भव्य हो गया।

पूजन के दौरान बताया गया कि प्रभु दत्तात्रेय को भगवान ब्रह्मा, विष्णु व महेश त्रिदेवों के अंश माना जाता है। मंदिर में सुबह भगवान दत्तात्रेय की प्रतिमा पर जल दूध दही व पंजामिती के साथ अभिषेक हुआ। जूना अखाड़े के गुरु मूर्ति महाकाल महाराज, वशिष्ठ गिरी, महंत अरुण भारती, विवेकपुरी महाराज ने दत्तात्रेय की विधि विधान के साथ पूजा करते हुए सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान भव्य श्रृंगार भी किया गया। जूना अखाड़ा मीडिया प्रभारी आशुतोष कुमार अंश कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान दत्तात्रेय इसी तिथि पर जन्में थे. भगवान दत्तात्रेय में ईश्वर के गुण तो हैं ही। इसके साथ ही वो गुरु रूप में भी पूजे जाते हैं। यही कारण है कि भगवान दत्तात्रेय को श्रीगुरुदेवदत्त भी कहा गया है।

जूना अखाड़ा के संतों ने मनाई दत्तात्रेय की जयंती। अमृत विचार

दो बहनें घर से नकदी जेवरात लेकर गायब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेण्डी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली एक महिला की दो नाबलिग बेटियां घर से अचानक लापता हो गई मामले मे पुलिस ने तहरीर के आधार पर पड़ोस के गांव में रहने वाले दो किशोर पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

सचेण्डी निवासिनी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 नवंबर को वह खेत पर काम करने गई थीं। उनके साथ बड़ी बेटी भी थी,जबकि घर पर उनकी दो बेटिया अकेली थीं।देर शाम को जब घर लौटीं तो दोनों बेटियां घर गायब थीं।इस दौरान घर में रखा नकद पचास हजार रुपये, जो उन्होंने भैंस बेचकर जुटाए थे, साथ ही सोने के बाले, माला और चांदी की तोड़िया भी गायब थी। आस-पास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।काफी तलाश करने के बाद पता चला कि पास के गांव में रहने वाले दो किशोर भी लापता थे। घबराकर जिसकी जानकारी पुलिस को गुरुवार देर शाम दी। वही पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर दोनों किशोर पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सचेण्डी दिनेश कुमार बिष्ट ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम लगी है। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। लोकेशन के आधार पर टीमों को रवाना किया गया है, जल्द ही बरामद किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होंगी छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जयंती गुप्ता का यूथ एक्शन प्रोग्राम के लिए भी हुआ चयन

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की दो छात्राओं, जयंति गुप्ता (बीबीए एलएलबी द्वितीय वर्ष) और उर्मिला (बीबीए एलएलबी तृतीय वर्ष) गणतंत्र दिवस परेड में शिरकत करेंगी। चयनित छात्रा जयंती गुप्ता का चयन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए भी हुआ है। विद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने दोनों छात्राओं को इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

छात्राओं के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि जयंति और उर्मिला की इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। मैं उन्हें और उनके परिवार को इस उपलब्धि पर बधाई देता हूं। उधर विश्वविद्यालय की एनसीसी आर्मी विंग की इंचार्ज मयूरी सिंह ने कहा कि जयंति और उर्मिला की इस उपलब्धि ने हमें प्रेरित किया है। उनकी मेहनत और समर्पण ने हमें दिखाया है कि कुछ करने की ठान लो तो मंजिल मिल ही जाती है। मैं उन्हें और उनके परिवार को इस उपलब्धि पर बधाई देती हूं। बताया गया कि गणतंत्र दिवस परेड में देश भर के सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट्स भाग लेते हैं। छात्राओं का चयन एक बड़ी उपलब्धि है।

जयंती। अमृत विचार

उर्मिला। अमृत विचार

एक्सचेंज प्रोग्राम

- नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) एक वार्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है। जहां भारत के एनसीसी कैडेट्स मित्र देशों की यात्रा करते हैं और उन देशों के कैडेट्स भारत आते हैं। इस पहल का उद्देश्य सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना, मित्रता बनाना और विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों को साझा करना है, जिससे वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा मिले। चयन गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेट के प्रदर्शन पर आधारित होता है और इसमें पारदर्शी प्रक्रिया होती है।

दिल्ली से शुरू होगी मुहिम | **अखिल भारतीय विधार्थी परिषद की टीम केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से करेगी संपर्क**

एक ही मंत्रालय के अधीन हों सभी शिक्षण संस्थान

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद अब देश के सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को एक ही मंत्रालय के नियंत्रण में रखने की मुहिम शुरू करेगा। इसकी शुरुआत इसी महीने दिल्ली से होगी। यह जानकारी राज्यों के भ्रमण पर निकले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री कमलेश ने अपने कानपुर प्रवास के दौरान ''अमृत विचार'' से बातचीत में दी।

उन्होंने बताया कि हाल ही में देहरादून में हुए परिषद के अधिवेशन के दौरान देशभर के सभी शिक्षण संस्थानों को एक ही मंत्रालय के नियंत्रण में रखे जाने के लिए मुहिम चलाने का प्रस्ताव पारित किया गया। अब दिल्ली में संसद सत्र के दौरान मंत्रियों और सांसदों से संपर्क कर यह मांग रखी जाएगी। उनका कहना है कि अभी सिर्फ आइआईटी, आईआईएम और केंद्रीय विश्वविद्यालय ही मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन काम कर रहे हैं। बाकी अलग-अलग मंत्रालय से जुड़े हुए हैं। इससे समन्वय नहीं बन पाता और योजनाएं लंबित रहती हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित जिन राज्यों में छात्रसंघ चुनाव पर रोक है, वहां फिर से इसकी अनुमति दिए जाने की भी मांग है। यदि अराजकता के कारण चुनाव पर रोक लगाई गई है तो सिस्टम दुरुस्त किया जाए। संघ की तर्ज़ पर पंच-परिवर्तन पर भी काम कर रहे हैं। 7 जनवरी को गौहाटी में सम्मलेन होगा। उन्होंने कहा कि असम सहित लगभग सभी राज्यों के कालेजों के छात्रसंघ में विद्यार्थी परिषद का वर्चस्व है। दिल्ली से हैदराबाद तक कालेजों में परिषद के ही लोग हैं।

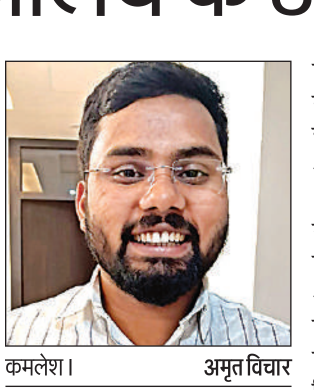
कमलेश। अमृत विचार

संघ और भाजपा नेताओं से मुलाकात की

- गुरुवार को विद्यार्थी परिषद की टीम के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, अन्य संगठनों और बीजेपी के कुछ खास नेताओं से मुलाक़ात की। इस दौरान कार्यक्रमों की चर्चा की और फीडबैक भी लिया। यह टीम पुर्वोत्तर के सभी राज्यों में खासी सक्रिय है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नार्थ-ईस्ट में संगठन महामंत्री कमल नयन ने बताया कि अब वहां संगठन का विस्तार तेजी से हो रहा है। उन्होंने बताया कि अब वहां के हर राज्य में विद्यार्थी परिषद के सम्मेलन और बैठकें हो रही हैं। देश के सभी राज्यों के साथ समन्वय बनाकर सांस्कृतिक और सामाजिक ताना-बाना समझाने और समझने की कोशिश हो रही है। विद्यार्थियों को राज्यों में भ्रमण कराया जा रहा है ताकि एक-दूसरे की संस्कृति को समझ सकें। यह पर्यटन को बढ़ावा देने का सार्थक प्रयास है।

कमल नयन। अमृत विचार

रकम मिली तो खिल उठे चेहरे

कानपुर। साइबर सेल पश्चिम जोन ने बड़ी सफलता हासिल की है। साइबर फ्रॉड के करीब पांच लाख रुपये पीड़ितों के खातों में वापस कराए हैं। वहीं, संदिग्ध खातों में लगभग सात लाख रुपये फ्रीज कराए हैं।

साइबर सेल ने गजल को 15 हजार रुपये, ईशांत शर्मा को 25 हजार, निखिल दुबे को 22 हजार, जबकि सोनू को सबसे बड़ी राहत देते हुए 2,17,000 रुपये वापस कराए गए। इसके अलावा हरमोहन सिंह को 25 हजार, संदीप को 18 हजार, साहिल को 5,000 रुपये, मोनिश को 6,000 रुपये, संजना को 29,998 रुपये, विकास को 45 हजार, असमित को 25 हजार वापस मिले।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि प्रदीप कुमार व प्रदीप जायसवाल दोनों नाम मेरे ही हैं। अब भविष्य में मुझे प्रदीप जायसवाल पुत्र स्व0 राजाराम जायसवाल, निवासी-105/488, श्री नगर, आनंद बाग कानपुर नगर के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं SHREYANSH DIVEDI से बदल कर SHREYANSH DWIVEDI रख लिया हैं आप मुझे भविष्य में मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए। S/O MOTI LAL DUBEY निवासी शक्ति विहार कॉलोनी, बी बी डी चिनहट लखनऊ का रहने वाला हूं।

सूचना
मेरे पिता का नाम आधार कार्ड में देशराज यादव और मेरी हाई स्कूल अंक तालिका में देशराज दर्ज है। दोनों नाम मेरे पिता के ही हैं। मेरे पिता दोनों नाम से जाने पहचाने जाते हैं। **मैं /अंकित यादव पुत्र देशराज यादव नि0 ग्राम पूरे गुर्दी मजरे कोरिहरा तहसील लालगंज रायबरेली।**

सूचना
मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम भूपेन्द्र प्रताप है। जबकि बैंक खाता में मोनू कुमार नाम दर्ज है। भूपेन्द्र प्रताप व मोनू कुमार दोनों मेरे ही नाम है। दोनों ही नामों से मैं जाना व पहचाना जाता हूॅ। उपरोक्त नाम का दूसरा व्यक्ति गांव में नहीं है।-**भूपेन्द्र प्रताप पुत्र गजेन्द्र सिंह, ग्राम कढिउली, पोस्ट बबना, जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना
मेरी 2 रजिस्ट्री जिनमें पहली बही का जिल्द से 2046 के पृष्ठ से 361 से 380 पर क्रमांक 1966 रजिस्ट्री कृत मूल विक्रय विलेख दिनांकित 21/03/2009 एवं उप निरीक्षक मिश्रिख सीतापुर में दिनांक 26/03/2009 को बही से 1 जिल्द से 2025 के पृष्ठ सं0 261 से 280 पर क्रमांक 2042 पर रजिस्ट्रीकृत मूल विक्रय विलेख वास्तव में खो गयीं हैं जिनका प्रयोग अवैध है - **श्रीश कुमार त्रिवेदी पुत्र स्व अभय शंकर त्रिवेदी निवासी-79. बट्सगंज सीतापुर**

सूचना
पहले मेरा नाम MAHIR ALI SAYED था अब मैने बदल कर अपना नाम MAHIR ALI रख लिया है भविष्य में मुझे MAHIR ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MEHDI HASAN R/O- MEERANPUR AKBARPUR AMBEDKAR NAGAR 224122

सूचना
मैने अपना नाम NARENDRA KUMAR KSHERAPAL से बदलकर NARENDRA KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SRI SANT LAL ADD-A 18/66 RAM NAGAR COLONY DIST-FAIZABAD AYODHYA-224001(U.P.)

सूचना
प्रिया पुत्री मनोरमा निवासी ग्राम मुकेरा पोस्ट शुमानगंज तहसील नरैनी जिला बाँदा है। जो कि सही नाम दिव्या पुत्री मनोरमा है। इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। मनोरमा पत्नी इन्द्रेश निवासी ग्राम मुकेश जिला बॉदा।

सूचना
मैने अपना नाम SHANU KSHERAPAL से बदलकर SHANU CHHETRAPAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0- NARENDRA KUMAR ADD-A 18/66 RAM NAGAR AYODHYA, DIST-AYODHYA-224001 (U.P)

सूचना
सूचनार्थ मैं **सलमा बेग पत्नी मो0 अयाज बेग निवासी- 64 चन्द्रशेखर आजाद मार्ग अमीनाबाद लखनऊ,** निकाह के पूर्व मेरा नाम सलमा रशीद खान था जो मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अंकित है। निकाह के पश्चात मैंने अपना नाम सलमा बेग कर लिया है।

सूचना
पहले मेरा नाम KUNVAR VIVEK SINGH था अब मैने अपना नाम बदलकर KUNWAR VIVEK SINGH रख लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। KUNWAR VIVEK SINGH S/0-CHANDRA VAS SINGH ADD-VILL-CHANDPUR POST-SARAI BHOGI DIST-JAUNPUR (U.P)

सूचना
मैं, **कृष्ण कुमार मंध्यान आत्मज स्व शंकर लाल मंध्यान, निवासी सी-2239, सी ब्लाक, इंदिरा नगर, लखनऊ** घोषणा करता हूॅ की मेरे सगे भाई जयराम दास मंध्यान, सुनील कुमार मंध्यान, सुशील कुमार मंध्यान, हरीश कुमार मंध्यान पुत्रगढ़ स्व शंकर लाल मंध्यान के समाज विरोधी गतिविधियों एवं अनुचित व्यवहार अथवा परिवार की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाने के कारण मैंने इन सभी एवं इन सभी के उत्तराधिकारी से संबंध विच्छेद कर लिया है एवं अपनी समस्त चल, अचल सम्पत्ति से पूर्णतः बेदखल कर रहा हूँ जिसमे खसरा संकया 684/9, रसूलपुर सादात, बी. के. टी, लखनऊ एवं मकान सं: सी-2239, इंदिरा नगर, लखनऊ भी सम्मिलित है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य / व्यवहार के प्रति मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

सूचना
सूचनार्थ मैं **मो0 अयाज बेग पुत्र जुबैर अहमद बेग निवासी- 64, चन्द्रशेखर आजाद मार्ग अमीनाबाद लखनऊ,** मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम मोहम्मद अयाज अंकित है। मेरा सही नाम मो0 अयाज बेग है। मोहम्मद अयाज व मो0 अयाज बेग दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

CHANGE OF NAME
THIS IS to inform the general public that my daughter name VEDANSHI D/o Veerendra Kumar, as recorded in other documents. Due to an error my daughter's name is incorrectly recorded in Aadhaar Card and school records. This is incorrect. In the future, my daughter should be known and identified by her correct name A V VEDANSHI RAO D/o Veerendra Kumar. Old name: VEDANSHI New Name: A V VEDANSHI RAO it is here by certified that all legal formalities regarding the above have been completed by me. Veerendra Kumar S/o Shri Shiva Kumar R/o-96 Village -Jarha, Post Jarha, Behander Sandila, Hardoi U.P. Pin 241201.

CHANGE OF NAME
THIS IS to inform the general public that my daughter name AARADHYA D/o Veerendra Kumar, as recorded in other documents. Due to an error my daughter's name is incorrectly recorded in Aadhaar Card and school records. This is incorrect. In the future, my daughter should be known and identified by her correct name A V AARADHYA RAO D/o Veerendra Kumar. Old name: AARADHYA New Name: A V AARADHYA RAO it is here by certified that all legal formalities regarding the above have been completed by me. Veerendra Kumar S/o Shri Shiva Kumar R/o - 96 Village Jarha, Post Jarha, Behander Sandila, Hardoi U.P. Pin 241201.

सूचना
मैं **गुलाम अफसर पुत्र गुलाम समदानी निवासी-मीरानपुर अकबरपुर, परगना व तहसील-अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर,** मेरे पुत्री अलीजा फातमा (ALIJA FATMA) के आधार कार्ड में जो नाम अंकित है वह गलत है। जबकि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में अलीजा फातिमा (ALIZA FATIMA) अंकित है जो सही है। अतः पुत्री के आधार कार्ड में अलीजा फातमा (ALIJA FATMA) के स्थान पर सही नाम अलीजा फातिमा (ALIZA FATIMA) संशोधन अंकित किया जाय तथा मेरी पुत्री को इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना
मैं **रुकाना पत्नी स्व0 होरीलाल निवासिनी ग्राम अटरिया पोस्ट सिकरोरी, तहसील सण्डीला जिला हरदोई,** मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या 216798066 है। उक्त पालिसी पर मेरा नाम रुक्मणी देवी दर्ज है तथा आधार कार्ड व अन्य सभी प्रकार के अभिलेखो पर रूकाना अंकित है। रुक्मणी देवी व रूकाना दोनों नाम मेरे ही है। यह कि अपनी बीमा पालिसी के समय ससुराल (पकरा बाजार गॉव माल लखनऊ में रह रही थी मेरे पति के मृत्यु होने जाने के बाद मायके में भाई न होने के कारण मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासिनी हो गई हूॅ।

गुमशुदगी सूचना
मैं **शेष कुमारी पत्नी नन्दलाल सिंह निवासी ग्राम गुलालपुर परगना चांदा तहसील लम्भुआ जनपद सुलतानपुरकी** हूं। मेरे पति का दिमागी सन्तुलन ठीक न होने के कारण दिनांक 14 अप्रैल 1998 को समय 2.00 बजे दिन में वे घर से गुलालपुर बाजार गये थे शाम तक घर वापस नहीं आये। मैने आस-पास व नात रिश्तेदारों के यहां, बाजार व बस अड्डे पर काफी तलाश किया परन्तु उनका कोई अता पता आज तक नहीं चला।

सूचना
मैं मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) पुत्र लतीफ बेग (LATIF BAIG), निवासी-शिवाला के पास, 390/209/डी-2,उत्तम नगर, शहादतगंज, लखनऊ, उ0प्र0-226003, मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या-UP32 20090006886 में मेरा नाम MEHTAB BEG व पिता का नाम ABDUL LATIF BEG अंकित है। जबकि आधार कार्ड संख्या-6246 2666 9695 व अन्य समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्र में मेरा नाम मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) व पिता का नाम लतीफ बेग (LATIF BAIG) अंकित है जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स पर दर्ज मेरा नाम MEHTAB BEG व पिता का नाम ABDUL LATIF BEG के स्थान पर मेरा सही नाम मेहताब बेग (MEHTAB BAIG) व पिता का नाम लतीफ बेग (LATIF BAIG) अंकित किया जाय।

सूचना
मैं प्रिया नागेश कुमार सिंह, नि.-1003 ब्लॉक-सी, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ, मेरा आधार कार्ड में नाम प्रिया नागेश कुमार सिंह दर्ज है। जबकि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के प्रमाणपत्र में प्रिया सिंह लिखा है। भविष्य में मुझे प्रिया नागेश कुमार सिंह नाम से जाना-पहचाना जाये। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो नीचे दिये नंबर पर संपर्क करें।-9935442370

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शैक्षणिक अभिलेख मे मेरा नाम KHAN ABDURRAHAMAN KHALEEQUZZAMA अंकित है जो की सही है जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम KHAN ABDURRAHAMN KHALEEQUZZAMA जो कि गलत है। आधार कार्ड में भी मेरा नाम शैक्षणिक अभिलेख वाला ही दर्ज किया जाए। **खान अब्दुर्रहमान खलीकुज्जमा पुत्र खलीकुज्जमा ग्राम दतलूपुर,पोस्ट सरायखास, परगना व तहसील उतरौला, जनपद बलरामपुर**

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर खाली कराया गया मकान

शुक्लागंज। गुरुवार को मरहला चौराहे के पास हनुमान बाग स्थित एक मकान को कोर्ट के आदेश पर गंगाघाट कोतवाली पुलिस द्वारा खाली कराया गया। जानकारी के अनुसार हनुमान बाग ट्रस्ट की भूमि पर रतन टंडन का मकान बना है। इसमें विजय कुशवाहा किराए पर रह रहे थे। रतन टंडन ने किरायेदार द्वारा मकान खाली न करने पर कोर्ट में वाद दायर किया था। मामले की सुनवाई में कोर्ट ने मकान खाली कराने के आदेश जारी किए। इसके अनुपालन में गुरुवार को पुलिस मौके पर पहुंची और निर्धारित प्रक्रिया के तहत मकान खाली कराया।

10 पुलिस कर्मियों को मिलीं नई बाईकें

उन्नाव। जेडएफडी (जीरो फैटिलटी डिस्टिक) योजना के अंतर्गत सड़क हादसों में कमी लाने के लिए क्रिटिकल कारीडोर (सीसी) के लिए सभी थाना व कोतवाली से एक दरोगा व एक सिपाही नामित किया था। इसकी प्रगति जानने के लिए कुछ दिन पूर्व एसपी जयप्रकाश सिंह के साथ डीआईजी ट्रैफिक व सड़क सुरक्षा ने समीक्षा भी की थी। इसके बाद सड़क हादसों में कमी लाने व घटना के बाद त्वरित रिस्पांस के लिए यातायात को सुचारु कराने के लिए सीसी टीमों को 10 नई बाइकें दी गईं।

संदिग्ध हालत में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

महिला के शरीर पर चोट के निशान, पति फरार

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

मौके पर जांच करते इंस्पेक्टर अजय सिंह व अन्य पुलिस कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट चौकी अंतर्गत ब्रह्म नगर में गुरुवार सुबह एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थिति में बरामदे में पड़ा मिला। पास के लोगों ने शव देख इसकी सूचना मकान मालिक को दी। इसके बाद पुलिस को खबर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के पति के फरार होने और शरीर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कानपुर निवासी विजय मिश्रा का ब्रह्म नगर में दूसरा मकान है। जिसे उन्होंने इटावा निवासी सोनू को किराये पर दिया था। सोनू अपनी पत्नी कुलिका (28) के साथ वहीं रहता था। मकान मालिक ने बताया कि सोनू कुछ दिन पहले घर आया था और किराये पर कमरा लिया था। उसने कहा था कि आधारकार्ड बाद में दे देगा लेकिन अब तक कोई पहचान पत्र नहीं दिया। गुरुवार सुबह 10 बजे पड़ोसियों ने कुलिका का शव घर के बरामदे में कंबल के ऊपर पड़ा देखा। मेन गेट खुला था जबकि सोनू मौके से गायब था। यह देख पड़ोसियों ने मकान मालिक को सूचना दी।

सूचना पर विजय मिश्रा मौके पर पहुंचे और स्थिति देख पुलिस को खबर दी। जिस पर कोतवाली प्रभारी अजय सिंह व बालूघाट चौकी इंचार्ज गजेन्द्र सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। शव के गर्दन, मुंह व नाक पर चोट के निशान मिले हैं। जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। सोनू की मुंहबोली बहन सिमरन ने बताया कि पति-पत्नी शराब के आदी थे और अक्सर दोनों में झगड़ा होता था। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि कुलिका बीमार भी चल रही थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर फरार पति की तलाश तेज कर दी गई है।

4 दिनों में हुए 55 ओटीएस पंजीकरण

शुक्लागंज। बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की बकाया राशि निपटान के लिए चलाई जा रही एकमुश्त समाधान योजना के पहले चरण की शुरुआत दिसंबर माह से हो चुकी है, लेकिन विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली के कारण इसका लाभ उपभोक्ताओं तक तेजी से नहीं पहुंच पा रहा है। चार दिनों में विभाग केवल 55 उपभोक्ताओं का ही पंजीकरण कर सका है।

गुरुवार को लगाए गए कैंप में 17 नए पंजीकरण किए गए, जिनसे विभाग को 1 लाख 6 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक तीन चरणों में एक किलोवॉट और दो किलोवॉट बिल वकायादार घरेलू उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी और मूलधन पर 15 से 25 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। कैंप में उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, जेई अक्षय तिवारी, टीजी-2 और लाइन स्टाफ मौजूद रहे। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर अपनी बकाया राशि जमा की। एसडीओ ने बताया कि अब तक चार दिनों में 55 पंजीकरण कराकर विभाग ने कुल 5 लाख 65 हजार रुपये की वसूली की है।

जमानत के रुपये के लेनदेन में हुई थी मनोज की हत्या

अमृत विचार Follow UP

- पुलिस ने दो हत्यारोपियों को भेजा जेल

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव के मजरा मानव नगर में युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो लोगों को पकड़कर जेल भेजा है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने जमानत में लिए गए रुपये के विवाद में हत्या करने की बात स्वीकार की है।

बता दें कि मानवनगर गांव निवासी मनोज (45) पुत्र शिवनाथ गौतम की हत्या हुई थी। बुधवार सुबह उसका शव घर में चारपाई में पड़ा मिला था। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने गांव के कामता प्रसाद पुत्र रामेश्वर रैदास व पिन्टू पुत्र शिवप्रसाद रैदास निवासी मानव नगर थाना अचलगंज व एक अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की थी। लेकिन पुलिस की जांच में उनकी संलिप्तता नहीं मिली। इस पर जांच का दायरा बढ़ा पुलिस टीमों ने वादी के व ग्रामीणों के गवाहों के बयान व सीडीआर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर शिवम यादव पुत्र राजकुमार निवासी रायपुर सातन जमेल थाना अचलगंज व आदित्य पुत्र सुशील निवासी ग्राम गौरी थाना सोहरामऊ को थानाक्षेत्र के शिवपुर ग्रन्ट पुल के नीचे से पकड़ा।

एसओ ब्रजेश शुक्ला ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने मनोज की हत्या करने की बात स्वीकार कर बताया कि शिवम यादव की मनोज ने जमानत कराई थी। इसके एवज में उसने 60 हजार रुपये लिये थे। जिसे लेकर आएदिन शिवम का मनोज से विवाद होता था। इसी बात को लेकर शिवम यादव ने अपने साथी आदित्य यादव के साथ मिलकर मनोज की हत्या कर दी। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल ईंट बरामद कर दोनों को जेल भेजा है।

7 घंटे बिजली गुल रहने से लोग परेशान

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। रीवैंप योजना के अंतर्गत गुरुवार को विद्युत विभाग ने फीडर 1 में एबीसी लाइन बदलने का काम किया। इस आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते एक दर्जन से अधिक मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

सुचारू बिजली व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शुक्लागंज के सर्वोदय नगर मोहल्ले के सामने फोरलेन किनारे लगी जर्जर एबीसी केबल को बदला गया। इस कार्य के कारण, विभाग ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी। फीडर 1 के अंतर्गत आने वाले सर्वोदय नगर, कंचन नगर, मंशा खेड़ा, आदर्श नगर, राजमार्ग समेत कई मोहल्लों के हजारों घरों में रहने वाले लोगों को सात घंटे तक बिजली न मिलने से खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण लोगों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शो पीस बनकर रह गए। विभागीय कार्य पूरा होने के बाद शाम को बिजली आपूर्ति बहाल हुई।

65 किमी दूर बना दिये परीक्षा केंद्र, पहुंचीं 86 आपत्तियां

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की वर्ष-2026 की हाईस्कूल व इंटर परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा जिले के 414 विद्यालयों में 122 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिसमें राजकीय विद्यालयों के 10, सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के 50 व वित्तविहीन के माध्यमिक विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाते हुए 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई थी। जिसमें 86 आपत्तियां आई हैं।

बोर्ड सचिव द्वारा बनाए गए परीक्षा केंद्रों में ऐसे भी केंद्र हैं जहां 65 किमी दूरी पर छात्रों को परीक्षा देने जाना पड़ सकता है। ऐसे भी केंद्र बने हैं जहां संसाधन नहीं है। सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे और आवश्यक फर्नीचर भी नहीं है। कई ऐसे विद्यालय हैं जहां गत वर्षों में परीक्षा केंद्र था मगर सीसीटीवी कैमरे व क्षमता होने के बाद भी उन्हें केंद्र नहीं बनाया गया है। इस तरीके से 86 आपत्तियां शिक्षकों, अभिभावको व प्रबंधतंत्रो द्वारा की गई हैं। वहीं कई विद्यालयों को केंद्र बनाने के लिए विधायकों ने भी पत्र लिखे हैं। डीआईओएस सुनील दत्त ने कहा कि जो आपत्तियां आई हैं उनका जिला स्तर की मीटिंग कर निवारण करने की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि जिले में 414 माध्यमिक विद्यालयों में 122 को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिसमें हाईस्कूल के 39163 व इंटर के 41245 परीक्षार्थी हैं। कुल 70408 परीक्षार्थियों के लिए 41 राजकीय विद्यालयों में 10, 59 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय में 50 व 314 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयो में 62 विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है।

शासनादेश में व्यवस्था के अनुसार सबसे पहले राजकीय, फिर सहायता प्राप्त व सबसे बाद में वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों को केंद्र बनाने की व्यवस्था है। यदि 10 किमी की परिधि में राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय नहीं है तो छात्र दूर न जाएं इसके लिए वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों को केंद्र बनाने की व्यवस्था की गई है। मगर 50 से 60 किमी की दूरी पर किसी भी छात्र को परीक्षा देने नहीं जाना होगा। इसकी भी व्यवस्था शासनादेश में है।

साहित्य अकादमी व चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की नेशनल सेमिनार शुरू

दीप जलाकर नेशनल सेमिनार का शुभारंभ करते अतिथि। अमृत विचार

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। साहित्यिक नगरी उन्नाव में साहित्य अकादमी, संस्कृति मंत्रालय व चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हुआ। स्टोरीटेलिंग इन इंग्लिश एंड ट्रांसलेशन्स विज़न्स, रिविज़न्स एंड इनोवेशन्स विषय पर आयोजित इस सेमिनार का उद्देश्य 21वीं सदी के लेखन पर अंग्रेज़ी व अनुवाद के प्रभाव को समझना, युवा लेखकों को मार्गदर्शन देना और साहित्यिक अभिव्यक्ति के नए आयामों पर चर्चा करना है।

उद्घाटन सत्र में देशभर से आए विद्वान, शिक्षाविद, लेखक व शोधकर्ता शामिल हुए। इसमें वक्ताओं ने कहा कि कहानी कहना सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को आगे ले जाने, विभिन्न भाषाओं को जोड़ने व नई सोच को जन्म देने का माध्यम है। इसमें साहित्य अकादमी के उप सचिव षणमुखानंद, बीएचयू की प्रो. अनीता सिंह, गोरखपुर की प्रो. सुनीता मुर्मू, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. ओंकारनाथ उपाध्याय सहित कई प्रतिष्ठित साहित्यकार मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि दादी-नानी की कहानियों से लेकर महाभारत, रामायण और पंचतंत्र तक भारत की कथा-परंपरा बेहद समृद्ध रही है। जो समय के साथ आधुनिक माध्यमों के जरिए वैश्विक मंच तक पहुंची है। सेमिनार में कुल चार थीम आधारित सत्र आयोजित किए गए हैं, जिनमें आधुनिक कहानी के नए रूप, पुनर्कथन, रचनात्मक तकनीकें व पौराणिक कथाओं के समकालीन स्वरूप जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, यूपी के प्रो. टीपी सिंह ने कहा कि यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता के बीच साहित्यिक संवाद को नई दिशा देगा।

छापेमारी कर 72 लीटर शराब सहित एक गिरफ्तार

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में अवैध शराब के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने गुरुवार को आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र के निर्देश पर मौरावां क्षेत्र में छापेमारी कर 72 लीटर कच्ची शराब बरामद की और एक अभियुक्त को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी अधिकारी ने बताया कि आबकारी निरीक्षक पुरवा निशांत सिंह ने हमराह स्टाफ व स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर थाना मौरावां अंतर्गत सरैया बाजार, बतूआ शाहपुर में गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी की। इसमें मौके से बड़ी मात्रा में कच्ची शराब बरामद की गई। टीम ने इस दौरान एक शराब तस्कर को भी पकड़ा। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान कल्लू पुत्र बुद्धिलाल निवासी जनवारनखेडा थाना मौरावां के रूप में हुई है। आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत दो 2 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

मिश्रा कॉलोनी में कटान के मुहाने पहुंचे मकान

मिश्रा कॉलोनी में कटान के मुहाने पर इस तरह खड़े हैं कई मकान। अमृत विचार

- प्रशासन की ओर से कटान रोकने के लिये नहीं किये गये कोई प्रबंध

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। गंगा का जलस्तर घटने के बाद मिश्रा कॉलोनी के रिहायशी इलाके में दो माह से तेजी से हो रही कटान अब स्थानीय लोगों के लिए खतरा बन गई है। कटान मकानों के पास पहुंच गई है। यदि इसी तरह कटान होती रही तो जल्द ही कई मकान गंगा में समा सकते हैं। लेकिन प्रशासन की ओर से कटान रोकने के लिये अभी कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया है।

नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में जिलाधिकारी के निर्देश पर एक्सईएन गगन शुक्ला, सहायक अभियंता आयुष कुशवाहा, जेई जयप्रकाश श्रीवास्तव ने मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट से नवीन बाढ़ केंद्र तक कटान वाले क्षेत्र का निरीक्षण कर जिओ बैग लगाकर कटान रोकने का लोगों को आश्वासन दिया था। लेकिन कई दिन बाद भी कटान रोकने के लिये कोई काम नहीं शुरू हुआ। ऐसे में कई मकान कटान की बिल्कुल जद में आ गये हैं। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि यदि दो-चार दिन में कटान रोकने का कोई उपाय न हुआ तो तट पर बने कई मकान गंगा में समा जायेंगे। क्योंकि कटान बराबर रुक-रुक कर हो रही है। ऐसे मे क्षेत्रीय लोगों को अपने आशियाने उजड़ने का डर सताने लगा है।

छात्र-छात्राओं को दी गई विभिन्न भाषाओं की जानकारी

छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी देते शिक्षक अमित तिवारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। विकासखंड सफीपुर के कंपोजिट स्कूल रानियामऊ में स्थानीय भाषा में बच्चों द्वारा कविताओं व लोक कथाओं की अभिव्यक्त की गई। इसमें शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य बच्चों में मातृभाषा व स्थानीय भाषा के प्रति जागृत करना है। साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान, जिज्ञासा व भावनात्मक जुड़ाव को भी बढावा देना है।

बीएसए शैलेष पांडेय ने बताया कि भारतीय भाषा उत्सव के तहत सप्ताह के सात दिन विशेष थीम निर्धारित की गयी है। इसके अनुरूप विद्यालय में गतिविधियां संचालित होंगी। इसमें होने वाली गतिविधियों की तस्वीर और रिपोर्ट रोज विभागीय पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम के लिये शिक्षक संजीव संखवार, देवेंद्र त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र कुशवाहा, अनूप साहू, संतोषी देवी, सुधीर कुशवाहा, शरद, प्रीति यादव आदि ने विद्यालयों में भाषा से जुड़े प्रोजेक्ट, चार्ट, कविताएं, लोककथाएं व संवाद सत्र को कार्यान्वित करने की बात कही।

यूपीएस भानपुर हसनगंज में मनाया गया भाषा उत्सव

राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों में 4 से 11 दिसंबर तक भारतीय भाषा उत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत खंड शिक्षाधिकारी हसनगंज दीपेश कुमार के नेतृत्व में विकासखंड हसनगंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय भानपुर में भारतीय भाषा उत्सव की प्रथम दिवस गतिविधियों की शुरुआत हुई। इसमें छात्रों के लिए मुख्य आकर्षण भाषा वृक्ष निर्माण विशेष आकर्षण रहा। विज्ञान शिक्षिका व राज्य सन्दर्भदाता समूह सदस्या मसर्रत फातमा ने विशेष रूप से तैयार की गई गतिविधि कक्षा में बच्चों को भारत की भाषाई विविधता से परिचित कराया। प्रधानाध्यापक रमा कांत वर्मा ने बताया कि भारतीय भाषा उत्सव का उद्देश्य छात्रों में भाषाई जागरूकता, संवाद कौशल व सभी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है।

बच्चों ने जानी विभिन्न राज्यों में बोली जाने वाली भाषा

विकासखण्ड सिकंदरपुर कर्ण के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा कंपोजिट में एसएमसी अध्यक्ष विनोद के निर्देशन में भारतीय भाषा उत्सव का शुभारंभ हुआ। इसमें बच्चों ने भाषा वृक्ष बनाया। जिस पर उन्होंने भारत के राज्यों व वहां बोली जाने वाली भाषा के बारे में बताया गया। देवांश, कुणाल, अनुष्का, अंश सविता व वैष्णवी ने मिलकर भाषा विरासत वॉल बनाई। स्मार्ट पैनल के माध्यम से डॉ. रचना सिंह ने बच्चों को भारत में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं की जानकारी दी।

26 सबमर्सिबल व पानी की टंकियों का लोकार्पण

- कुल 95 सबमर्सिबल पंप स्थापित करने का है लक्ष्य : पालिकाध्यक्ष

सबमर्सिबल पंप व पानी की टंकियों का लोकार्पण करतीं अध्यक्ष श्वेता मिश्रा।

उन्नाव, अमृत विचार। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने शहर के विभिन्न वार्डों में स्थापित किए गए 26 सबमर्सिबल पंप व पानी की टंकियों का लोकार्पण किया। जबकि इससे पहले 62 का लोकार्पण किया गया था।

पालिकाध्यक्ष ने बताया कि जनसंपर्क के दौरान उन्होंने नगर वासियों को निर्बाध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया था वह साकार हो रहा है। पालिका पानी की समस्या के लिए लगातार काम कर रही है। बीते साल 62 सबमर्सिबल पंप लगवाए गए थे। जबकि इस वर्ष 26 और लगवाए गए हैं। बताया कि इस साल कुल 95 सबमर्सिबल पंप स्थापित करने का लक्ष्य है। इस दौरान ईओ संजय गौतम, जेई रजपाल, सुनील शर्मा, सभासद ब्रजेश पांडेय, मुन्ना सिंह, मोनू दीक्षित, राजस्व निरीक्षक दिलीप यादव आदि मौजूद रहे।

गैर जमानती वारंट के बाद पहुंचे दरोगा ने मांगी माफी

उन्नाव। एनडीपीएस कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी होने पर दरोगा कोर्ट में हाजिर हुए। बता दें कि 29 मई-2023 को मौरावां थाना में तैनात दरोगा विष्णुदत्त ने चेकिंग के दौरान मझकोरिया गांव निवासी यूनुस को पकड़कर उसके पास 1.100 किलो गांजा बरामद किया था। पुलिस ने आरोपी यूनुस को जेल भेज दिया था। मुकदमे के विवेचक ने आरोपी के खिलाफ साक्ष्य जुटाकर चार्जशीट दाखिल की थी। करीब दो साल से मुकदमे का एनडीपीएस कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। न्यायालय ने वादी मुकदमा दरोगा विष्णुदत्त की गवाही के लिए 13 दिसंबर 2024 की तारीख अंकित की थी। सम्मन की तामीली के बाद भी वह कोर्ट में करीब एक साल तक गैरहाजिर रहा। गुरुवार को दरोगा विष्णुदत्त न्यायालय में हाजिर हुए। जहां उसने न्यायालय के आदेश की वेहलना करने पर माफी मांगी।

धर्म-कर्म | पूर्णमासी पर सत्य नारायन की कथा सुन कमाया पुण्य

श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

पूर्णिमा पर गंगा स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। पूर्णमासी पर गुरुवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगा पुण्य कमाया। इसके बाद स्नानार्थियों ने घाट पर सत्य नारायन की कथा सुन पंडो को दान दिया। इस दौरान स्नानार्थियों ने गंगातट पर लगी दुकानों पर खरीदारी भी की।

बता दें कि हिन्दू मान्यता के अनुसार पूर्णिमा तिथि के दिन गंगा स्नान विशेष रूप से की जाती है। लेकिन मार्गशीर्ष पूर्णिमा को मोक्षदायिनी पूर्णिमा कहा जाता है। मान्यता है कि स्नान-दान करने से 32 गुना अधिक पुण्य मिलता है। इस दिन चंद्रमा की पूजा का भी विशेष महत्व है। कहते हैं कि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा का पूजन करने से व्यक्ति को चंद्र दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का भी विधान है और ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी की पूजा व उपासना करने से भक्त को आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है। गुरुवार को मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णमासी के अवसर पर नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र व कानपुर समेत तमाम स्थानों से सुबह से ही गंगा तटों पर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सुबह से शुरू हो गया था। सर्दी का मौसम होने के बावजूद श्रद्धालु गंगा तट पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर हर-हर गंगे का उद्घोष किया। श्रद्धालुओं की भीड़ गंगातट के सभी घाटों पर देखी गयी। कुछ श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर बैठे पंडों को दान दक्षिणा देने के अलावा सत्य नारायन की कथा का भी श्रवण किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता बनी बीघापुर

उन्नाव। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बीघापुर की टीम विजेता बनी। उसने फाइनल मुकाबले में स्टेडियम की टीम को हराया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। शहर के बाईपास स्थित स्टेडियम में गुरुवार को जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें आठ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी मुकेश सब्बरवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहला सेमी फाइनल बीघापुर पाही व बीघापुर टीम के बीच हुआ। इसमें बीघापुर टीम ने 25-18 जीत हासिल की। वहीं दूसरा सेमी फाइनल स्पोर्ट्स स्टेडियम-ए व स्पोर्ट्स स्टेडियम-बी टीम के बीच हुआ। इसमें स्पोर्ट्स स्टेडियम ने 25-20 से मैच जीत लिया।

जमीन पर अवैध कब्जा करने पर मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के देवारा कलां गांव स्थित ग्राम समाज की भूमि पर अवैध निर्माण होने का मामला सामने आया है। क्षेत्रीय लेखपाल अजय यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि देवारा खुर्द निवासी देवीदीन ग्राम समाज की जमीन पर दीवार खड़ी कर कब्जा कर रहा था। मौके की जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने लेखपाल की तहरीर के आधार पर देवीदीन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर, जनपद–उन्नाव।

पत्रांकः–12–183 / शु0प0 / न0पं0स0 / 2025–26 दिनांक– 04 दिसम्बर, 2025

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के ई–निविदा सूचना पत्र संख्याः–11–159 / SBM / अल्प0नि0सू0 / न0पं0स0 / 2025–26 दिनांक– 13 नवम्बर, 2025 द्वारा ई–निविदा प्रकाशन हेतु प्रेषित की गयी थी। जिसमें अपरिहार्य कारणोंवश तिथियों में निम्नवत् संशोधन किया जाता हैः–

क्रमांक	विवरण	पूर्व स्थिति	संशोधित स्थिति
1	निविदाए विक्रय की अवधि	दिनांक 14.11.2025 को समय प्रातः 11:00 बजें से 05.12.2025 को समय प्रातः 10:00 बजें तक	दिनांक 05.12.2025 को समय प्रातः 11:00 बजें से 11.12.2025 को समय प्रातः 10:00 बजें तक
2	निविदाए खोली जाने की तिथि	दिनांक 05.12.2025 को समय प्रातः 11:00 बजें	दिनांक 11.12.2025 को समय प्रातः 11:00 बजें

नोटः–शेष शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद–उन्नाव।

अध्यक्ष
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद–उन्नाव।

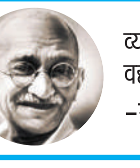

व्यक्ति अपने विचारों के सिवा कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है।

–महात्मा गांधी, राष्ट्रपिता

निर्णय से नकार तक

संचार साथी ऐप को अचानक वापस लेने का निर्णय कई राजनीतिक, तकनीकी और सामाजिक प्रश्न उठाता है। सरकार ने इससे पहले इसे मोबाइल फ़ोन में अनिवार्य रूप से शामिल कराने की कोशिश की, चाहे उपभोक्ताओं के माध्यम से या हैंडसेट कंपनियों के जरिए, लेकिन दबाव बढ़ते ही इसे वापस लेना बताता है कि सरकार विपक्ष के आरोपों से ज्यादा सार्वजनिक स्वीकार्यता को लेकर असहज हो गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विश्व की कोई भी सरकार इस तरह के ऐप को प्री-इंस्टॉल करने की बाध्यता नहीं बनाती, तो भारत को इतनी गहन चिंता क्यों हुई?

साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और मोबाइल चोरी की समस्या महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन इन्हें हल करने के लिए दुनिया भर में स्वैच्छिक उपकरण अपनाए जाते हैं, न कि बाध्यकारी ऐप। सरकार यह समझा न सकी कि यह कदम जनहित में है, न ही यह कि बाध्यकारी इंस्टॉलेशन नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य क्यों है। यदि सरकार समय रहते ऐप की तकनीकी संरचना, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल और निजता-संरक्षण की गारंटी जनता के साथ साझा करती, तो शायद स्थिति अलग होती। पारदर्शिता की इस कमी ने जनता में संदेह बढ़ाया कि कहीं यह निगरानी उपकरण तो नहीं। विपक्ष ने इसी बिंदु को पकड़ा और जासूसी के आरोपों को उछाला। सरकार ने इससे पहले भी कई बार अपने फैसलों पर यू-टर्न लिया है। नीति-निर्माण में लचीलेपन को लोकतांत्रिक गुण माना जा सकता है, लेकिन बार-बार हुई पीछे हटने की घटनाएं यह संकेत भी देती हैं कि फैसले पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना लिए जा रहे हैं। यदि नीति निर्माण पर सवाल खड़े होने लगें, तो लंबे समय में इससे सरकार की विश्वसनीयता पर दुष्प्रभाव पड़ता है। यह निर्णय पूरी तरह नकारात्मक प्रभाव डालेगा यह कहना गलत होगा। इससे यह संदेश गया कि सरकार विपक्ष और जनता की आवाज़ पर कान देती है, तो सरकार के प्रति जनविश्वास बढ़ सकता है। लगेगा कि सरकार प्राइवेसी संबंधी चिंताओं पर संवेदनशील है और निर्णयों को एकतरफा नहीं थोपती। प्रश्न यह भी उठता है कि जब ऐप को लेकर शुरुआती जनता का रुझान अच्छा था और लोग स्वेच्छा से इसे डाउनलोड कर रहे थे, तो प्री-इंस्टॉल अनिवार्यता की आवश्यकता क्यों पड़ी? यह सरकार की नीति-निर्माण शैली में निहित एक असंगति को उजागर करता है। अगर लोग इसे अपना ही रहे थे, तो उन्हें मजबूर करने की आवश्यकता क्यों? यह कदम उल्टा अविश्वास पैदा करता है, न कि सुरक्षा।

इस निर्णय से सरकार को लाभ यह हो सकता है कि वह इसे 'जनभावना का सम्मान' बताते हुए सकारात्मक कहानी गढ़ सके। सरकार यह कह सकती है कि उसका उद्देश्य सुरक्षा था, निगरानी नहीं और वह नागरिकों की प्राइवेसी को सर्वोपरि मानती है। इसके साथ ही वह यह भी साबित करना चाहेगी कि वह लोकतांत्रिक आलोचना को स्वीकार करती है, लेकिन नीति-निर्माण का मूल पाठ है कि पारदर्शिता और विश्वास किसी भी लोकतांत्रिक शासन की नींव हैं। संचार साथी ऐप प्रकरण ने सरकार को यह सिखा दिया होगा कि तकनीकी समाधान जितने उपयोगी होते हैं, उतने ही संवेदनशील भी और जनस्वीकृति के बिना कोई भी डिजिटल नीति आगे नहीं बढ़ सकती।

संचार साथी ऐप पर फैसला बदलने की मजबूरी

विवेक सक्सेना

अयोध्या

साइबर अपराधों की बढ़ती जटिलता, 'डिजिटल अरेस्ट' से लेकर गुमनाम व बड़े पैमाने पर घपलों, आम जनता के साथ आए दिन ठगी आदि के तमाम ऐसे मामले हैं, जिसमें साइबर अपराधियों ने सुरक्षा खामी का भरपूर फायदा उठाया है। फर्जी या छेड़छाड़ किए हुए आईएमईआई नंबरों के धड़ल्ले से इस्तेमाल ने भी कानून और प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अपराधियों को खोज निकालना लगभग नामुमकिन बना दिया है। साइबर अपराध पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई। ऐसे में सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संबंधी इन कमजोरियों के निवारण के लिए उठाए गए कदम पर राजनीति चिंतनीय है। हालांकि, दुनियाभर में किसी भी देश ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप को पहले से लगाना अनिवार्य नहीं किया है। एकमात्र अपवाद रूस को छोड़कर, जिसने सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' को सभी फोन और टैबलेट में इंस्टॉल करना अनिवार्य किया है। सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया।

सरकार का कहना है कि इस ऐप के जरिये डिजिटल स्कैम, फर्जी कॉल और दूसरी धोखाधड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन इसके साथ ही निजता के उल्लंघन की चिंता भी खड़ी होती है। कहीं यह ऐप यूजर्स के निजी जीवन में ताकझांक तो नहीं करेगा? इससे लोगों की निजता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। डेटा की सुरक्षा और उसके बेजा इस्तेमाल को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना है। चौतरफा विरोध के बाद केंद्र ने भले साफ किया हो कि इस ऐप को अपने फोन में रखना या डिलीट करना यूजर की मर्जी पर निर्भर करता है, लेकिन इससे चिंता का समाधान नहीं होता।

सरकार ने हाल में साइबर सिक्योरिटी से जुड़े दो आदेश दिए हैं। 28 नवंबर को 'सिम बाइंडिंग' का निर्देश दिया। व्हाट्सऐप, टेलिग्राम जैसे सभी कम्युनिकेशन से कहा कि वे अपनी सर्विस को सिम कार्ड से जोड़कर रखें। मतलब कि ये ऐप तभी चलें, जब मोबाइल में सिम लगा हो। टेलिकम्युनिकेशन कंपनियों ने इस फैसले का स्वागत किया। इसी बीच पहली दिसंबर को स्मार्टफोन निर्माताओं को मार्च 2026 तक सभी नये यंत्रों (डिवाइस) में डिवाइस ऑथेंटिसिटी के सत्यापन के लिए संचार साथी ऐप इंस्टॉल करना अनिवार्य करने के आदेश दे दिये। निर्देश में साफ कहा गया कि ये ऐप 'पहली बार इस्तेमाल या डिवाइस सेटअप के समय अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी से नजर आने वाला और सुगम पहुंच वाला हो तथा इसकी कार्यशीलताओं को अक्षम या सीमित नहीं किया जा सके', जिसका मतलब यह हुआ कि इस ऐप को फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के भीतर उच्च सुरक्षा मंजूरी दी जाएगी।

निजता पर संभावित खतरे मुख्य रूप से इसके द्वारा मांगी जा रही अत्यधिक अनुमतियों से जुड़े हैं। ऐप कैमरा, एसएमएस, फोन कॉल्स, डिवाइस आईडी, फोटो-मीडिया फाइल और स्टोरेज तक पहुंच मांगता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा की सुरक्षा को लेकर चिंता होती है। लोग मानते हैं कि इससे उनकी निजी जानकारियां सरकार या अन्य एजेंसियों द्वारा ट्रैक की जा सकती हैं, जिससे निगरानी और जासूसी का खतरा बनता है। राज्य निगरानी (स्टेट सर्विलांस) के लिए इस ऐप के दुरुपयोग और सुरक्षा से समझौते के बाद किसी बदनीयत व्यक्ति या संगठन द्वारा करोड़ों उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाए जाने की आशंका मौजूद है।

पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के साथ जो हुआ है, उसे देखते हुए यह डर बेबुनियाद भी नहीं है। हालांकि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में कहा कि यह ऐप पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा है। यूजर्स चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसका लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो वे किसी भी समय इसे अपने फोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं। ऐप के पक्ष में कहा जा सकता है कि यह फोन की असलियत जांचने, धोखाधड़ी रिपोर्ट करने, मोबाइल ब्लॉक करने और खोए हुए फोन का पता लगाने में मदद करता है। यह ऐप आईएमईआई नंबर की जांच करता है और यूजर्स को फर्जी कनेक्शनों की जानकारी देने में सहायक है। इसके जरिए फर्जी कॉल या धोखाधड़ी को रोका जा सकता है।

सरकार का तर्क है कि अब तक 1.5 करोड़ लोगों ने ऐप को डाउनलोड किया है। विरोध के बीच एक दिन में ही छह लाख लोगों ने ऐप को डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया। इस ऐप से चोरी हुए 26 लाख हैंडसेट का पता लगाया गया और 41 लाख मोबाइल ब्लॉक हो चुके हैं। वहीं मुख्य आलोचना यह है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य रूप से मोबाइल में इंस्टॉल करने को निगरानी और जासूसी बताया जा रहा है। विपक्षी पार्टियों द्वारा इसे नागरिकों की निजता पर बड़ा खतरा बताते हुए इस ऐप को असंवैधानिक करार दिया गया है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह ऐप लोगों की निजी जानकारी पर नजर रखने का साधन बन सकता है।

कांग्रेस ने भाजपा को 'भारतीय जासूस पार्टी' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि ये ऐप लोगों के घरों में घुसने का षडयंत्र है। डिवाइस के सच्चेपन के सत्यापन के लिए सरकार के पास पहले ही कम घुसपैठ वाले साधन मौजूद हैं। संचार साथी वेब पोर्टल, एसएमएस-आधारित परीक्षण और यूएसएसडी कोड पर्याप्त होने चाहिए। कम घुसपैठ वाले विकल्पों की अनदेखी करके, संचार साथी पर जारी निर्देश आनुपातिकता संबंधी मानक को धता बताते हैं। इस ऐप की उपयोगिता और सुरक्षा तत्त्वों को देखते हुए यह माना जा सकता है कि यह ऐप फर्जीवाड़े और चोरी के खिलाफ एक सक्षम उपकरण साबित हो सकता है, हालांकि नागरिक गोपनीयता के अधिकार का सम्मान करते हुए उसकी पारदर्शिता और यूजर नियंत्रण के पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

> सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया। ये पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल भी खड़े करता है।

आमने सामने

स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए सरकारी धन का उपयोग करना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसे रोक दिया। मोदी सरकार ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर पटेल को सम्मान दिया।

–राजनाथ सिंह
केंद्रीय रक्षा मंत्री

सरकार रोज कोई नया विवाद खड़ा करती है, ताकि जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके। यह बयान उसी भटकाव की राजनीति का हिस्सा है। यह सब असली मुद्दों जैसे प्रदूषण, बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की साजिश है।

–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

पीएमओ, राजभवनों के नाम बदलने के निहितार्थ

प्रो. महेश चंद गुप्ता

शिक्षाविद्

अक्सर कहा जाता है कि नाम में क्या रखा है? लेकिन भारतीय संस्कृति इस प्रश्न का सीधा उत्तर देती है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। हमारे यहां 'यथा नाम तथा गुण' की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितनी हमारी सभ्यता। जब हम 'राम' का नाम लेते हैं, तो हमारे भीतर स्वतः शांति, करुणा और मर्यादा का भाव जाग उठता है। 'कृष्ण' का नाम लेते ही मन में प्रेम और मधुरता की अनुभूति होती है। हमारी मान्यताओं के अनुसार नाम एक ध्वनि है, ऊर्जा है, पहचान है और दिशा है, इसीलिए हमारे समाज में नाम केवल किसी की पहचान ही नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व और नेतृत्व का वाहक है।

मौजूदा दौर में जब दुनिया के अनेक देशों में मूल्यहीनता, आपसी संघर्षों, तानाशाही और सत्ता केंद्रित शासन का बोलबाला है, तब मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम 'सेवा तीर्थ', राजभवनों का नाम 'लोक भवन' और केंद्रीय सचिवालय का नाम 'कर्तव्य भवन' करके एक गहरी सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया है। यह केवल बोर्ड बदलने अथवा दीवारों पर नई पट्टिका लगाने का कदम भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे शासन की आत्मा बदलने वाले सांकेतिक, दार्शनिक और वैचारिक बदलाव की भावना निहित है। पीएम नरेंद्र मोदी बार-बार कहते रहे हैं कि वे प्रधान सेवक हैं और उनका कार्य सत्ता का प्रदर्शन नहीं बल्कि सेवा की साधना है।

उनके इसी मनोभाव के अनुरूप प्रधानमंत्री कार्यालय को अब सेवा तीर्थ कहा जाएगा। हमारे यहां तीर्थ शब्द का बड़ा महत्व है। तीर्थ शब्द पवित्रता, तप, श्रद्धा और जन कल्याण के भाव को व्यक्त करता है। हम तीर्थ उन स्थानों को कहते हैं, जहां लोग समाधान, शांति और आशा की उम्मीद लेकर जाते हैं। मोदी सरकार ने पीएमओ को तीर्थ कहकर यह संदेश दिया है कि वहां सत्ता संचालन नहीं, सेवा का कार्य होगा। राज भवनों का नाम बदलकर लोक भवन करना एक क्रांतिकारी कदम है। 'राज' शब्द में हमेशा एक दूरी, एक अधिकार और सत्ता भाव का अहसास जन मानस को होता रहा है, लेकिन 'लोक' शब्द में अपनापन, भागीदारी और साझेदारी का भाव समाया हुआ है। केंद्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन रखने के पीछे नौकरशाही में सेवा भाव और कर्तव्य बोध का संचार करने का भाव निहित है। दशकों से इसे अधिकार, फाइलों की गति, निर्णयों की शक्ति और नौकरशाही की ताकत का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन अब जब इसका नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है, तो अब प्रत्येक अधिकारी को हर घड़ी स्मरण रहेगा कि शासन का आधार अधिकार नहीं, कर्तव्य है।

दो दिन पहले तक जब हम प्रधानमंत्री कार्यालय सुनते थे तो मन में एक विशाल, अधिकार प्रदर्शित करने वाली इमारत का भाव आता था, लेकिन सेवा तीर्थ नाम सुनते ही मन में एक अलग ही पवित्रता, जनता से जुड़ाव और विनम्रता का भाव उमड़ने लगा है। यही इस नामकरण का वास्तविक निहितार्थ है। राज कपूर की फिल्म का मशहूर गीत हर किसी को याद है- मेरा जूता है जापानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। नाम के साथ पहचान का रिश्ता कैसा गहरा होता है, इस गीत से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। जापानी शब्द जापान की आत्मा से जोड़ देता है, रूसी शब्द रूस से और हिंदुस्तानी दिल की धड़कन बना रहता है। यानी नाम हमेशा भाव जगाते हैं, भाव संस्कृति गढ़ते हैं और संस्कृति राष्ट्र का चरित्र तय करती है।

मोदी सरकार ने सिर्फ नाम ही नहीं बदले हैं, बल्कि संदेश दे दिया है कि अब सत्ता जनता के पास लौट रही है। राजभवन अब उस पुराने औपनिवेशिक प्रतीक जैसे नहीं रहेंगे, जहां जनता दूर खड़ी ताकती रहे। मेरे विचार में भविष्य में यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और राजभवनों तक जनता की सहज पहुंच और बढ़े, क्योंकि मोदी सरकार का संकल्प ही जनता का शासन, जनता के लिए शासन और जनता के बीच रहकर शासन है।

देश में यह पहला अवसर है, जब कोई सरकार हर मोर्चे पर कर्तव्य-पथ, अमृत काल और सेवा जैसे शब्दों को अपने कामकाज की आधारशिला बनाकर काम कर रही है। ऐसे में अब कर्तव्य भवन केवल नाम नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय मनोवृत्ति का निर्माण करने वाला है। यह नाम एक ऐसी भावना को बढ़ाएगा जो नौकरशाही को अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और नैतिक बनाएगी। यह नामकरण भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का महत्वपूर्ण अध्याय है। हम सब जानते हैं कि मोदी सरकार ने पहले भी कई औपनिवेशिक, विदेशी आक्रांताओं के नाम वाले और अप्रासंगिक नामों को बदलकर भारतीयता से जुड़े नाम स्थापित किए हैं। राजपथ को कर्तव्य पथ बनाना और मुगल गार्डन को अमृत उद्यान बनाना इसके बड़े उदाहरण हैं।

विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं। वह सवाल उठा रहे हैं कि यह सब करके सरकार करना क्या चाह रही है? सरकार का इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है, बल्कि सरकार का उद्देश्य तो स्पष्ट है। सरकार भारतीय संस्कृति को उसका खोया हुआ गौरव लौटाने के लिए हर काम करना चाहती है। कुछ लोगों को नाम बदलने का यह अभियान प्रतीकात्मक लग सकता है, मगर अभियान यह भारतीय आत्मा, भारतीय विचार और भारतीय मूल्यों की पुनः स्थापना है।

> पीएमओ, राजभवनों और केंद्रीय सचिवालय के नाम परिवर्तन के साथ ही भारत एक नए दौर में प्रवेश कर गया है, जहां शासन सेवा का प्रतीक बनेगा।

प्रसंगवश

सीरिया में मिलीं तीन हजार बरस पुरानी ऋग्वेद रेखाएं

भारतीय वैदिक संस्कृतियों ने न सिर्फ दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है, बल्कि 'ऋग्वेद' विधाओं के जरिए 'वसुधेव कुटुंबकम्' का नारा भी समूचे संसार में बुलंद हुआ। हाल में पुरातत्व गाथाओं के अध्ययन में एक बात सिद्ध हुई है कि सीरिया में आज से तीन हजार साल पहले भारतीय वैदिक संस्कृति 'ऋग्वेद' की ऋचाएं उकेरी गई थीं। संगीत की धुनों का आगाज तभी से हुआ था। पता ये भी चला है कि सीरियाई सीमाएं अखंड भारत का हिस्सा थीं। ऋग्वेद की ऋचाए वैदिक अध्याय की सबसे पुरानी हैं, जिसके शुरूआती निशान सीरिया से जुड़े पाए जाते हैं, यानी उनका उद्गम वहीं से हुआ। पिछले दिनों इसको लेकर एक संयुक्त शोध हुआ।

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

शोध में सीरियाई शहर 'लाम्चू' के 'उगारित' प्रांत में मिले भजनों के प्राचीन ग्रंथ 'हिम्न टू निकल' में कई समानताएं भारतीय संगीत और परंपराओं में पाई गईं। इससे तय होता है कि हमारी पारंपरिक वैदिक संस्कृति शताब्दियों से समूची दुनिया को भाईचारे, सभ्यता, मानवता, एकजुटता और संगीत का पाठ पढ़ाती-सुनाती आई हैं। ये खोज यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ता व प्रसिद्ध प्रोफेसर डैन सी बासियू द्वारा की गई है। बासियू ने कंप्यूटर टूल्स की सहायता से ग्रंथों के रिद्म और मेलोडी के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करके ये बात जानी। सीरिया के उगारित प्रांत की गुफाओं में पट्टिका पर उकेरे गए भजन में आज भी बाकायदा ऋग्वेद की श्रृंखलाओं की कड़ियां मौजूद हैं। उनका जब उन्होंने मिलान किया, तो आपस में समानताएं मिली।

'मित्तानी साम्राज्य और संगीत यात्रा' के अध्ययन पर भी कई मर्तबा विभिन्न देशों में शोध हुआ, उनमें भी हर दफे ऐसी ही समानताएं मिलीं थीं। भारत और पश्चिमी सभ्यताओं के बीच सदैव सांस्कृतिक पुल रहा। ये बात अलग है कि अब दोनों की सभ्यताएं भिन्न-भिन्न हो गई हैं। पश्चिमी सभ्यता ने मॉर्डन युग को पूरी तरह से अपना लिया है, पर, भारत आधुनिक होते हुए भी, अपनी मूल जड़ों से नहीं कटा, आज भी जुड़ा है। संगीत-सभ्यता की ताकत को कोई कमतर नहीं आंक सकता, क्योंकि संगीत प्राचीन सभ्यताओं को जोड़ने वाली असली वैश्विक भाषा रही है। भले ही, एक इंसान दूसरे इंसान की जुबान न समझ पाए, पर संगीत की धुन एक-दूसरे को आसानी से समझ आती है। संगीत ऋग्वेद की ही देन है और ऋग्वेद भारत की।

'ऋग्वेद' से जुड़ी इस रिसर्च में जो तथ्य निकले हैं, उनको लेकर शोधकर्ता बासियू ने कहा है कि यही धुनें और पैटर्न यूनानी कवयित्री सैफो की कविताओं और जर्मन कवि फ्रेडरिक होल्डरलिन की रचनाओं में भी दिखती हैं। दोनों महान रचनाधर्मियों की कविताओं में 'ऋग्वेद' की झलक है। उन्होंने विश्व से आह्वान किया है कि संगीत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। शोध में ये भी पुष्टि हुई कि विभिन्न देशों के संगीत विधा में भी ऋग्वेद का पैटर्न मिलता है। ये मेल निश्चित रूप से दुर्लभ है, इसलिए कह सकते हैं कि संगीत का जन्म 'ऋग्वेद' से ही हुआ, हालांकि ये बात भारतीय इतिहासकार सदियों से कहते आए हैं कि भजन की धुनें 'ऋग्वेद' से ही फूटी हैं।

ऋग्वेद, जिसका मूल अर्थ है स्तुति का ज्ञान, इसीलिए हिंदू धर्म में इसे चार सबसे पुराने और पवित्र वेदों में गिना गया है। यह संस्कृत श्लोकों का एक संग्रह है, जो देवताओं की स्तुति करता है। सीरिया से इस ग्रंथ की जड़ें जुड़ना बताता है कि भारतीय संस्कृति के तत्व पहले कहां-कहां मौजूद थे।

सोशल फोरम

आस्ट्रेलियाई कवि मारिया रिल्के के नाम एक पत्र

प्रिय रेनर मारिया रिल्के,

दरअस्ल, यह पत्र आपको कल लिखा था, दिसंबर की ठंड से ठिठुरते हुए, दिसंबर की शुरुआत के पहले दिन के उन अंधेरे क्षणों में, जब कुछ ही देर में रोज़ की तरह रात, अपनी पारी पूरी कर जाने की तैयारी कर रही थी। कदाचित, इस दुनिया से आपके जाने का भी यही दिन था। शायद यही समय भी।

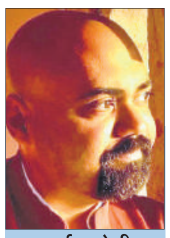

पुनर्वसु जोशी

ब्लॉगर

आपकी और मेरी सदी के बीच एक बड़े अंतर के बावजूद, मैं आपको यह ख़त उसी तरह भेज रहा हूं, जिस तरह कोई याचक अपनी प्रार्थनाओं को हर्फों में निथार कर, अपने इष्ट की मूर्ति के सामने चुपचाप रख आता है। भीतर यह उम्मीद लिए कि इष्ट की पाषाण प्रतिमा भले ही बोलेगी नहीं, पर व्यथा को सुन तो लेगी।

आपने एक बार लिखा था, सब कुछ मनन है और हमें सवालों के साथ तब तक जीना सीख लेना चाहिए, जब तक उनके जवाब, ऋतुओं की तरह ख़ुद-ब-ख़ुद हमारे सामने खुलने न लग जाएं। श्रीमान फ्रान्ज़ को लिखे आपके वे ख़त, एक आत्मीय ईमानदारी के साथ आज भी हमारे साथ मौजूद हैं। एकांत की याद दिलाते हुए, हमें हमारे अपने भीतर जाने का आग्रह करते हुए, लेकिन, कहीं न कहीं, आपके उन खतों को लिखने और मेरे इस जवाब को लिखने के बीच के समय में दुनिया बहुत ज़्यादा बदल गई है, रेनर। अब हवा में एक अजीब तरह की बैचेनी है और दुनिया की धड़कन में एक अजीब तरह की तेज़ी।

आप यह जान कर हैरान होंगे, रेनर! कि आज की इस दुनिया में, बिना अकेलापन महसूस किये एकांत में रहना कितना मुश्किल है। कहने को तो एकांत एक क्लिक से मिल सकता है, लकिन वह सच्चा एकांत, जैसा आप अपनी चिट्ठियों में लिखा करते थे, वह एकांत जो आत्मा को विस्तार देता था, अब पहले से कहीं ज़्यादा दुर्लभ है। अब हम पहले से भी ज़्यादा आसानी से ख़ुद से पलायन करते हैं और पलायन के तरीके हमेशा हमारे मुठ्ठी में ही रहते हैं।

और प्रेम की तो क्या ही कहूं, रेनर। क्या ही कहूं। प्रेम जो आपके लिए एक लम्बा चलने वाला शिष्यत्व था, एक ऐसा अनुभव जहां दो एकांत, एक दूसरे को बचाते हुए, एक दूसरे का अभिवादन करते हुए, एक दूसरे के इर्द-गिर्द रहते हैं, वैसा प्रेम लुप्त हो गया है।

शेष शुभ!

सादर, एक यायावर जो सतत आपके बताए एकांत की खोज में है।

सामयिकी

स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में जीते पहाड़ के गांव

उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो में बसे गांवों का दृश्यमान सौंदर्य किसी चित्र की तरह मन मोह लेता है, परंतु इन पहाड़ियों के भीतर एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जिसे देखना जितना ज़रूरी है उतना ही कष्टकारी भी। यहां के तमाम गांव आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के इंतजार में है। गांव में न अस्पताल हैं न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि स्वास्थ्य सुविधा किसी भी समाज की पहली आवश्यकता होती है।

देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का जीवन ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ प्रतिशत महिलाएं और चालीस प्रतिशत किशोरियां समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करा पातीं। पर्वतीय जिलों के लिए यह प्रतिशत और भी चिंताजनक हो जाता है, जहां दूरी और परिवहन की कमी स्वास्थ्य सेवा को और कठिन बना देती है।

निशा आर्य

एक्टिविस्ट

गांव की युवा पीढ़ी इस स्थिति को गहराई से महसूस करती है, हालांकि यह समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। किसी भी समाज में बुजुर्गों के लिए उपचार सबसे सहज उपलब्ध होना चाहिए, क्योंकि उन्हें सबसे अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। गांवों के कई परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर होते हैं। रोज मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधा की अनुपलब्धता के कारण कई बार लोग घरेलू उपचार पर निर्भर हो जाते हैं, या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं। इससे स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य सुविधा केवल बीमार होने पर दवा तक सीमित नहीं होती, इसमें जागरूकता, रोकथाम, समय पर जांच और उचित सलाह शामिल होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण होता है। कई रिपोर्ट बताती हैं कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच नहीं मिल पाती, जिससे प्रसव संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लगभग पैंतीस प्रतिशत घरों के पास स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में आधे घंटे से अधिक समय लगता है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह दूरी और समय कहीं अधिक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र की उपलब्धता अनिवार्य है।

सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं, जिनका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। परंतु योजनाओं का लाभ तभी मिलता है, जब वे सही ढंग से लागू हों। कागजों में दर्ज योजनाएं गांव के जीवन में बदलाव तब ही लाती हैं, जब वे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतरती हैं। अब समय आ गया है कि प्रशासन इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझें और स्वास्थ्य सुविधा को प्राथमिकता दे। यह किसी प्रदर्शन की मांग नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। हर व्यक्ति को उपचार पाने का वही अधिकार होना चाहिए जो शहरों में रहने वालों को मिलता है।

गांव हमारे देश की वह तस्वीर हैं. जो अक्सर नजरों से दूर रह जाती है। प्रकृति भले ही खूबसूरत हो पर जीवन केवल सुंदर दृश्यों से नहीं चलता। जीवन चलता है सुविधा के साथ, सुरक्षा के साथ और इस विश्वास के साथ की बीमारी की स्थिति में इलाज पास ही उपलब्ध है। पहाड़ के गांवों का यह दर्द तभी कम होगा जब स्वास्थ्य सुविधा गांव तक पहुंचेगी और उनका जीवन सुरक्षित और संतुलित बन सकेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

टाइम ट्रैवल
विज्ञान, अंतरिक्ष और समय का संगम

समय मानव जीवन की सबसे रहस्यमय अवधारणा है। यह वह आयाम है, जो हर क्षण हमारे अस्तित्व को आगे बढ़ाता है, परंतु जिसे हम रोक नहीं सकते। सभ्यता की शुरुआत से ही मनुष्य यह समझने की कोशिश करता आया है कि क्या समय की गति को नियंत्रित किया जा सकता है, क्या अतीत या भविष्य में यात्रा संभव है? समय यात्रा या टाइम ट्रैवल का विचार इसी जिज्ञासा से जन्मा और आज यह कल्पना से निकलकर वैज्ञानिक शोध का गंभीर विषय बन चुका है। हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने समय और अंतरिक्ष को समझने के लिए कई नई खोजें की हैं। ऑस्ट्रिया की एकेडमी ऑफ साइंसेज और वियना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने क्वांटम स्विच प्रयोग में एक फोटॉन को उसकी प्रारंभिक अवस्था में लौटाने में सफलता पाई। यह मानवीय स्तर की समय यात्रा तो नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि सूक्ष्म कणों की दुनिया में समय की दिशा बदली जा सकती है। इसी तरह, एटम इंटरफेरोमीटर का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक गुरुत्वाकर्षण के कारण होने वाले सूक्ष्म समय विस्तार को मापने की नई विधि विकसित कर रहे हैं। यह प्रयोग भविष्य में ऐसी घड़ियां बनाने का आधार बन सकता है, जो ब्रह्मांडीय स्तर पर भी समय की सटीकता को माप सकें।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

कारण और परिणाम का संतुलन

इसी साल 2025 में एक नए सिद्धांत में कोनिकल सिंगुलैरिटी वाले ब्रह्मांड की परिकल्पना की गई है, जिसमें समय एक चक्र के रूप में घूम सकता है। इस मॉडल के अनुसार यदि ब्रह्मांड की संरचना किसी स्थान पर कोन के आकार में मुड़ी हुई हो, तो वहां समय अपने आप पर लौट सकता है यानी अतीत और भविष्य आपस में जुड़ सकते हैं। एक अन्य अध्ययन ने ग्रैंडफादर पैराडॉक्स जैसी दार्शनिक उलझनों का वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि कोई प्रणाली समय चक्र से गुजरे, तो उसकी ऊर्जा और स्मृति स्वतः रीसेट हो जाती है। इस प्रकार, कारण और परिणाम का संतुलन बना रहता है और कोई विरोधाभास उत्पन्न नहीं होता। यह विचार क्वांटम संगति सिद्धांत से जुड़ा हुआ है। इसी बीच कॉस्मिक स्ट्रिंग की संरचनाओं पर भी अध्ययन चल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि ऐसी अत्यंत घनी और पतली स्ट्रिंग्स ब्रह्मांड में मौजूद हों, तो वे अंतरिक्ष-काल को इस प्रकार मोड़ सकती हैं कि बंद काल वक्र बन जाए। इससे समय एक लूप में बदल सकता है, जिससे समय यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव हो जाती है।

अतीत में लौटना अभी भी रहस्य

बीसवीं सदी की शुरुआत में अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत ने समय और अंतरिक्ष की हमारी समझ को पूरी तरह बदल दिया था। इससे पहले इन्हें दो अलग-अलग इकाइयां माना जाता था, परंतु आइंस्टीन ने बताया कि ये दोनों मिलकर अंतरिक्ष-काल (स्पेस-टाइम) नामक एक चार आयामी संरचना बनाते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब कोई वस्तु बहुत तेज गति से चलती है, तो उसके लिए समय धीमा हो जाता है। यही समय विस्तार (टाइम डाइलेशन) है, जो समय यात्रा की वैज्ञानिक नींव रखता है। यह विचार केवल सैद्धांतिक नहीं है। प्रयोगों में पाया गया है कि पृथ्वी के चारों ओर उपग्रहों में लगे परमाणु घड़ियों का समय जमीन की घड़ियों से थोड़ा धीमा चलता है। यह अंतर बहुत सूक्ष्म होता है, पर सटीक गणनाओं से इसकी पुष्टि हुई है। इसका अर्थ यह है कि जो वस्तु तेजी से चल रही है, उसके लिए समय की गति सचमुच बदल जाती है। ब्लैक होल के पास यह प्रभाव और अधिक स्पष्ट होता है। वहां गुरुत्वाकर्षण इतना प्रबल होता है कि समय लगभग थम जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि कोई व्यक्ति ब्लैक होल के निकट कुछ मिनट बिताए और फिर पृथ्वी पर लौटे, तो यहां सैकड़ों वर्ष बीत चुके होंगे। इस प्रकार भविष्य की यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव है। परंतु अतीत में लौटना अब भी रहस्य है, क्योंकि भौतिकी के अधिकांश नियम समय की दिशा को उलटने की अनुमति नहीं देते। सापेक्षता सिद्धांत से ही वर्महोल की कल्पना उत्पन्न हुई, एक काल्पनिक सुरंग जो ब्रह्मांड के दो दूरस्थ बिंदुओं को जोड़ सकती है। यदि वर्महोल के दोनों सिरों पर समय की गति अलग-अलग हो, तो यह सैद्धांतिक रूप से समय में आगे पीछे जाने का मार्ग बन सकता है। हालांकि अब तक इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला है, पर वैज्ञानिक इसे गणितीय समीकरणों के माध्यम से संभव मानते हैं।

मानव पर गहरा प्रभाव

खगोलशास्त्रियों ने दूरस्थ क्वासरों के अध्ययन से यह भी पाया है कि अत्यधिक दूर स्थित ब्रह्मांडीय पिंडों की गतिविधियों में समय का प्रवाह अपेक्षा से धीमा दिखाई देता है। यह कॉस्मिक टाइम डाइलेशन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यानी जैसे-जैसे ब्रह्मांड फैल रहा है, समय स्वयं भी फैल रहा है। क्वांटम स्तर पर भी समय को लेकर नई समझ विकसित हो रही है। वैज्ञानिकों का मत है कि समय और स्थान संभवतः ब्रह्मांड के मूल तत्व नहीं, बल्कि किसी गहरे क्वांटम ढांचे से उत्पन्न गुण हैं। यदि यह सत्य है, तो समय की दिशा और प्रवाह केवल हमारी चेतना का अनुभव हो सकता है, वास्तविक नहीं। समय यात्रा का विषय दार्शनिक दृष्टि से भी उतना ही रोचक है। यदि कोई व्यक्ति अतीत में जाकर कुछ बदल दे, तो क्या वर्तमान बदल जाएगा? यह प्रश्न मानव स्वतंत्र इच्छा और नियति दोनों पर गहरा प्रभाव डालता है। स्थिर ब्रह्मांड सिद्धांत के अनुसार अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों समान रूप से अस्तित्व में हैं, हम केवल एक बिंदु से दूसरे की ओर बढ़ते हैं। इस दृष्टिकोण में समय यात्रा केवल धारणा का विस्तार है, वास्तविक गमन नहीं। विज्ञान कथाओं में यह विषय हमेशा से लोकप्रिय रहा है। एचजी वेल्स की द टाइम मशीन से लेकर इंटरस्टेलर और टेनेट जैसी फिल्मों तक, समय यात्रा ने लोगों को न केवल मनोरंजन दिया है, बल्कि विज्ञान के प्रति जिज्ञासा भी जगाई है। इंटरस्टेलर में दिखाया गया ब्लैक होल का समय विस्तार वास्तविक आइंस्टीनियन गणनाओं पर आधारित था और वैज्ञानिक रूप से सही भी माना गया। इन सभी प्रयोगों और सिद्धांतों से यह स्पष्ट है कि समय केवल एक बहती हुई नदी नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की संरचना का सक्रिय तत्व है। हम अभी उसकी सतह को ही समझ पाए हैं, पर जैसे-जैसे तकनीक और सिद्धांत आगे बढ़ रहे हैं, भविष्य में समय को समझने और नियंत्रित करने की संभावना वास्तविक होती जा रही है। कुल मिलाकर समय यात्रा अब केवल कल्पना की सीमा में सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक भौतिकी की गंभीर खोज बन चुकी है। चाहे यह कभी व्यावहारिक रूप ले या नहीं, यह मानवता को यह विश्वास अवश्य दिलाती है कि ब्रह्मांड में असंभव कुछ नहीं है।

जब विज्ञान ने दिमाग को काबू करने की कोशिश की

रोचक किस्सा

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो (1915-2011) को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। हम मजाक नहीं कर रहे हैं: 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यावहारिक रूप से, उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे, एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

जंगल की दुनिया

गोल्डन लंगूर: असम-भूटान की सीमा का सुनहरा रत्न

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य असम और पड़ोसी देश भूटान की सीमा पर बसे घने, शांत और जैव–विविधता से समृद्ध जंगलों में एक अनोखा जीव पाया जाता है-गोल्डन लंगूर। अपनी चमकीली सुनहरी फर और सौम्य व्यवहार के कारण यह बंदर दुनिया की सबसे रहस्यमयी और मनमोहक प्रजातियों में गिना जाता है। हैरानी की बात यह है कि इतना सुंदर और दुर्लभ जीव वैज्ञानिकों की नजर में पहली बार 1950 में आया। उससे पहले तक स्थानीय लोग इसके बारे में जानते तो थे, लेकिन आधुनिक विज्ञान को इसकी उपस्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। गोल्डन लंगूर अपनी लंबी रेशमी पूंछ, नरम सुनहरी से लेकर क्रीम रंग तक फैली फर और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरे की वजह से तुरंत ध्यान आकर्षित करता है। ये आमतौर पर 40 से 50 कीड़ों, फलों, पत्तियों और फूलों पर निर्भर रहते हैं। इनका अधिकांश जीवन ऊंचे-ऊंचे पेड़ों पर बीतता है, जहां ये छोटे समूहों में रहते हुए शांतिपूर्वक भोजन और आश्रय खोजते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये 'एंडेमिक' प्रजाति हैं, यानी दुनिया में केवल एक सीमित क्षेत्र असम के पश्चिमी हिस्से और भूटान के दक्षिणी इलाकों में ही पाए जाते हैं। यही सीमित आवास इन्हें और भी संवेदनशील बनाता है। जंगलों का कटाव, मानव बस्तियों का फैलाव, सड़क निर्माण और कृषि गतिविधियों के कारण इनका प्राकृतिक घर लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसी वजह से गोल्डन लंगूर आज संकटग्रस्त श्रेणी में शामिल है और इनका संरक्षण बेहद आवश्यक हो गया है। सरकारों, स्थानीय समुदायों और संरक्षण संगठनों द्वारा इनके आवास को बचाने, जागरूकता बढ़ाने और वैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। गोल्डन लंगूर न केवल प्राकृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि पृथ्वी पर मौजूद हर प्रजाति कितनी कीमती है और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। - फीचर डेस्क

तीन हजार तारों का भरापूरा परिवार सप्तऋषि तारामंडल

जानकारी

अंतरिक्ष के तारामंडलों में सर्वाधिक लोकप्रिय सप्तऋषि तारामंडल का अस्तित्व 12.7 करोड़ साल पुराना है। सप्तऋषि तारामंडल तीन हजार तारों का भरा पूरा परिवार है। अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों के नए शोध में इसका खुलासा हुआ है। सप्तऋषि तारामंडल को प्लीएड्स (सेवन सिस्टर्स) भी कहा जाता है। यह तारा मंडल हिंदू पुराणों में खास स्थान रखता है, तो दुनिया में इससे अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा तारामंडल नहीं है। सप्तऋषि में सात तारों को बखूबी नग्न आंखों से देखा जा सकता है। इसके किस्से और चर्चे दुनियाभर में सदियों से मशहूर हैं। मगर नई खोज ने इस तारामंडल की गहराई में झांकने का प्रयास किया और नई जानकारियां सार्वजनिक की हैं।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

पूर्व में इस मंडल में माना जाता था कि सप्तऋषि में सात तारों के साथ एक हजार तारों का विशाल समूह है, मगर नई खोज के अनुसार इस तारा मंडल में तीन हजार तारे शामिल हैं, जो एक ही समय में और एक ही गैस के बादलों से इनका निर्माण हुआ है। यह दो हजार प्रकाशवर्ष के दायरे में फैले हुए हैं। तारों की इस अजूबी दुनिया को दूरबीन से बखूबी देखा जा सकता है। अब यह तारे एक दूसरे से बहुत दूर-दूर बिखर चुके हैं।

खोजकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि स्वच्छंद तारा समूह एक स्थान में स्थायी नहीं होते हैं। सप्तऋषि मंडल में कुछ मिलियन सालों में आकाश गंगा के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव और पास के बादलों से टक्कर के कारण तारे धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रहे हैं। यानी बिखरने लगे हैं। अगले कुछ लाखों साल बाद इसके सातों चमकीले खूबसूरत तारे अलग-अलग दिशाओं में चले जाएंगे।

सप्तऋषि मंडल का धार्मिक आध्यात्मिक व वैदिक महत्व

हिंदू धर्म और ज्योतिषशास्त्र में सप्तऋषि तारा मंडल का बहुत ऊंचा धार्मिक, आध्यात्मिक और वैदिक महत्व है और पवित्र माना जाता है। सप्तऋषि तारा मंडल को सात महान ऋषियों का आकाशीय रूप माना जाता है, जिनमें कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि व भारद्वाज शामिल हैं। ये सात ऋषि वेदों के द्रष्टा हैं और ब्रह्मज्ञान के संरक्षक माने जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के तारों के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि सप्तऋषि तारामंडल खगोल वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र है। समय-समय पर वैज्ञानिक इस पर अध्ययन करते आ रहे हैं। नया अध्ययन बेहद दिलचस्प है। इस तारामंडल की भविष्य में और कई जानकारियां निकलकर सामने आएंगी।

बिजनेस ब्रीफ

नोकिया ने एयरटेल से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। प्रमुख दूरसंचार कंपनी नोकिया ने तीसरे पक्ष के डेवलपरों को नेटवर्क क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी से नए प्रौद्योगिकी समाधान तैयार होंगे और मौद्रीकरण के नए अवसर पैदा होंगे। नोकिया ने कहा कि सफल परीक्षणों के बाद वह अपने 'नेटवर्क ऐज कोड' मंच के जरिये एयरटेल के नेटवर्क एपीआई को डेवलपरों, सिस्टम इंटीग्रेटर और विभिन्न उद्यमों के लिए ग्राहकी मॉडल पर उपलब्ध कराएगी। नेटवर्क एपीआई का मतलब ऐसे सॉफ्टवेयर इंटरफेस है जिनकी मदद से बाहरी डेवलपर किसी दूरसंचार नेटवर्क की लोकेशन सेवाएं, सुरक्षा, 5जी नेटवर्क क्षमता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी क्षमताओं को अपने ऐप, मंच या उद्यम समाधान में जोड़ सकते हैं। एयरटेल बिजनेस के सीईओ शरत सिन्हा ने इसकी जानकारी दी।

एल्केम लैब्स को 27.14 लाख का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी एल्केम लैबोरेटरीज को उत्तराखंड जीएसटी विभाग से 27.14 लाख के जीएसटी की मांग को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कि उसे 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए देहरादून सेंट्रल जीएसटी डिवीजन से एक आदेश मिला है, जिसमें 27,79,266 रुपये के जुर्माने के साथ 27,14,603 रुपये के जीएसटी की मांग की गई है। अधिकारियों ने केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) / केंद्रीय माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी)/ एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) अधिनियम, 2017 के लागू प्रावधानों के तहत लागू ब्याज की भी मांग की है।

सुजलॉन तीन पवन चक्की करेगी स्थापित

पुडुचेरी। वीकरणीय ऊर्जा कंपनी सुजलॉन ग्रुप अपने ऑर्डर बुक के निष्पादन को तेज करने और घरेलू पवन उद्योग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तीन कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित पवन चक्की कारखानों की स्थापना करने की योजना बना रही है। कंपनी के सह-संस्थापक गिरीश तांती ने यह जानकारी दी। योजना के तहत गुजरात और कर्नाटक में दो पवन चक्की स्थापित की जाएंगी, जबकि तीसरी की जगह तय की जा रही है। सुजलॉन के पास जैसलमेर, भुज, रतलाम, धुले और अनंतपुर में पांच पवन चक्की कारखाने हैं।

भारत-रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री गोयल बोले- द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब डॉलर तक पहुंचा

- दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य किया निर्धारित

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा इसे और अधिक संतुलित बनाने की दिशा में काम करने के व्यापक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता वस्तुएं, खाद्य उत्पाद, मोटर वाहन, ट्रैक्टर, भारी वाणिज्यिक वाहन, स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक, औद्योगिक कल-पुर्जे और वस्त्र भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की क्षमता रखने वाले में क्षेत्रों में शामिल हैं।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में कहा द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच रहा है, लेकिन हम आराम से नहीं बैठ सकते, हमें आगे बढ़ना होगा और संतुलन बनाना होगा। भारत का रूस को निर्यात 2024-25 में 4.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जबकि आयात 63.8 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा करीब 59 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत सेवा क्षेत्र में भी रूस को बड़ी पेशकश कर सकता है।

भारत-रूस व्यापार मंच के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मक्सिम ओरेश्किन और फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका।

रूसी संघ के राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मैक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि रूस के आयात में भारत की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है और इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। ओरेश्किन ने कहा कि अधिक संतुलित व्यापार के लिए इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत छह प्रमुख क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ा सकता है जिनमें कृषि, औषधि, दूरसंचार उपकरण, औद्योगिक कल-पुर्जे एवं मानव संसाधन शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भारतीय व्यवसाय रूस को निर्यात बढ़ा सकें।

भारत-कनाडा ने व्यापार पर बातचीत की रूपरेखा और तौर-तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने एक्स पर लिखा, कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री सिद्धू के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने सीईपीए वार्ता शुरू करने की तैयारियों के तहत समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, व्यापक उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर शुरुआती और व्यापक चर्चा की। उन्होंने अगले साल कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमति जतायी। उल्लेखनीय है कि 2023 में, कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। उसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई थी। उसके बाद कनाडा ने भारत के साथ समझौते पर बातचीत रोक दी थी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं।

स्बरबैंक भारत में करेगा 10 करोड़ डॉलर का निवेश

- 10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए आरबीआई से मांगा लाइसेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के सबसे बड़े बैंक स्बरबैंक ने गुरुवार को कहा कि वह भारत में अपने कारोबार का धीरे-धीरे विस्तार करने की योजना बना रहा है और तीन वर्ष में यहां 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा।

स्बरबैंक के सीईओ एवं चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने कहा कि हमारे पास यहां पूर्ण बैंकिंग लाइसेंस है। हम बी2बी कारोबार को बढ़ाएंगे और बी2सी (व्यवसाय से उपभोक्ता) खंड में प्रवेश करेंगे। 2010 में अपना परिचालन शुरू करने वाले इस बैंक ने आरबीआई से 10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए लाइसेंस मांगा है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के केंद्रीय बैंक से कार्यालय खोलने के लिए 10 शाखा लाइसेंस देने का अनुरोध किया है। वर्तमान में इसकी दो शाखाएं हैं। बेंगलुरु में एक आईटी इकाई है जो आंतरिक डेटा प्रसंस्करण केंद्र के रूप में कार्य करती है।

स्बरबैंक, जेएससी फर्स्ट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' किया पेश

रूसी बैंक स्बरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' पेश किया है जो निफ्टी 50 सूचकांक के प्रदर्शन से जुड़े निवेश की पेशकश करता है। इससे रूसी खुदरा निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में सीधे निवेश का मौका मिलेगा। शेयर बाजार ने गुरुवार को कहा कि इस फंड की पेशकश की घोषणा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) में आयोजित कार्यक्रम में स्बरबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने अपनी भारत की व्यावसायिक यात्रा के दौरान की।

फिच ने भारत की वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर किया 7.4%

- उपभोक्ता खर्च में वृद्धि व जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी

साख निर्धारित करने वाली एजेंसी फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया। मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है।

फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दरों में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत पर लाने गुंजाइश देती है। आरबीआई इस साल अब तक मुख्य नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। उसने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी ने दिसंबर के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के अंत तक) की शेष अवधि में वृद्धि धीमी रहेगी, लेकिन हमने पूरे वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान को सितंबर के 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। इस वर्ष वृद्धि को मुख्य रूप से निजी उपभोक्ता खर्च गति दे रहा है। इसका कारण मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता, उपभोक्ता धारणा में सुधार और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का प्रभाव है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत लगभग 375 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई है। इससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। जीएसटी में संशोधित दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं।

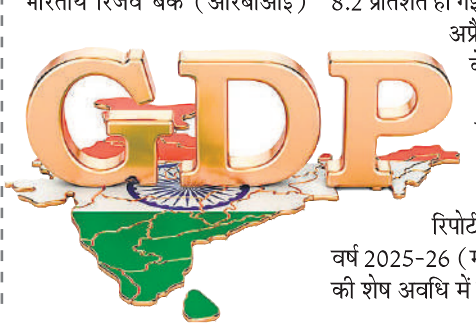

2026-27 में जीडीपी वृद्धि धीमी होकर रहेगी 6.4%

फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर धीमी होकर 6.4 प्रतिशत रहेगी। इसने अनुमान लगाया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष (2026-27) की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आएगी। खाने-पीने की चीजों की कम कीमतों के कारण अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दर में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत करने की गुंजाइश देगी...। आरबीआई शुक्रवार को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। फिच के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति में सुधार और गतिविधियों के मजबूत बने रहने के अनुमान के साथ आरबीआई नीतिगत दर में कटौती के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है और अगले दो साल तक नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

मौद्रिक नीति के फैसलों की आज घोषणा

- रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद, गवर्नर मल्होत्रा एमपीसी की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णयों की करेंगे घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में लिए गए निर्णयों की घोषणा करेगा। विशेषज्ञों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद जताई है। आरबीआई की ओर से गुरुवार को जारी बयान के मुताबिक, गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करेंगे। अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर एमपीसी की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी।

यह बैठक घटती मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तेज वृद्धि, डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार जाने और मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों की पृष्ठभूमि में हो रही है। खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के बीच आरबीआई ने फरवरी से रेपो दर में तीन किस्तों में कुल एक प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि पिछली दो बार से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट ने प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर में कटौती की अतिरिक्त गुंजाइश पैदा कर दी है।

आरबीआई गवर्नर ने भी पिछले महीने कहा था कि नीतिगत ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश है। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि मौजूदा रेपो दर एक साल पहले की 6.5 प्रतिशत दर से काफी नीचे है।

अक्टूबर में मुद्रास्फीति एक दशक के अपने सबसे निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर रही और थोक मूल्यों में 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दिए जाने वाले लगभग 70 प्रतिशत ऋण सीधे रेपो दर से जुड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि नीतिगत माहौल में सुधार के बावजूद, ऋण का अंतर अब भी व्यापक है और कार्यान्वयन स्तर पर वित्त तक पहुंच अब भी कठिन है। इस स्थिति को देखते हुए, ब्याज दर में 0.25 से 0.50 प्रतिशत की और कटौती करके उन्हें 5.25 प्रतिशत पर लाना उचित एवं आवश्यक है।

राष्ट्रीय

उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक

- बोलीं- जीएसटी की व्यवस्था पर विधेयक का नहीं पड़ेगा कोई असर
- पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी रहेगा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने सदन में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगा।

सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य दो प्रमुख आयामों स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संसाधनों का स्रोत तैयार करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरत होती है कि सतत निवेश हो। यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं लगाया जाएगा। यह सिर्फ ऐसी हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा, जो स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालती हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस उपकर को लगाने से पान मसाला का दाम बढ़ेगा तो इन्हें खाने में रुकावट पैदा होगी। इससे जो राजस्व मिलेगा उसमें से एक हिस्सा राज्यों को भी देने का प्रावधान किया गया है ताकि वे स्वास्य संबंधी योजनाओं में इसका उपयोग कर सकें।

लोकसभा में विधेयक पर चर्चा करतीं निर्मला सीतारमण

राजस्व हानि की भरपाई के लिए था क्षतिपूर्ति उपकर

एक जुलाई 2017 को जीएसटी की शुरूआत हुई थी तो जीएसटी कार्यान्वयन के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 30 जून 2022 तक पांच वर्षों के लिए क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था लागू की गई थी। क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था को बाद में 31 मार्च 2026 तक चार साल के लिए बढ़ा दिया गया था और इसके संग्रह का उपयोग उस ऋण को चुकाने के लिए किया जा रहा है जो केंद्र ने राज्यों को कोविड महामारी की अवधि के दौरान जीएसटी राजस्व हानि की भरपाई के लिए लिया था।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस उपचार के 20% अनुरोध खारिज

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के कैशलेस उपचार की योजना के तहत किए 6,833 अनुरोधों में से अब तक सिर्फ 5,480 पीड़ित ही पात्र मिले हैं, और बाकी 1,353 मामले (20 प्रतिशत) पुलिस ने खारिज किए हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि मोटर वाहन दुर्घटना कोष के तहत कुल 73,88,848 रुपये की धनराशि दी गई है। गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के 'कैशलेस' उपचार की योजना, 2025 के तहत, हर दुर्घटना के मामले में पीड़ित का 1.5 लाख रुपये तक का 'कैशलेस' उपचार किया जाएगा।

विधेयक का उद्देश्य स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए संसाधन जुटाना

उन्होंने कहा कि पान मसाला को लेकर जीएसटी की जो व्यवस्था है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। जीएसटी के तहत पान मसाला के उपभोग पर सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत कर भी लगाया जा रहा है। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है।

नीट परीक्षा ने शिक्षा का व्यावसायीकरण किया : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने देश में कोचिंग प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सरकार से मांग की कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट की समीक्षा की जाए। टैगोर ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) ने मेरिट को बढ़ावा नहीं, बल्कि निजी कोचिंग संस्थानों को मजबूत करके व स्कूलों को कमजोर कर शिक्षा का व्यावसायीकरण किया है।

टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता में हस्तक्षेप करे सरकार

देश के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पहले से कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता संबंधी अदालती आदेश का हवाला देते हुए गुरुवार को कुछ सांसदों ने सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया। शिवसेना के धैर्यशील माने ने लोकसभा में कहा कि पहले से सेवारत प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्य करने की वजह से उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है।

जल जीवन मिशन संबंधी शिकायतों पर होगी कार्रवाई : पाटिल

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफ से जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। पाटिल ने बताया कि 'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में पानी पहुंचा दिया गया है तथा चार करोड़ और घरों में पानी पहुंचाने का काम जारी है। इस बार भी योजना के लिए 67 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की मांग

विपक्ष के कई सांसदों ने गुरुवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाई जाए क्योंकि अब भी बहुत सारी संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग के बाद डिजिटल सूची बनाने के लिए छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' पोर्टल के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, टीएमसी की सजदा अहमद ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- अमेरिका के पास सुरक्षा आधार पर निर्णय लेने का अधिकार

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है और अमेरिका के पास उसके राष्ट्रीय सुरक्षा आकलन के आधार पर वीजा देने या नहीं देने का निर्णय लेने का अधिकार है। उच्च सदन में पूरक प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में, ताजा घोषणा बुधवार को, वीजा निर्णयों को पूरी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा फैसला घोषित किया है।

जयशंकर ने यह बात ऐसे समय पर कही है जब इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि अमेरिका ने वीजा 'स्क्रीनिंग' प्रणाली को और कड़ा कर दिया है और अब वह आवेदकों के सोशल मीडिया खातों की विस्तृत जांच भी करेगा, जिसका असर भारतीय आवेदकों पर भी पड़ने का अनुमान है। जयशंकर ने कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है। अमेरिका के मामले में, उनका यह स्पष्ट मत है और ताजा घोषणा कल की है कि हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय है। इसलिए वे किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित स्थिति का आकलन कर वीजा पर निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार ने कहा है कि छात्र वीजा मामलों में वे सभी आवेदकों से सोशल मीडिया खातों की गोपनीयता सेटिंग को सार्वजनिक करने को कहेंगे ताकि वे सोशल मीडिया पोस्ट की पूरी तरह जांच कर सकें।

न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं : मेघवाल

सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भाजपा के संजय सेठ द्वारा पूछे गये प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। सेठ ने सरकार को ध्यान दिलाया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों से देश में नागरिकों की औसत आयु सीमा बढ़ गयी है। अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आजीवन सेवा देते हैं, जबकि ब्रिटेन, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में इनकी आयु 70 वर्ष है। भारत में जिला अदालतों में न्यायाधीशों की आयु सीमा 60 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और उच्चतम न्यायालय में 65 वर्ष है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए क्या वह न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके जवाब में मेघवाल ने कहा कि अभी कोई ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए बनाएं राष्ट्रीय कानून

राज्यसभा सदस्य फौजिया खान ने गुरुवार को डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने की मांग की। राकांपा (एसपी) की नेता खान ने कहा कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी जीवनरक्षक होते हैं और लोग उन पर ईश्वर के बाद सर्वाधिक भरोसा करते हैं। लेकिन आज यही डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी धमकाए जा रहे हैं, उन पर हमले हो रहे हैं, उन्हें गालियां दी जा रही हैं और भीड़ द्वारा घेरा भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि समस्या का स्तर इतना बड़ा है कि उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

देवी-देवताओं पर रेवंत की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। देवी-देवताओं पर दिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बयान को लेकर भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और मांग की कि राहुल गांधी इस मामले पर चुप्पी तोड़ें और साफ करें कि क्या वह जिहाद के साथ खड़े दिखना चाहते हैं।

कांग्रेस की बैठक में रेड्डी ने कहा था कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है। यह बात उन्होंने हिंदू धर्म से तुलना करते हुए की और कहा कि भक्त कई भगवानों की पूजा करते हैं। हिंदुओं के कितने भगवान हैं? तीन करोड़? जिनकी शादी नहीं हुई है उनके लिए हनुमान हैं। जिनकी दो बार शादी हुई है उनके लिए एक और भगवान हैं। इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रेड्डी के बयान को सनातन विरोधी बताया।

लंबित तेजाब हमले के मामलों का ब्योरा दें हाईकोर्ट

- सूप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह का समय देते हुए 16 वर्षों से लंबित मामले को बताया शर्मनाक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वे देश भर में तेजाब हमले के मामलों से संबंधित लंबित मुकदमों का ब्योरा चार सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। न्यायालय ने दिल्ली की अदालत में तेजाब हमले का एक मामला 16 वर्षों से लंबित रहने को शर्मनाक करार दिया।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका पर केंद्र और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने मलिक के मुकदमे में लंबे समय से हो रही देरी को राष्ट्रीय स्तर पर शर्म की बात कहा। यह मुकदमा रोहिणी की अदालत में 2009 से लंबित है। पीठ ने कहा कि यह न्याय व्यवस्था का कैसा मजाक है। यह बहुत शर्मनाक है। अगर देश की राजधानी में ऐसे मामलों से निपटा नहीं जा सकता तो कौन इससे निपटेगा? सीजेआई ने मलिक से कहा कि वह याचिका में ही आवेदन दायर कर बताएं कि मामला अभी तक समाप्त क्यों नहीं हुआ है।

सेना पर टिप्पणियों के मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने पर लगी रोक बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर की आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा चलाने पर लगी रोक की अवधि अगले साल 22 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने गुरुवार को गांधी की अपील स्वीकार कर ली और कहा कि वह मामले की विस्तार से सुनवाई करेगी। राहुल गांधी ने निचली अदालत के समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया था लेकिन उच्च न्यायालय ने 29 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद गांधी ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, नुकसान नहीं

ढाका। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस महसूस किए गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप में जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए।

खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन ले जाने की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका परिवार उन्हें इलाज के लिए लंदन ले जाने की तैयारी कर रहा है। लंदन में जिया के बेटे एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान रहते हैं। खालिदा जिया (80) को हृदय और फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिन बाद, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में भर्ती किया गया।

अमेरिका: गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर ढेर

ओमाहा। ओमाहा में एक गैस स्टेशन पर हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जबकि संदिग्ध हमलावर मारा गया। पुलिस प्रमुख टॉड श्माडरर ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी, जिसने दोपहर के समय किराने की दुकान पर पहले 61 वर्षीय व्यक्ति के सीने पर कई गोलियां मारी थीं। अधिकारियों ने घटनास्थल से संदिग्ध की कार की लाइसेंस प्लेट नंबर हासिल की और उसकी कार का पीछा करते हुए गैस स्टेशन तक पहुंचे।

रूस: आतंकवाद के समर्थन के आरोप में रोब्लॉक्स पर प्रतिबंध

मॉस्को। रूस ने लोकप्रिय गेमिंग प्लेटफॉर्म 'रोब्लॉक्स' पर आतंकवाद के समर्थन और बच्चों को एलजीबीटी-संबंधित कंटेंट परोसने के आरोप में प्रतिबंध लगा दिया है। रूसी मीडिया के अनुसार रोब्लॉक्स हिंसक अपराधों के आह्वानों में भी शामिल रहा है। बयान में कहा गया कि यह गेमिंग प्लेटफॉर्म ऐसे असभ्य कंटेंट से भर गया था जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

मोजाम्बिक में विस्थापितों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- हिंसा के कारण 1,20,000 लाख विस्थापित झेल रहे हैं समस्याएं

संयुक्त राष्ट्र ने उत्तरी मोजाम्बिक प्रांत में हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित किए हैं। नामपुला प्रांत में 1,20,000 लोग विस्थापित हुए हैं जिनके लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से बुधवार को सहायता जारी की गई।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि मंगलवार तक लगभग एक लाख लोग मध्य नवंबर में प्रांत में हिंसा फैलने के बाद से अपने घरों से पलायन कर चुके हैं। ओसीएचए ने कहा, विस्थापित लोगों में से दो तिहाई से अधिक बच्चे हैं जो अब भीड़भाड़ वाले स्कूलों, अस्थायी संरचनाओं, खुले स्थानों या पहले से ही कमजोर मेजबान परिवारों में आश्रय ले रहे हैं। आश्रय के अलावा उनके पास सुरक्षित जल, संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सेवाओं तक भी सीमित पहुंच है जबकि कुछ क्षेत्रों में हैजा फैल रहा है। कार्यालय ने कहा कि महत्वपूर्ण सहायता का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है और सीईआरएफ की धनराशि से एराटी और मेम्बा जिलों में लोगों के लिए जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सहायता, बुनियादी घरेलू सामान, साथ ही आश्रय, सुरक्षा और आजीविका सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी।

भारत-रूस संबंध

जवाहरलाल नेहरू से नरेंद्र मोदी तक

भारत की आजादी के वक्त से ही रूस के साथ उसके संबंध गहरे और बहुआयामी रहे हैं। पिछले करीब सात दशक तक इन संबंधों का आधार आपसी विश्वास के साथ रणनीतिक सहयोग भी रहा है। रूस के साथ भारत के आधिकारिक राजनयिक संबंध स्वतंत्रता से ठीक पहले 13 अप्रैल 1947 को स्थापित किए गए थे। शीत युद्ध के दौरान भारत की गुटनिरपेक्ष नीति के बावजूद सोवियत संघ भारत का मजबूत सहयोगी बना। इस साझेदारी ने रक्षा, भिलाई स्टील प्लांट जैसे भारी उद्योग और अंतरिक्ष सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अगस्त 1971 में हस्ताक्षरित 'शांति, मैत्री और सहयोग की संधि' इन संबंधों में एक मील का पत्थर थी। सोवियत संघ के विघटन के बाद भी यह रिश्ता बना रहा। अक्टूबर 2000 में 'भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी पर घोषणा' पर हस्ताक्षर किए गए, और 2010 में इसे 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया गया।

जब-जब सच्चा दोस्त साबित हुआ रूस

- 1971 के युद्ध के दौरान जब अमेरिका और चीन पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे, तब सोवियत संघ ने भारत को महत्वपूर्ण राजनयिक और सैन्य सहायता प्रदान की।
- रूस और सोवियत संघ ने कश्मीर मुद्दे और अन्य राजनीतिक मामलों पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए कई बार संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया।
- भारत के पहले उपग्रह 'आर्यभट्ट' का 1975 में सोवियत रॉकेट से प्रक्षेपण, बाद में ब्रह्मोस मिसाइल जैसी संयुक्त परियोजनाओं ने गहरे तकनीकी सहयोग को दर्शाया।
- भारत की ओर से 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर पश्चिमी देशों की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी रूस ने भारत के साथ अपने संबंध पूर्ववत बनाए रखे।

संबंधों का वर्तमान महत्व

- भारत अमेरिका के साथ संबंध बढ़ाना चाहता है लेकिन रूस उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का आधार हैं।
- भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए अभी भी बड़े पैमाने पर रूसी उपकरणों और स्पेयर पार्ट्स पर निर्भर है।
- यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने रूस से तेल आयात जारी रखा जो उसकी ऊर्जा सुरक्षा में मददगार रहा।
- दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, एससीओ और ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग करते हैं।

रूस और पश्चिमी देश

- रूस के साथ संबंध रक्षा, ऊर्जा और राजनीतिक समर्थन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में कसौटी पर खरे उतरे हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध लेनदेन वाले और वैश्विक परिदृश्य से प्रभावित हैं, रूस के साथ ऐतिहासिक भावनाओं पर टिके हैं।

78 साल : 1947 से अब तक

- जवाहर लाल नेहरू ने सोवियत संघ के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन के ढांचे के भीतर।
- इंदिरा गांधी के समय में भारत-रूस संबंध चरम पर पहुंचे। इस बीच 1971 की शांति, मैत्री और सहयोग की संधि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थी।
- लियोनिद ब्रेजनेव ने सोवियत नेता के रूप में इंदिरा गांधी के साथ 1971 की संधि में निभाई, जिससे मजबूत सैन्य और आर्थिक संबंधों की नींव पड़ी।
- अटल बिहारी वाजपेयी और पुतिन ने वर्ष 2000 में रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसने पुराने संबंधों को एक नई दिशा दी।
- रूस के सबसे लंबे समय नेता रहे पुतिन ने भारत के साथ संबंधों को लगातार प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में कई क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत हुई है।
- मनमोहन सिंह ने पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव के साथ असैन्य परमाणु सहयोग जैसे प्रमुख समझौते किए, जिससे ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में आगे बढ़े।
- नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी, वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लिया है और द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है।

अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध

शरीफ और मुनीर पर मानवाधिकार संकट और अंतर्राष्ट्रीय दमन का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

वाशिंगटन से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद प्रमिला जयपाल की अगुवाई में अमेरिकी संसद के कई सदस्यों ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इन सांसदों का कहना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सरकार में मानवाधिकार संकट और अंतरराष्ट्रीय दमन लगातार बढ़ रहा है। सांसदों ने उन पर वीजा पाबंदी से लेकर उनकी संपत्ति फ्रीज करने तक कई प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है।

जयपाल की ओर से बुधवार को सार्वजनिक किए गए इस पत्र में अमेरिका में प्रभावित लोगों की सुरक्षा और इस्लामाबाद के साथ डील में मानवाधिकार स्तर को बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर अमेरिकी प्रशासन से औपचारिक जवाब भी मांगा गया है। पत्र में इन घटनाओं को पाकिस्तान में लोकतंत्र के पतन के एक बड़े पैटर्न से जोड़ा गया है, जिसमें पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज पर कार्रवाई का जिक्र किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि हाल के सालों में, पाकिस्तान में तानाशाही के गलत इस्तेमाल के खिलाफ बोलने वाले अमेरिकी नागरिकों और निवासियों को धमकियों, डर और परेशानी का सामना करना पड़ा है। ये परेशानियां अक्सर पाकिस्तान में उनके परिवारों तक भी पहुंच जाती हैं।

पत्र में यह भी कहा गया है कि इन तरीकों में मनमाने ढंग से हिरासत में लेना, जबरदस्ती करना और हिंसा करना शामिल है। सरकार इन तरीकों से बाहर से आए लोगों और उनके रिश्तेदारों को निशाना बनाती है। सांसदों ने कहा कि इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका की जमीन पर विदेशी दखल के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, हालांकि हम मानते हैं कि आतंकवाद विरोध और दूसरे मुद्दों पर अमेरिका-पाकिस्तान साझेदारी अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के लिये आपसी प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए।

विदेश विभाग से मांगा जवाब : पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले सांसदों ने पूछा कि अमेरिकी प्रशासन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के साथ इस तरह से कैसे जुड़ने का प्लान बना रहा है, जिससे मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए अमेरिका के बताए गए वचनों को बनाए रखा जा सके और तानाशाही व्यवहार को सही ठहराने की किसी भी सोच से बचा जा सके। उन्होंने विदेश विभाग से 17 दिसंबर तक लिखकर जवाब देने को कहा है।

तानाशाही शासन की ओर से बढ़ रहा है पाकिस्तान

सांसदों ने दावा किया कि पाकिस्तान तानाशाही शासन की तरफ ओर बढ़ रहा है। राजनीतिक विरोधियों को बिना किसी औपचारिक आरोप के जेल में डाला जा रहा है, स्वतंत्र पत्रकारों को धमकाया जा रहा है या देश निकाला दिया जा रहा है। नागरिकों को भी ऑनलाइन गतिविधि के लिए हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और बलूचिस्तान सहित अन्य जातीय समूहों पर बढ़ते खतरे की ओर भी इशारा किया। सांसदों का कहना है कि ये समूह सरकारी दमन का खामियाजा भुगत रहे हैं। सांसदों ने ऐसी घटनाओं को नागरिक समाज को कुचलने और सैन्य शासन की सभी चुनौतियों को खत्म करने की एक सोचे-समझी साजिश करार देते हुए कहा, पाकिस्तान तानाशाही के बढ़ते संकट का सामना कर रहा है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं और बुनियादी आजादी को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है।

कट्टरपंथी इस्लाम विश्व और अमेरिका के लिए खतरा : मार्क रूबियो

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने चेतावनी दी कि कट्टरपंथी इस्लाम की ज्यादा क्षेत्रों और अधिक लोगों को नियंत्रित करने की महत्वाकांक्षा दुनिया के लिए एक आसन्न खतरा है। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका नाइजीरिया और विश्व स्तर पर ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को धन मुहैया कराने या उनका समर्थन करने वालों के लिए वीजा प्रतिबंधित करेगा। रूबियो ने एक साक्षात्कार में कट्टरपंथी इस्लामवादियों को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए दावा किया कि इस्लामी कट्टरपंथी अमेरिका को पृथ्वी पर बुराई का मुख्य स्रोत मानते हैं। रूबियो ने कहा, यह विचार कि कट्टरपंथी इस्लाम इराक या सीरिया के किसी प्रांत को नियंत्रित करके ही संतुष्ट रहेगा, ऐसा इतिहास से सिद्ध नहीं होता है। कट्टरपंथी इस्लाम ने दिखाया है कि उनकी इच्छा सिर्फ दुनिया के एक हिस्से पर कब्जा करके अपने छोटे से खलीफा से संतुष्ट होना नहीं है, वे विस्तार करना चाहते हैं।

हसीना के बेटे जॉय के खिलाफ अरेस्ट वारंट

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासित बेटे साजिब वाजेद जॉय के खिलाफ बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह वारंट मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी मां को मौत की सजा सुनाने के एक महीने बाद जारी किया गया है।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के एक अभियोजक ने बताया, न्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के लिए जॉय के विरुद्ध दर्ज मामले में वारंट जारी किया है। आईसीटी मामलों के तत्कालीन कनिष्ठ मंत्री जुनैद अहमद पलक के विरुद्ध भी ऐसा वारंट जारी किया गया था। पलक पहले से ही जेल में हैं।

ब्रिटेन: नर्व एजेंट हमले के लिए रूसी खुफिया एजेंसी पर पाबंदी

लंदन, एजेंसी

- पुतिन पर लगाया आदेश देने का आरोप, रूस का राजदूत तलब

ब्रिटेन ने 2018 के 'नर्व एजेंट' हमले को लेकर बृहस्पतिवार को रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके साथ मॉस्को के राजदूत को भी तलब किया। ब्रिटेन ने यह कदम एक जांच में निकले निष्कर्ष के बाद उठाया है, जिसमें दावा गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2018 में ब्रिटेन की भूमि पर हुए 'नर्व एजेंट' हमले के लिए जिम्मेदार थे।

'नर्व एजेंट' ऐसे जहरीले रसायन हैं जो सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करते हैं। ये मस्तिष्क तक जाने वाले संकेतों को बाधित कर देते हैं, जिससे शरीर ठीक तरह से काम करना बंद कर देता है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि सैलिसबरी शहर में हुए उस हमले के लिए जीआरयू पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिसमें ब्रिटेन आए पूर्व सोवियत एजेंट सर्गेई स्क्रिपल को निशाना बनाया गया था। 'नोविचोक नर्व एजेंट' के संपर्क में आने से एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्गेस की मौत हो गई थी। स्टर्गेस की मौत की जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एंथनी ह्यूजेस ने कहा कि स्क्रिपल पर हमले को पुतिन की ओर से उच्चतम स्तर पर अधिकृत किया गया होगा।

अंतरिक्ष मिशन के लिए मिल सकते हैं रूस से सेमी क्रायोजेनिक इंजन

इंजन के साथ तकनीक भी हस्तांतरित करने को रूस सहमत

मॉस्को, एजेंसी

रूस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करते हुए अपने सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन आरडी-191 की आपूर्ति करने और इसके निर्माण की तकनीक भारत को देने के लिए सहमत है। यह कदम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गुरुवार से शुरू हो रही दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान इस बेहद खास सौदे की घोषणा हो सकती है।

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री बकनोव ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि भारत के साथ रॉकेट इंजन का सौदा होने वाला है। उन्होंने मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष स्टेशन के विकास में भी सहयोग की संभावना जताई। बकानोव ने इंजन के प्रकार का उल्लेख नहीं किया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन होगा। दोनों देशों के बीच रॉकेट इंजन सौदे पर पिछले कुछ वर्षों से बातचीत चल रही थी। यह रूस और भारत के बीच दूसरा प्रमुख सौदा होगा, इससे पहले ब्रह्मोस मिसाइल का संयुक्त उद्यम सफलतापूर्वक चल रहा है।

- पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हो सकते हैं अहम सौदे

यह दूसरी बार होगा जब भारत रूस से रॉकेट इंजन खरीदेगा।

पहले भारत ने इसरो के जीएसएलवी रॉकेट के शुरुआती चरण के लिए सात क्रायोजेनिक इंजन खरीदे थे, लेकिन अमेरिकी भूराजनीतिक दबाव के कारण रूस ने बाद में आपूर्ति रोक दी थी और कोई तकनीक हस्तांतरण नहीं किया गया था। भारत अपने मौजूदा भारी-लिफ्ट रॉकेट एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) में आरडी-191 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करना चाहता है। वर्तमान में, एलवीएम3 की पेलोड क्षमता भूस्थिर कक्षा के लिए केवल चार टन है। इसरो इस क्षमता को पांच टन तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए शक्तिशाली क्रायोजेनिक इंजन के साथ एलवीएम3 के दूसरे चरण के तरल इंजन को सेमी-क्रायोजेनिक इंजन से बदला जाएगा। ये संवर्द्धन पेलोड क्षमता को बढ़ाएंगे और न्यूस्पेस इंडिया के जरिए वाणिज्यिक पेशकशों के लिए रॉकेट को तैयार करेंगे। अभी भारत को चार टन से अधिक वजन वाले संचार उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए विदेशी एजेंसियों को भारी रकम चुकानी पड़ती है।

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सहयोग की घोषणा

मास्को। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने कहा है कि उनका देश नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग को और बढ़ाने के लिए तैयार है। मंटुरोव ने एक साक्षात्कार में स्पुतनिक से कहा, रूस एक ऐसा भागीदार है जो भारत के साथ न केवल अत्याधुनिक विमानन तकनीक की आपूर्ति करके, बल्कि भारत के घरेलू विमानन उद्योग के विकास के लिए भी काम करने के लिए तैयार है। हमारा मानना है कि आपसी हित सैन्य क्षेत्र से आगे जाकर नागरिक उड्डयन में भी सहयोग का विस्तार करने में हो सकता है। गौरतलब है कि दोनों देशों का विमानन सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। सुप्रसिद्ध मिग-21 और सुखोई-30एमकेआई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान भारत में लाइसेंस के तहत बनाए जाते हैं।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में गिरा अमेरिका का एफ-16

ट्रोना। अमेरिकी वायुसेना के विशिष्ट 'थंडरबर्ड्स' दस्ते का एक लड़ाकू विमान दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट समय रहते बाहर निकलने में सफल रहा।

सैन बर्नार्डिनो काउंटी के दमकल विभाग के अनुसार, पायलट का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसे जानलेवा चोट नहीं लगी हैं। नेवादा में स्थित नेलिस एयरफोर्स बेस की ओर से जारी बयान के अनुसार, एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन बुधवार सुबह लगभग 10:45 बजे कैलिफोर्निया में नियंत्रित हवाई क्षेत्र में प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

दमकल विभाग ने बताया कि विमान लॉस एंजिलिस से 290 किमी उत्तर में स्थित मोजावे रेगिस्तान के ट्रोना के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने की यूक्रेन को 6.2 करोड़ डॉलर की सैन्य मदद देने की घोषणा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के लिए 9.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें रक्षा बल सामग्री एवं उपकरण शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने विदेश मंत्री पेनी वोंग और रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय के साथ एक बयान में कहा कि नए पैकेज से यूक्रेन को ऑस्ट्रेलिया की कुल सहायता 1.7 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक हो जाएगी।

नई सैन्य सहायता में नाटो की प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची में 5.0 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान शामिल होगा, जिसके माध्यम से यूक्रेन को महत्वपूर्ण उपकरण, साथ ही 4.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति की जाएगी। एडीएफ उपकरणों में सामरिक वायु रक्षा रडार, युद्ध सामग्री और लड़ाकू इंजीनियरिंग उपकरण शामिल होंगे।

- नए सहायता पैकेज में रक्षा बल सामग्री और उपकरण शामिल

पुतिन पर शांति प्रयासों में दिखावे का आरोप

कीव। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने पुतिन पर शांति वार्ता में रुचि दिखाने का दिखावा करने का आरोप लगाया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री य्वेट कूपर ने कहा कि पुतिन को दिखावा और खूनखराबा बंद करके वार्ता करनी चाहिए और उचित व दीर्घकालिक शांति के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने पुतिन से दुनिया का समय बर्बाद न करने की अपील की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 6 दिसंबर 00 .55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

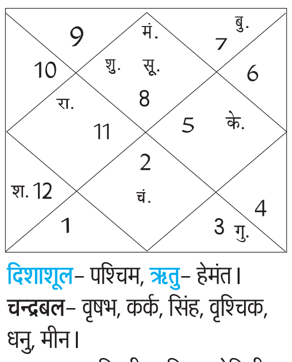

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 11 .46 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष - आज अपने खर्चों में कटौती करें वरना बजट गड़बड़ा सकता है। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। बाहर का भोजन करने से पाचन खराब हो सकता है।

वृष - आज आप पूरी मेहनत से काम करेंगे। कारोबार में उत्तम धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च करेंगे पुराने निवेश से धन लाभ होगा। युवा जातक प्रेम सम्बन्धों को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। तात्कालिक निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। बिना मांगे किसी को राय देने से अपमान हो सकता है। अनैतिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उधार धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कर्क - आज कारोबार को लेकर यात्रा हो सकती है। उच्च अधिकारी आपके काम से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। लोग आपसे परामर्श लेना पसंद करेंगे।

सिंह - आज आपके कार्य धीमी गति से पूर्ण होंगे। पड़ोसियों के साथ विवाद उभरने की आशंका है। रिश्तों में मधुरता का आनंद लेंगे। कारोबार में कठिनाई हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ नहीं है। अपनी दिनचर्या संतुलित रखें।

कन्या - आज महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिन शुभ है। धर्म-कर्म में रुचि कम होने की संभावना है। शोधकार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। मतभेदों का निवारण हो सकता है।

तुला - आज कारोबार में बड़ा निवेश करने से पहले पूरी जांच-परख कर लें। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। नए कार्यों की शुरुआत न करें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थकान महसूस होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर हो सकता है।

वृश्चिक - आज आपके सभी कार्य अच्छी तरह से पूर्ण होंगे। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। साझेदारी में नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समय का आनंद उठाएंगे। प्रेम विवाह को लेकर समस्या हो सकती है।

धनु - आज का दिन कानूनी मामलों के लिए शुभ है। कोई कठिन कार्य पूरा हो सकता है। किसी से द्वेष व कपटपूर्ण बर्ताव न करें। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुराना उधार चुकाने में सफलता मिलेगी।

मकर - आज अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास करें। नव विवाहित लोग कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अपने प्रेमी जन को प्रपोज करने के लिए दिन शुभ है। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कारोबार में धन लाभ मिलेगा।

कुंभ - आज आप अपने करियर को लेकर अत्यन्त गंभीर रहेंगे। नजदीकी लोगों की सलाह की उपेक्षा करना नुकसानदेह हो सकता है। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट हो सकती है। व्यर्थ के खर्चे बढ़ सकते हैं। सरकारी कार्यों में रुकावटें आने की संभावना है।

मीन - आज कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी संवादशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। करियर में बड़ा बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। दांपत्य संबंधों में भावनात्मक लगाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सुडोकू-181

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
				4				
		7						
3			2					
5								9
			5					
						1	7	
	4	8						

सुडोकू - 180 का हल

5	1	8	7	2	4	3	9	6
2	7	4	3	9	6	1	8	5
3	9	6	5	8	1	4	2	7
9	2	7	1	6	3	5	4	8
1	8	3	2	4	5	6	7	9
6	4	5	8	7	9	2	3	1
8	5	2	6	3	7	9	1	4
7	6	9	4	1	2	8	5	3
4	3	1	9	5	8	7	6	2

"रन तभी मायने रखते हैं जब आप मैच जीतते हैं। ईमानदारी से कहूं तो कम से कम मेरे लिए तो यही मायने रखता है। अगर हम दूसरा वनडे हार जाते तो मैं पिछले मैच की तरह ही दुखी होता। जीत हासिल करके मुझे बहुत खुशी हुई है।

– एडेन मार्करम

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नारायण 600 टी-20 विकेट चटकाने वाले पहले क्रिकेटर बने

अबु धाबी। गेंदबाजी में विविधता के लिए पहचाने जाने वाले रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में 600 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। वेस्टइंडीज के नारायण ने बुधवार को यहां शारजाह वारियर्स के खिलाफ अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। त्रिनिदाद के इस 37 वर्षीय क्रिकेटर ने टॉम एबेल को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। उनकी यह उपलब्धि टी20 प्रारूप में महानतम गेंदबाजों में से एक के रूप में नारायण के दर्जे को और मजबूत करती है। मैच के बाद अबु धाबी नाइट राइडर्स ने नारायण के विशेष जर्सी दी जिसमें 600 अंक लिखा था जो उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को दर्शाता है।

चेन्नई सुपर वॉरियर्स प्लेऑफ में पहुंचा

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर वॉरियर्स बृहस्पतिवार को यहां इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-2 से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। चेन्नई की टीम चार जीत से 12 अंक के साथ तालिका में सबसे ऊपर है। उसके बाद हैदराबाद की टीम दूसरे स्थान पर है। लखनऊ की टीम तीसरे और गुड़गांव की टीम चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है जिससे वह सबसे नीचे है। वहीं बेंगलुरु पांचवें स्थान पर है।

बैडमिंटन : भारत का दमदार प्रदर्शन

गुवाहाटी। तन्वी शर्मा और अश्मिता चालिहा की अगुआई में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बृहस्पतिवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 41वीं नंबर की खिलाड़ी और आठवीं वरीय तन्वी ने महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पासा ओर्न फानाचेट को सीधे गेम में 21-17 23-21 से हराया। दुनिया की 96वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने पांचवीं वरीय हमवतन अनमोल खरब के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए 16-21 21-17 21-16 से जीत दर्ज की। भारत की इशारानी बरुआ ने हमवतन श्रेया लेले को 21-13 10-21 21-12 से हराया। तुषार सुवीर ने पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के बिस्मो राया ओक्तोरा को 21-17 18-21 21-15 से शिकस्त दी।

ईपीएल : आर्सेनल को पांच अंकों की बढ़त

लंदन : आर्सेनल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में पांच अंक की बढ़त हासिल कर ली है जबकि लिवरपूल का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। आर्सेनल ने जहां ब्रेंटफोर्ड पर 2-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं लिवरपूल ने एनफील्ड में अंतिम क्षणों में आत्मघाती गोल की मदद से संदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। मौजूदा चैंपियन लिवरपूल की टीम अब आठवें स्थान पर है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज माधव कौशिक। एजेंसी

उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

समीर रिज्वी के अर्धशतक के बाद भुवनेश्वर कुमार की धारदार गेंदबाजी से उत्तर प्रदेश ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में चंडीगढ़ को 40 रन से हरा दिया।

उत्तर प्रदेश के 213 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ की टीम भारतीय टीम से बाहर चल रहे भुवनेश्वर (23 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। उत्तर प्रदेश ने इससे पहले रिज्वी की 42 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों से 70 रन की पारी और सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक (67 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की बदौलत सात विकेट पर 212 रन बनाए। सिद्धार्थ यादव ने भी रन आउट होने से पहले 12 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 28 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा (61 रन) ने एक छोर संभाले रखा पर दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला।

हार्दिक पंड्या के प्रशंसकों की दीवानगी के कारण मैच स्थल बदला गया

हैदराबाद : भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को देखने के लिए जबरदस्त भीड़ को देखते हुए आयोजकों को बृहस्पतिवार को यहां जिमखाना मैदान जैसे साधारण स्थल से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच को अधिक सुरक्षित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में स्थानांतरित करना पड़ा। यह मुकाबला उनकी टीम बड़ौदा और गुजरात के बीच खेला गया। इसमें बड़ौदा ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हार्दिक की मौजूदगी के कारण अप्रत्याशित भीड़ और सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया गया।

केरल की चैंपियन मुंबई पर सनसनीखेज जीत

लखनऊ : कप्तान संजू सैमसन (46), विष्णु विनोद (नाबाद 43) और शराफुद्दीन (नाबाद 35/ एक विकेट) के बाद केएम आसिफ (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर केरल ने ग्रुप ए मुकाबले में गुरुवार को चैंपियन मुंबई को 15 रनों से शिकस्त दी।

टॉस और ओस ने निभाई अहम भूमिका

दूसरे वनडे में भारतीय कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने बताए दक्षिण अफ्रीका से हार के कारण

रायपुर, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में 358 रन के बड़े स्कोर का बचाव नहीं कर पाने पर भारत के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने कहा कि ओस से प्रभावित इन मैचों में टॉस बहुत बड़ी भूमिका निभाती है, जिससे बहुत ज्याद फर्क पड़ता है। यह लगातार 20वां वनडे था, जहां भारत ने टॉस हारा हो। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी चुनी और चार गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

केएल राहुल।

राहुल ने कहा बहुत ज्यादा ओस है, जिससे दूसरी पारी में गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है। पिछले मैच में हमने इन सबके बावजूद बहुत अच्छा किया था। गीली गेंद से गेंदबाजी करने में गेंदबाजों को जो दिक्कतें होती हैं, उससे मुझे लगता है कि टॉस बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए लगातार दो टॉस हारने का मुझे खुद अफसोस हो रहा है। इसका वाकई बहुत बड़ा असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा पीछे मुड़कर देखें तो हमेशा कुछ बातें होती हैं, जो हम बेहतर कर सकते थे। बल्लेबाजी में मुझे पता है कि 350 रन अच्छे लगते हैं, लेकिन पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही चर्चा थी कि हम 20-25 रन और कैसे जोड़ सकते हैं, ताकि गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिल सके। उन्होंने कहा गेंदबाज दिल से पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में हमें सुधार की जरूरत है।

फील्डिंग में भी हमने कुछ आसान चौके दे दिए। अगर हम खेल के तीनों पहलुओं में कसावट ला सकें और थोड़ा और ते बन सकें, तो शायद वो 20-25 रन हमारे पक्ष में आ जाएं और हम शायद जीत-हार के दूसरी तरफ हों।" भारत ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ के शतकों की बदौलत बड़ा स्कोर बनाया। यह 11वीं बार था, जब कोहली ने लगातार दो वनडे मैचों में शतक लगाया हो, जबकि गायकवाड़ का यह इस प्रारूप में पहला शतक था। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 156 गेंदों में 195 रन की साझेदारी की। राहुल ने कहा विराट जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे थे, उसे देखना बहुत सुंदर था। जाहिर है, हमने उन्हें यह सब करते हुए अब 53 बार देखा है। वह अपना काम करते रहते हैं और हम सब इसे देखने के आदी हैं। ऋतु (गायकवाड़) जिस तरह से खेले, वह भी देखने में बहुत सुखद था। उन्होंने स्पिनरों पर आक्रमण किया और गैप में शॉट लगाए।

नई जिम्मेदारी से सामंजस्य बैठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई : गायकवाड़

रायपुर : सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, पर दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नई भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। भारत इस मैच में हालांकि चार विकेट से हार गया था। गायकवाड़ ने कहा मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए। वनडे प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं।

जिन्होंने करियर में कुछ हासिल नहीं किया वे रोहित-कोहली का भविष्य तय कर रहे

शारजाह। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इस बारे में बात नहीं करते या इस पर कोई चर्चा नहीं करते। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कोहली और रोहित के साथ किए जा रहे व्यवहार के संदर्भ में कहा जब मैं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी को देखता हूं जो अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है तो मुझे बहुत खुशी होती है।

पहली गेंद से ही लग रहा था कि कोहली लगातार दूसरा शतक लगाने में सफल रहेंगे : गावस्कर

रायपुर। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शुरू से ही लग रहा था कि विराट कोहली शतक लगाने में सफल रहेंगे, क्योंकि इस दिग्गज बल्लेबाज ने छक्का लगाकर अपना खाता खोला और पिछले मैच के अपने आत्मविश्वास को बनाए रखा। कोहली ने बुधवार को यहां 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 53वां शतक और सभी प्रारूप में मिलाकर 84वां शतक है। हालांकि भारत यह मैच चार विकेट से हार गया। उन्होंने 30 नवंबर को रांची में खेले गए पहले मैच में 120 गेंदों पर 135 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 17 रन से जीता था। जियोस्टार विशेषज्ञ गावस्कर ने कहा ईमानदारी से कहूं तो किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि वह शतक नहीं बना पाएंगे। पहली गेंद से ही ऐसा लगा कि वह रांची की अपनी पारी को ही आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कोहली ने हुक करके छक्का जड़कर शुरुआत की।

आनंद को हराकर एरिगैसी ने खिताब जीता

जेरूशलम, एजेंसी

जेरूशलम मास्टर्स

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन

आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

एरिगैसी ने बाद में कहा यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफ़ी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के ख़िलाफ़ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। एरिगैसी ने सेमीफाइनल में रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर को जबकि आनंद ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियन इयान नेपोमनियाची को हराया था।

एशेज सीरीज में शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के जो रूट। एजेंसी

रूट का ऑस्ट्रेलिया में पहला शतक

ब्रिस्बेन, एजेंसी

- एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट का पहला दिन
- स्टार्क के छह विकेट के बावजूद इंग्लैंड संभला

325 रन नौ विकेट पर बना लिए इंग्लैंड ने पहले दिन स्टंप तक

जो रूट (नाबाद 135 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक जड़ा जिससे इंग्लैंड ने स्टंप तक पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 71 रन देकर छह विकेट झटके लेकिन इंग्लैंड शुरूआती झटकों से उबरकर अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया में रूट ने अभी तक शतक नहीं लगाया था और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 एशेज टेस्ट में उनका सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 89 था। लेकिन उन्होंने लंबा इंतजार खत्म करते हुए 181 गेंद में 11 चौके से 100 रन पूरे किए। वह अभी तक 202 गेंद का सामना करके 15 चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

स्टार्क ने बेन डकेट और ओली पोप को खाता भी नहीं खोलने दिया जिससे तीसरे ओवर में इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया था। तभी रूट क्रीज पर आए। उन्होंने पर्थ में सीरीज के पहले मैच में मिली आठ विकेट की हार के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए आत्मविश्वास दिलाने की कोशिश की। वह 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ क्रीज पर मौजूद हैं। आर्चर ने अपने करियर का सबसे अच्छा नाबाद 32 रन का स्कोर बनाया। इससे रूट और आर्चर ने अंतिम विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी निभा ली है। स्टार्क ने बीच के सत्र में हैरी ब्रूक (31 रन) को आउट कर अपने करियर का 415वां विकेट हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया ने जापान को और इंग्लैंड ने चिली को हराया

चेन्नई, एजेंसी

इयान ग्रोबेलार के 56वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में गुरुवार को जापान को 1-0 से हराया। जूनियर स्तर पर विश्व कप में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकी ऑस्ट्रेलियाई टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। तीन बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच जे स्टासी की टीम को जापान ने आखिरी पांच मिनट बचने तक गोलरहित बराबरी पर रोके रखा। इसके बाद चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर इयान ने गोल करके टीम को जीत दिलाई। वहीं, इससे पहले इंग्लैंड ने चिली को 3 - 1 से और आयरलैंड ने स्विटजरलैंड को 5-2 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया के लैकलन रोजर्स (पीले रंग में) और जापान के शोगो सासाकी हॉकी जूनियर विश्व कप में बॉल के लिए मुकाबला करते हुए। एजेंसी

मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में इंग्लैंड के लिए काडेन ड्रेसे ने तेरहवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा। वहीं कप्तान मैक्स एंडरसन ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में फील्ड गोल करके बढत दुगुनी कर दी। इसके चार मिनट बाद चिली के लिए जेवियर वर्गास ने बेहतरीन फील्ड गोल करके अंतर कम किया। चिली पूल चरण में भारत और स्विटजरलैंड के बाद पूल बी में तीसरे स्थान पर रही थी। इंग्लैंड ने हालांकि जवाबी हमलों में जॉनी हिबिट स्टर्च के गोल के दम पर फिर 3-1 से बढत बना ली। हॉफटाइम तक यही स्कोर था और आखिरी दोनों क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए लेकिन गोल नहीं हो सका। दक्षिण अफ्रीका ने जेडन ब्रूकर के दो गोलों की मदद से मलेशिया को नौवे से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैच में 3-1 से हराया। मैच में चारों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए। ब्रूकर ने 18वें और 39वें मिनट में गोल दागे जबकि तीसरा गोल रोस मोंटगोमेरी ने 58वें मिनट में किया। मलेशिया के लिये एकमात्र गोल मैट अकील ने 48वें मिनट में किया।

जूनियर हॉकी विश्व कप

क्वार्टर फाइनल में आज होगी भिड़ंत, पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने पर देना होगा ध्यान

बेल्जियम के खिलाफ भारत की होगी असली परीक्षा

चेन्नई, एजेंसी

भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप के एक मैच दौरान भारतीय खिलाड़ी। फाइल फोटो

यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए।

2016 में भारत ने आखिरी बार जीता था खिताब

पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।

कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत : श्रीजेश

कोच श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा पर भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए, इतने ही पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। उन्होंने कहा जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी।